Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24

website- www.dvpnews.in

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 288 ● वर्ष : 12 ● रायपुर, गुरुवार 08 मई 2025 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

अपने लोचनों को इतना विशाल बनाओ कि विश्वलोचन बन जाये।

Expand your eyes to such an extent that they may become ryes of the world.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

'ऑपरेशन सिंदूर' भारत ने पहलगाम हमले का लिया बदला, पाकिस्तान पर दागीं 24 मिसाइल

हमले में 9 आतंकी ठिकानों को बनाया निशाना, एलओसी पर पाक की फायरिंग में पुंछ के 15 लोगों की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। आखिरकार भारत ने पाकिस्तान के आतंकी संगठनों के खिलाफ जवाबी कार्रवाई कर ही दी। इंडियन एयरफोर्स ने मंगलवार आधी रात 1:05 बजे पाकिस्तान और पीओके, यानी पाक अधिकृत कश्मीर के भीतर एयर स्ट्राइक की। इस हमले में 9 आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया है। इसमें 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए हैं। भारत की ये जवाबी कार्रवाई पहलगाम हमले के 15 दिन बाद की गई है और इसका नाम दिया है 'ऑपरेशन सिंदूर'। ये नाम उन महिलाओं को समर्पित है, जिनके पतियों की पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकियों ने हत्या कर दी थी।

प्रधानमंत्री मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर के लिए तीनों सेनाओं की तारीफ की। ऑपरेशन सिंदूर पर कहा कि ये नया भारत है। पूरा देश हमारी ओर देख रहा था। ये तो होना ही था।

पाकिस्तान के इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस के डायरेक्टर लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने कहा- भारत ने 24 मिसाइलें दागी हैं। सूत्रों के हवाले से बताया कि पीएम मोदी ऑपरेशन सिंदूर को पूरी रात मॉनिटर करते रहे। जम्मू-कश्मीर के पुंछ में एलओसी पर पाकिस्तान की ओर से की गई फायरिंग में 15 लोगों की मौत हो गई।

सरकार ने एयर स्ट्राइक के 9:30 घंटे बाद जानकारी दी- सेना ने एयर स्ट्राइक के 9:30 घंटे बाद सुबह 10:30 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें विदेश सचिव विक्रम मिसरी और आर्मी की कर्नल सोफिया कुरैशी और एयरफोर्स से विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने ऑपरेशन के बारे में जानकारी दी। सबसे पहले एयर स्ट्राइक का 2 मिनट का वीडियो प्ले किया गया। इसमें आतंकी ठिकानों पर भारतीय सेना की कार्रवाई दिखाई गई। कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने बताया कि रात 1:05 बजे और 1:30 बजे के बीच ऑपरेशन हुआ। 25 मिनट में पाकिस्तान और पीओके में 9 टारगेट पहचाने गए थे। इन्हें हमने तबाह कर दिया। लॉन्चपैड, ट्रेनिंग सेंटर्स टारगेट किए गए। पीओके में मुजफ्फराबाद स्थित लश्कर के सवाई नाला ट्रेनिंग सेंटर को सबसे पहले निशान बनाया गया। सोनमर्ग, गुलमर्ग और पहलगाम हमले के आतंकियों ने यहीं ट्रेनिंग ली थी। मुजफ्फराबाद का सैयदना बिलाल कैंप। यहां हथियार, विस्फोटक और जंगल सर्वाइवल की ट्रेनिंग दी जाती थी। कोटली का लश्कर का गुरपुर कैंप। पूंछ में 2023 में श्रद्धालुओं पर हमला करने वाले आतंकी यहीं ट्रेंड हुए थे। भिम्बर का बरनाला कैंप।

अटैक के बाद पीएम मोदी का पहला बयान- 'जैसी तैयारी थी सेना ने वैसा ही किया'

नई दिल्ली (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना ने देर रात बड़ी कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान स्थित नौ आतंकी ठिकानों को ध्वस्त कर दिया है। 'ऑपरेशन सिंदूर' नाम के इस अभियान को लेकर पूरे देश में उत्साह का माहौल है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस संबंध में कैबिनेट की बैठक की और सेना के शौर्य की सराहना की।

कैबिनेट सूत्रों के मुताबिक, बैठक के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कैबिनेट सहयोगियों को पाकिस्तान के खिलाफ चलाए गए इस सफल ऑपरेशन की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भारतीय सेना ने पूरी तैयारी के साथ और बिना किसी चूक के इस कार्रवाई को अंजाम दिया, जो हम सभी के लिए अत्यंत गर्व का क्षण है। प्रधानमंत्री ने सेना के प्रति आभार व्यक्त किया। इसके उपरांत केंद्रीय कैबिनेट के सभी मंत्रियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूर्ण विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि पूरा देश उनके साथ मजबूती से खड़ा है।

राष्ट्रपति मुर्मु से मिले प्रधानमंत्री मोदी, 'ऑपरेशन सिन्दूर' की दी जानकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की और उन्हें ऑपरेशन सिंदूर के बारे में जानकारी दी। इस अभियान में भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में कई आतंकी ठिकानों को बर्बाद कर दिया है। बुधवार की सुबह शुरू किया गया यह अभियान भारतीय सेना, वायुसेना और नौसेना द्वारा संयुक्त रूप से संचालित किया गया। राष्ट्रपति कार्यालय ने एक्स पोस्ट में लिखा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की और उन्हें ऑपरेशन सिंदूर के बारे में जानकारी दी।

हनुमान जी के आदर्श का पालन करते हुए बदला लिया

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर पर रिएक्शन दिया। उन्होंने सेना की प्रशंसा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में भारतीय सेना ने सभी भारतवासियों का मस्तक ऊंचा किया है। भारतीय सेनाओं ने अपने शौर्य और पराक्रम का परिचय देते हुए एक नया इतिहास रच दिया है। हमने हनुमान जी के उस आदर्श का पालन किया है, जो उन्होंने अशोक वाटिका उजाड़ते हुए किया था। हमने केवल उन्हीं को मारा, जिन्होंने हमारे मासूमों को मारा। रक्षा मंत्री ने 6 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों में सीमा सड़क संगठन के 50 इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स की शुरुआत के अवसर पर संबोधित किया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने की 'ऑपरेशन सिंदूर' की तारीफ

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और राज्य के अन्य नेताओं ने ऑपरेशन सिंदूर की तारीफ की है। आतंकी ठिकानों पर की गई सैन्य कार्रवाई के लिए भारतीय सशस्त्र बलों की सराहना की है। मुख्यमंत्री साय ने पहलगाम हमले में मारे गए लोगों को लिए एक भावनात्मक कविता पोस्ट की है। पहलगाम आतंकी हमले में मृतकों के परिजनों को भावनात्मक पंक्तियां समर्पित करते हुए सीएम विष्णुदेव साय ने लिखा- 'लिख चुके हैं फिर लिखेंगे बार-बार इतिहास में, होंगे शत्रु सदा विफल हमसे द्वन्द के प्रयास में, तुमने कहा मोदी को बोलो मृत्यु के उपहास में, अब सुनो हमारा गर्जन अपनी अंतिम सांस में।' उन्होंने कहा, गौरवान्वित और भावुक महसूस करते हुए ये पंक्तियां पहलगाम की हर बहन को समर्पित कर रहा हूं।

'ऑपरेशन सिंदूर' पर पूरे देश को गर्व : उपमुख्यमंत्री

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि भारतीय सेना के अदम्य साहस और निर्णायक नेतृत्व ने आज 'ऑपरेशन सिंदूर' के माध्यम से पूरे देश को गर्व से भर दिया है। हमारे जांबाज़ जवानों ने जिस तरह दुश्मन के इरादों को नेस्तनाबूद किया है, वह हमारी सैन्य शक्ति और राष्ट्रीय संकल्प का प्रतीक है। इस ऑपरेशन में पाकिस्तान की धरती पर मौजूद आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया और नौ आतंकवादियों को मौत के घाट उतारा गया। यह कार्यवाही सिर्फ एक जवाबी हमला नहीं, बल्कि उन माताओं-बहनों के आंसुओं का प्रतिशोध है, जिनका सिंदूर पहलगाम जैसी नृशंस घटनाओं में मिटा दिया गया था। जब निर्दोष लोगों के सामने उनके पति, बेटे, भाई को गोलियों से छलनी किया गया, तब देश की आत्मा रो पड़ी थी।

सेना की कार्रवाई पर राहुल और खरगे ने जताया गर्व

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तान और पीओके स्थित आतंकी ठिकानों पर की गई जवाबी कार्रवाई पर कांग्रेस ने खुलकर समर्थन जताया है। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि पार्टी की कार्यसमिति में इस मुद्दे पर चर्चा हुई है और सेना को कांग्रेस की ओर से पूरा समर्थन है। राहुल गांधी ने कहा, हमने कार्यसमिति में चर्चा की। हमारी सेनाओं को पूरा समर्थन है। उन्हें शुभकामनाएं और ढेर सारा प्यार। कांग्रेस पार्टी और कांग्रेस कार्यसमिति की ओर से उन्हें पूरा समर्थन है। वहीं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सेना की कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि पूरे देश को भारतीय सेना पर गर्व है।

10वीं-12वीं बोर्ड के परीक्षा परिणाम घोषित, बालिकाओं ने मारी बाजी

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने माध्यमिक शिक्षा मंडल के वेबसाइट पर अपलोड किया परीक्षा परिणाम

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज मंत्रालय महानदी भवन में हाई स्कूल और हायर सेकेण्डरी स्कूल परीक्षा 2025 के परिणाम जारी किए। उन्होंने माध्यमिक शिक्षा मंडल के वेबसाइट में परीक्षा परिणाम अपलोड किया। वर्ष 2025 की हाई स्कूल और हायर सेकेण्डरी स्कूल के परीक्षा में बालिकाओं ने अपना परचम लहराया है। 10वीं की परीक्षा में 80.70 प्रतिशत और 12वीं की परीक्षा में 84.67 प्रतिशत बालिकाओं ने सफलता प्राप्त की है। दोनों परिक्षाओं में बालकों का प्रतिशत क्रमशः 71.39 और 78.07 रहा है। 10वीं एवं 12वीं की प्रावीण्य सूची में कांकेर जिले के बच्चों ने प्रथम स्थान बनाया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने सफल हुए विद्यार्थियों और उनके पालकों को बधाई दी है और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। किन्ही कारणों से असफल रहने वाले विद्यार्थियों से मुख्यमंत्री ने कहा है कि वे फिर से दुगुनी मेहनत और दुगुनी लगन के साथ तैयारी करें और अगले परीक्षा में अवश्य सफल होंगे।

छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित हाई स्कूल सर्टिफिकेट (10वीं) की मुख्य परीक्षा में कुल तीन लाख 23 हजार 94 परीक्षार्थी शामिल हुए थे। उनमें से एक लाख 45 हजार 141 बालक और एक लाख 77 हजार 953 बालिकाएं हैं। इनमें से कुल तीन लाख 21 हजार 299 परीक्षार्थियों के परिणाम घोषित किए गए। जिसमें कुल दो लाख 45 हजार 913 (कुल 76.53 प्रतिशत) परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुए। इसी तरह हायर सेकेण्डरी स्कूल सर्टिफिकेट (12वीं) की परीक्षा में कुल दो लाख 38 हजार 626 परीक्षार्थी शामिल हुए। जिनमें से एक लाख एक हजार 184 बालक और एक लाख 37 हजार 442 बालिकाएं हैं। इनमें से कुल एक लाख 94 हजार 906 (81.87 प्रतिशत) परीक्षार्थी उत्तीर्ण रहे।

छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल की वेबसाइट https:cg.results.nic.in तथा https:www.cgbse.nic.in पर परीक्षा परिणाम उपलब्ध है। इस अवसर पर विधायक रायपुर (ग्रामीण) श्री मोतीलाल साहू, अपर मुख्य सचिव एवं माध्यमिक शिक्षा मंडल की अध्यक्ष श्रीमती रेणु जी पिल्ले, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री सुबोध सिंह, स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव श्री सिद्धार्थ कोमल परदेशी, मुख्यमंत्री के सचिव डॉ. बसवराजु एस. माध्यमिक शिक्षा मंडल की सचिव श्रीमती पुष्पा साहू सहित माध्यमिक शिक्षा मंडल के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

मॉक ड्रिल में पाकिस्तान एयर फाइटर से सूर्या मॉल में बम गिराया

दुर्ग (विश्व परिवार)। जिले में शाम 4 बजे एक हाई-अलर्ट मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया, जिसमें युद्धकालीन आपातकालीन स्थिति का अभ्यास किया गया. इस मॉक ड्रिल में पाकिस्तान एयर फाइटर से सूर्या मॉल में बम गिराया गया. इस दौरान आग की लपटों के बीच सैकड़ो नागरिक फंसे जिसका रेस्क्यू किया जा रहा है।

भिलाई के सूर्या मॉल को मॉक ड्रिल का केंद्र बिंदु बनाया गया, जहां परिकल्पना के अनुसार सैकड़ों नागरिक आग और धुएं के बीच फंस गए. जिसके बाद एनसीसी, पुलिस और रेस्क्यू टीमों ने मॉल में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने का अभ्यास शुरू किया. रेस्क्यू के दौरान फायर ब्रिगेड, स्वास्थ्य विभाग और सुरक्षा बलों का संयुक्त संचालन किया जा रहा है। इसके तहत भिलाई के सेक्टर-1 और सेक्टर-9 क्षेत्र में शाम 7:30 बजे से 7:45 बजे तक ब्लैकआउट किया जाएगा. केवल भिलाई सेक्टर एवं प्लांट क्षेत्र में रेड अलर्ट सायरन बजने से प्रारंभ कर ऑल क्लियर सायरन बजने तक ब्लैक आउट माकड्रिल का आयोजन किया जायेगा. इस दौरान रैड अलर्ट साइरन बजने पर सभी नागरिक अपने घर, दुकान, आफिस, संस्थान आदि की रोशनी को बंद करना होगा. सडक पर चल रहे वाहन को रैड अलर्ट साइरन बजते ही वाहन को खड़ा कर उसकी हैडलाइट और बैकलाइट को भी बंद रखा जायें।

पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा- अगर भारत पीछे हटेगा तो हम भी तनाव खत्म कर देंगे

पाकिस्तान को अपनी सुरक्षा का पूरा हक है : ख्वाजा आसिफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव को लेकर पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा है कि अगर भारत अपने आक्रामक रुख से पीछे हटता है, तभी यह तनाव खत्म हो सकता है। यह बयान तब आया जब भारत ने ऑपरेशन सिंदूर चलाकर पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में नौ जगहों पर हवाई हमले किए। भारत का कहना है कि ये हमले आतंकवादी ठिकानों पर किए गए थे। इसके जवाब में पाकिस्तान ने भी नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास जवाबी कार्रवाई का दावा किया है। ब्लूमबर्ग से बात करते हुए ख्वाजा आसिफ ने कहा कि पाकिस्तान को अपनी सुरक्षा का पूरा हक है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने हमला शुरू नहीं किया, बल्कि केवल भारत के हमले का जवाब दिया है। उन्होंने कहा, यह सब भारत ने शुरू किया है। अगर भारत पीछे हटेगा तो हम भी तनाव खत्म कर देंगे। लेकिन जब तक हम पर हमला होता रहेगा, हमें अपनी रक्षा करनी होगी।

हवाई हमलों में कम से कम 26 लोगों की मौत हुई और 46 घायल हुए हैं- पाकिस्तान के इंटर सर्विस पब्लिक रिलेशन (आईएसपीआर) के प्रमुख जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने बताया कि इन हवाई हमलों में कम से कम 26 लोगों की मौत हुई और 46 घायल हुए हैं। ये हमले पीओके और पंजाब प्रांत के उन इलाकों में हुए जहां भारत के अनुसार आतंकियों के ठिकाने थे।

पाकिस्तान में रेड अलर्ट जारी- इस स्थिति को देखते हुए पाकिस्तान में रेड अलर्ट जारी कर दिया गया है। सभी सरकारी अस्पतालों को तैयार रहने को कहा गया है, देश की हवाई सीमाएं 24 से 36 घंटे के लिए बंद कर दी गई हैं, इस्लामाबाद और पंजाब के सभी स्कूल-कॉलेज बंद कर दिए गए हैं और सुरक्षा बलों को सतर्क कर दिया गया है।

भारत ने पाकिस्तान के अंदर छह अलग-अलग जगहों पर हमले किए- भारत ने पाकिस्तान के अंदर छह अलग-अलग जगहों पर हमले किए। जिनमें मस्जिद सुभानअल्लाह भी शामिल है- जो पाकिस्तान के दक्षिण पंजाब प्रांत के बहावलपुर शहर के अहमदपुर शरकिया इलाके में जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) प्रमुख मौलाना मसूद अजहर का ठिकाना बताया गया है।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने आपात बैठक बुलाई है- पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने स्थिति पर चर्चा के लिए एक आपात बैठक बुलाई है। इसमें सुरक्षा स्थिति और भारत को लेकर आगे की रणनीति पर विचार किया जाएगा। यह बैठक यह भी तय करेगी कि अमेरिका समेत बाकी देशों द्वारा दिए गए शांति और संयम के संदेशों पर पाकिस्तान क्या रुख अपनाएगा, ताकि दोनों परमाणु संपन्न देशों के बीच बढ़ता तनाव रोका जा सके।

देश में कई उड़ानें रद्द की गई

पाकिस्तान पर एयर स्ट्राइक का उड़ानों पर असर पड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना ने बुधवार को ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकियों के नौ ठिकानों पर सटीक हमला किया। इसके बाद देश के कई इलाकों से उड़ानों को रद्द या देर से चलाया गया।

इस स्थिति को देखते हुए एयर इंडिया ने जम्मू, श्रीनगर, लेह, जोधपुर, अमृतसर, भुज, जामनगर, चंडीगढ़ और राजकोट से आने-जाने वाली सभी उड़ानें 7 मई दोपहर तक रद्द कर दी हैं। कंपनी ने कहा है कि आगे की जानकारी मिलते ही अपडेट दिया जाएगा।

एयर इंडिया ने यह भी बताया कि अमृतसर जाने वाली दो अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को दिल्ली भेज दिया गया है। यात्रियों को हुई परेशानी के लिए खेद जताया गया है। इंडिगो एयरलाइंस ने भी जानकारी दी कि मौजूदा स्थिति को देखते हुए आज के लिए श्रीनगर, जम्मू, अमृतसर, लेह, चंडीगढ़, धर्मशाला, बीकानेर और जोधपुर से उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। यात्रियों से अपील की गई है कि अपनी उड़ान की स्थिति जांच लें। स्पाइसजेट ने भी बताया कि उत्तरी भारत के कई हिस्सों जैसे धर्मशाला, लेह, जम्मू, श्रीनगर और अमृतसर के एयरपोर्ट बंद कर दिए गए हैं।

डिप्टी सीएम साव ने 20.22 करोड़ के कार्यों का किया लोकार्पण-शिलान्यास

रायपुर (विश्व परिवार)। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने आज मुंगेली जिले के विकासखण्ड लोरमी के राम्हेपुर (एन) में आयोजित समाधान शिविर में 20 करोड़ 22 लाख रुपए के कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया। उन्होंने क्षेत्र के विभिन्न गांवों में नौ करोड़ 84 लाख रुपए से अधिक के निर्माण कार्यों का शिलान्यास और दस करोड़ 38 लाख रुपए से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण किया।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजनांतर्गत 164.37 लाख रुपए की लागत से राम्हेपुर (एन.), तेलीखम्ही, मनोहरपुर, चेचानडीह और खैरवारखुर्द में 2.40 किलोमीटर लम्बे मुख्यमंत्री ग्राम गौरव पथ निर्माण कार्य, जल संसाधन विभाग अंतर्गत 298.27 लाख रुपए की लागत से मनियारी जलाशय अंतर्गत डी-3 शाखा नहर की सूरजपुरा माइनर नहर में पुराने पक्के कार्यों का नवीनीकरण व नए पक्के कार्य तथा नहर में सी.सी. लाइनिंग कार्य, 294.83 लाख रुपए की लागत से डी-2 शाखा नहर की बघमार माइनर नहर में पुराने पक्के कार्यों का नवीनीकरण व नए पक्के कार्य एवं नहर में सी.सी. लाइनिंग कार्य और 227.12 लाख रूपए की लागत से मनकी माइनर नहर में पुराने पक्के कार्यों का जीर्णाद्धार, नए पक्के कार्यों एवं नहर में सी.सी. लाइनिंग कार्य का शिलान्यास किया।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने 232.78 लाख रुपए की लागत से गबदा जलाशय योजना के शीर्ष कार्य का जीर्णोद्धार, मुख्य नहर एवं शाखा नहर में सी.सी लाइनिंग कार्य, 232.67 लाख रुपए की लागत से कन्हैया नाला जलाशय योजना के शीर्ष कार्य का जीर्णोद्धार, मुख्य नहर एवं शाखा नहर में सी.सी लाइनिंग कार्य, 541.86 लाख रुपए की लागत से मनियारी जलाशय योजना के डी-03 शाखा नहर की रतियापारा माइनर नहर के 6.50 किलोमीटर अंतिम छोर तक सी.सी लाइनिंग एवं पुराने पक्के कार्यों का पुनरूद्धार तथा नवीन पक्के कार्यों का निर्माण कार्य, जनपद पंचायत अंतर्गत पांच लाख रुपए की लागत से उप स्वास्थ्य केन्द्र, राम्हेपुर में बाउण्ड्रीवाल निर्माण कार्य, पांच लाख रुपए की लागत से सी.सी. रोड निर्माण कार्य आदि का लोकार्पण शामिल है।

दुश्मन के हमले की आशंका के मद्देनज़र देशभर में मॉक ड्रिल

जयपुर (आरएनएस)। पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर भारतीय सेना की कार्रवाई के बाद देशभर में सतर्कता बढ़ा दी गई है। संभावित आतंकी हमलों को लेकर गृह मंत्रालय ने बुधवार को पूरे देश में मॉक ड्रिल (अभ्यास) आयोजित करने का आदेश जारी किया, जिसके तहत जयपुर से लेकर हैदराबाद और मुंबई तक सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड पर नजर आईं। देश के 244 शहरों में ब्लैकआउट की रिहर्सल होना बाकी है।

राजधानी जयपुर में सिविल डिफेंस की टीम ने मॉक ड्रिल के जरिए आपात स्थिति से निपटने की तैयारियों का अभ्यास किया। इसी तरह जोधपुर और रावतभाटा में भी अभ्यास किया गया, जिसमें स्थानीय प्रशासन और सुरक्षाबलों ने भाग लिया। महाराष्ट्र में मुंबई के क्रॉस मैदान पर मॉक ड्रिल आयोजित की गई, जहां फायर ब्रिगेड, एम्बुलेंस सेवा, पुलिस और एनडीआरएफ की टीमें पूरे समन्वय के साथ नजर आईं। वहीं पुणे के काउंसिल हॉल में भी व्यापक नागरिक सुरक्षा अभ्यास हुआ, जिसमें आमजन को भी शामिल किया गया।

संक्षिप्त समाचार

पीईटी एवं पीपीएचटी परीक्षा आज, 15 सौ से अधिक परीक्षार्थी होंगे शामिल

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। व्यावसायिक परीक्षा मण्डल रायपुर द्वारा 8 मई 2025 को प्री इंजीनियरिंग टेस्ट एवं प्री पॉलिटेक्निक टेस्ट परीक्षा 2025 का आयोजन किया जा रहा हैं। परीक्षा आयोजन हेतु जिले में 3 केंद्र बनाए गये हैं, जिसमें 1553 परीक्षार्थी शामिल होंगे। कलेक्टर दीपक सोनी ने बुधवार को परीक्षा केन्द्राध्यक्ष एवं ऑब्जर्वर की बैठक लेकर परीक्षा को संवेदनशील बताते हुए विशेष सतर्कता और सावधानी बरतने के निर्देश दिये। उन्होंने स्पष्ट निर्देशित किया कि सभी प्रोटोकाल का अनुपालन सुनिश्चित करें कोई लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कलेक्टर श्री सोनी ने कहा कि अपरान्ह में आंधी तूफान के कारण बिजली गुल होने की सम्भावना रहती है इसके लिए परीक्षा केंद्रों में इन्वर्टर की व्यवस्था करें। बताया गया कि प्रथम पाली की परीक्षा प्रातः 9 बजे से अपरान्ह 12 :15 बजे तक आयोजित होगी जिसमें शासकीय डी के महाविद्यालय में 360 परीक्षार्थी एवं शासकीय मिनीमाता कन्या महाविद्यालय बलौदाबाजार में 134 परीक्षार्थी शामिल होंगे। द्वितीय पाली अपरान्ह में 2 बजे से 5 :15 बजे तक परीक्षा आयोजित होगी जिसमें दाऊ कल्याणसिंह शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बलौदाबाजार में 480, शासकीय मिनीमाता कन्या कॉलेज बलौदाबाजार में 240 एवं पण्डित चक्रपाणि शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल बलौदाबाजार में 339 परीक्षार्थी शामिल होंगे। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर अरुण सोनकर, जिला शिक्षा अधिकारी हिमांशु भारतीय सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने ऑब्जर्वर व केंद्राध्यक्ष की बैठक लेकर दिये जरूरी निर्देश

पीपला व ग्रामीणों ने जताया पीडब्ल्यूडी विभाग का आभार, पीडब्ल्यूडी ने खराब सड़कों का कराया शीघ्र मरम्मत

आरंग (विश्व परिवार)। आरंग से राजिम रोड में ग्राम ओड़का से भिलाई के बीच जगह-जगह बड़े बड़े गड्ढे हो जाने से राहगीरों को काफी परेशानी हो रही थी। रोड के एक ओर बड़े बड़े गड्ढे होने से लोगों को विपरीत दिशा में गाड़ी चलाना पड़ता था। जिससे हरदम दुर्घटना की संभावना बनी रहती थी खराब सड़कों के कारण अनेक दुर्घटनाए हो रही थी जिसे देखते हुए स्वयंसेवी सामाजिक संगठन पीपला वेलफेयर फाउंडेशन और ग्राम भिलाई, चरौदा के ग्रामीणों ने लोक निर्माण विभाग संभाग क्रमांक 2 उप संभाग क्रमांक 4 आरंग के कार्यपालन अभियंता प्रभात सक्सेना से रोड का शीघ्र मरम्मत के लिए आग्रह किया जिसे श्री सक्सेना ने गंभीरता से लेते हुए रोड का शीघ्र ही मरम्मत कराया जिस पर पीपला फाउंडेशन के संरक्षक व किसान नेता पारसनाथ साहू, अध्यक्ष दुजेराम धीवर, संयोजक महेन्द्र कुमार पटेल, कोषाध्यक्ष कोमल लाखोटी, सचिव अभिमन्यु साहू, सक्रिय सदस्य रमेश देवांगन, संजय मेश्राम, भागवत जलक्षत्री, प्रतीक टोंड्रे, सहित ग्रामीणों ने पीडब्ल्यूडी विभाग का आभार जताया हैं।

समाधान के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा सुशासन तिहार

धमतरी जिला सुशासन तिहार में मिले आवेदनों के निराकरण में प्रदेश में प्रथम, मुख्यमंत्री स्वयं कर रहे फील्ड विजिट

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ राज्य में आम जनता की शिकायतों एवं मांगों के त्वरित समाधान के लिए 'सुशासन तिहार' का आयोजन पूरे उत्साह के साथ जारी है। तीसरे चरण में प्रदेशभर के गांवों और कस्बों में शासन-प्रशासन पूरी तत्परता और तन्मयता के साथ आमजन की बातें सुन रहा है और उनका का समाधान कर रहा है। मुख्यमंत्री स्वयं इस अभियान की निगरानी कर रहे हैं। वे हेलीकाप्टर से गांवों के आकस्मिक दौरे कर रहे हैं। शासकीय योजनाओं की जमीनी हकीकत का मूल्यांकन कर रहे हैं। जनता से सीधा संवाद कर रहे हैं और समाधान शिविरों में पहुंचकर लोगों की समस्याओं को सुनकर उसका मौके पर निराकरण करवा रहे हैं। यह जनता-जनार्दन के प्रति छत्तीसगढ़ सरकार की संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

राज्य में अब तक 40 लाख 95 हजार आवेदन- सुशासन तिहार के तहत अब तक 40 लाख 95 हजार से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से अधिकांश का निराकरण कर लिया गया है। इसमें धमतरी जिला ने लगभग 2 लाख 28 हजार आवेदनों में से 99.38 प्रतिशत का निराकरण कर राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। प्रदेश के 14 जिले क्रमशः धमतरी, महासमुंद, सक्ति, बालोद, रायगढ़, सारंगढ़-बिलाईगढ़, मुंगेली, रायपुर, सरगुजा, दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा, दुर्ग, जांजगीर-चाम्पा, नारायणपुर, बीजापुर ने 90 प्रतिशत से अधिक आवेदनों का निराकरण कर लिया है, जबकि गरियाबंद, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही, बिलासपुर, राजनांदगाँव, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, बलौदा बाज़ार-भाटापारा, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी, कबीरधाम, बेमेतरा, जशपुर, कोरिया, उत्तर बस्तर कांकेर, सूरजपुर जिले ने 80 से 90 प्रतिशत आवेदनों का समाधान किया है। बस्तर जिले में 78.48 प्रतिशत, कोण्डागांव में 70.97 प्रतिशत, बलरामपुर-रामानुजगंज जिलें में 60.59 प्रतिशत, मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर में 59.09. प्रतिशत, कोरबा जिले ने 41.61 प्रतिशत तथा सुकमा जिले ने 30 प्रतिशत से अधिक आवेदनों का निराकरण किया जा चुका है, जो इस बात का प्रमाण है कि राज्यभर में त्वरित एवं प्रभावी समाधान की दिशा में निरंतर प्रयास जारी हैं।

रायपुर को मिले सर्वाधिक आवेदन- रायपुर जिले को 3 लाख 764 आवेदन प्राप्त हुए, जो राज्य में सर्वाधिक है। इसके बाद दूसरे क्रम पर बलौदाबाजार-भाटापारा जिला है। धमतरी, बिलासपुर और बस्तर क्रमशः तीसरे, चौथे और पांचवे स्थान पर हैं। निराकरण के मामले में धमतरी पहले, महासमुंद दूसरे और सक्ति जिला तीसरे स्थान पर हैं। बालोद और रायगढ़ चौथे और पांचवें क्रम पर हैं।

सुशासन तिहार के दौरान सर्वाधिक 10 लाख से अधिक आवेदन प्रधानमंत्री आवास योजना से संबंधित प्राप्त हुए, जिनमें से 94.70 प्रतिशत का निराकरण हो चुका है। उज्ज्वला योजना से जुड़े 1.47 लाख और राशन कार्ड हेतु 1.12 लाख आवेदनों में से अधिकांश का समाधान कर दिया गया है।

मुख्यमंत्री साय ने करेंगुट्टा पहाड़ी पर जारी एंटी नक्सल ऑपरेशन का अपडेट लिया

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज मंत्रालय महानदी भवन स्थित अपने कार्यालय कक्ष में गृह विभाग की समीक्षा बैठक ली। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बीजापुर जिले के करेंगुट्टा पहाड़ी पर सुरक्षाबलों की नक्सलियों के विरुद्ध जारी मुठभेड़ के विषय में अधिकारियों से अपडेट लिया और अधिकारियों को आवश्यक दिशानिर्देश दिए। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने ऑपरेशन के संदर्भ में भविष्य की रणनीति के बारे में अधिकारियों से चर्चा की। बैठक में गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री मनोज पिंगुआ, पुलिस महानिदेशक श्री अरुण देव गौतम, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री सुबोध कुमार सिंह, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक नक्सल ऑपरेशन श्री विवेकानंद सिन्हा उपस्थित थे।

मुंबई उरी पठानकोट का, अभी हिसाब बकाया है

मुंबई उरी पठानकोट का, अभी हिसाब बकाया है।
ब्रह्मोस राफेल उड़ाकर के, हमने केवल चौंकाया है।।
धर्म जाति को पूछा तूने, फिर धोखे से गोली मारी।
तेरे आतंकी आकाओं के, छाती पर की बमबारी।।
जितने बम बारद ज़मा हैं, मुनीर तेरे तहखाने में।
उतने हम फोड़ा करते हैं, क्रिकेट मैच जिताने में।।
परमाणु की धमकी देता, स्वयं धधक जायेगा।।
रावण अब चेत, राम का अग्नि पांच आयेगा।।

-यशवंत जैन अध्यक्ष
मालवीय रोड दिगंबर जैन बड़ा मंदिर, रायपुर

सुबह पानी सफाई देखने महापौर पहुॅचे मोतीपुर, रामनगर एवं खण्डेलवाल कालोनी

उद्यानो के संवर्धन के लिए आर.के. नगर, पुष्पवाटिका तथा नेहरू उद्यान का किया निरीक्षण

राजनांदगांव (विश्व परिवार)। महापौर श्री मधुसूदन यादव मूलभूत सुविधा बिजली, पानी सफाई का हाल जानने वार्डो में दस्तक दे रहे है। मंगलवार को उनके द्वारा वार्ड नं. 7 व 8 के मोतीपुर, रामनगर एवं खण्डेलवाल कालोनी में सुबह पैदल घुम लोगो से रूबरू हो पानी व सफाई के बारे में जानकारी ली। इसके अलावा उन्होंने आर.के.नगर गार्डन, पुष्पवाटिका एवं नेहरू उद्यान का उनके संवर्धन के लिए निरीक्षण किया।

महापौर श्री यादव मोतीपुर, रामनगर व खण्डेलवाल कलोनी में सुबह पहुॅच वहा के रहवासियों से मिलकर बिजली, पानी व सफाई के संबंध में चर्चा किए। महिलाओ ने कहा कि कुछ क्षेत्रों में कम पानी आता है, वही साफ सफाई कराने की बात कही। महापौर ने कहा कि इस वर्ष नदी का जल स्तर कम होने पर पानी की थोडी समस्या है, दो तीन दिनों से आंधी तुफान के कारण बिजली सप्लाई बाधित होने पर टंकी भरने में परेशानी हो रही है, जिससे पानी सप्लाई प्रभावित हो रही है, इसका समाधान किया जा रहा है। बंद बोरिंग को देख उन्होंने कहा कि इसका मरम्मत कराकर चालू कराया जायेगा, साथ ही पेयजल प्रभावित क्षेत्र में सिंटेक्स टंकी लगायी जायेगी। उन्होने नाली की सफाई कराने तथा नाली का ढाल ठीक कराने संबंधित को निर्देशित किये।

उद्यानों के संवर्धन के लिए महापौर श्री यादव आर.के.नगर गार्डन, पुष्पवाटिका एवं नेहरू उद्यान का निरीक्षण किया। उन्होंने आर.के.नगर गार्डन मे कार्यरत कर्मचारियों से चर्चा कर कहा कि उद्यान की नियमित सफाई करे तथा गर्मी को देखते हुए, पर्याप्त मात्रा में घास एवं पेड पौधो में पानी डाले। उन्होंने पुष्पवाटिका एवं नेहरू उद्यान देख कहा कि पुराना होने के कारण उद्यानों मे मरम्मत की आवश्यकता है।

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रॉसमिशन कम्पनी लिमिटेड
(छत्तीसगढ़ शासन का एक उपक्रम) CIN : U40108CT2003SGC015820 GSTIN No. 22AADCC5773E1ZX
कार्यालय-कार्यपालन अभियंता, उपकेन्द्र संभाग,राजनांदगांव
Website:-www.cseb.gov.in.E-Mail-eessdnrjn@gmail.com फैक्स/फोन नं.:-07744-223011

क्रमांकः 52-33/उप.सं./राज./वाहन/166 राजनांदगॉव, दिनांकः05.05.2025

:: निविदा आमंत्रण सूचना ::

- टाटा/महेन्द्रा जीप श्रेणी वाहन के अस्थाई अल्पकालीन अनुबंध हेतु -

कार्यपालन अभियंता (उपकेन्द्र संभाग) सीएसपीटीसीएल, राजनांदगांव के कार्यालयीन कार्यो के लिए वाहन चालक सहित एक नग टाटा/महेन्द्रा जीप श्रेणी वाहन के अस्थाई अल्पकालीन अनुबंध (2 वर्ष) हेतु पंजीकृत/उपयुक्त ठेकेदारों से मुहरबंद निविदाऐ आमंत्रित की जाती है ।

क्रमांक	कार्य का विवरण	आवश्यक संख्या	निविदा प्रपत्र प्राप्त करने की अंतिम तिथि व समय
01.	कार्यपालन अभियन्ता (उपकेन्द्र संभाग) सीएसपीटीसीएल, राजनांदगांव के कार्यालयीन कार्यो के लिए वाहन चालक सहित एक नग टाटा/महेन्द्रा जीप श्रेणी वाहन के अस्थाई अल्पकालीन अनुबंध (2 वर्ष) हेतु	01 नग	दिनांक 26.05.2025 समय 05.00 बजे तक

उपरोक्त कार्य की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा, विज्ञप्ति समयावधि विस्तार संबंधित जानकारी व अन्य जानकारी विभागीय वेबसाईट http://cspc.co.in से डाउनलोड की जा सकती है ।

स्वहित एवं राष्ट्रहित में उर्जा बचायें

इंजी0 वीरेन्द्र कुमार,कार्यपालन अभियंता
उपकेन्द्र संभाग, छ0ग0स्टे0पॉ0ट्रांस0कं0लिमि0,राजनांदगांव

SAMVAD- 43760/ 3

पहलगाम के मृतकों के लिए आयोजित शांति भोज में सैकड़ों पहुंचे, राह चलते लोगों ने भी पुष्पांजलि दी

रायपुर (विश्व परिवार)। कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में जान गंवाने वाले रायपुर के दिनेश मिरानिया समेत 26 लोगों की आत्मा की शांति के लिए व उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित करने तिरंगा वंदन मंच, रायपुर द्वारा कालीबाड़ी चौक में मंगलवार को प्रार्थना सभा व शांति भोज का आयोजन किया गया। लगातार दो घंटे चले इस भोज में करीब दो हजार नागरिकों ने प्रसाद लिया व मृतकों को श्रद्धांजलि दी।

इस सभा में राह चलते लोगों ने भी रूक-रूककर मृतकों के चित्र के सम्मुख पुष्पांजलि अर्पित कर उनको नमन किया। तिरंगा वंदन मंच की इस प्रार्थना सभा में पूर्व महापौर प्रमोद दुबे, राज्य नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, रायपुर शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गिरीश दुबे, राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष अमरजीत छाबड़ा, श्री हनुमान महापाठ समिति के राष्ट्रीय सचिव शिवनारायण मूंधड़ा, थोक सब्जी व्यापारी संघ के अध्यक्ष श्रीनिवास रेड्डी, वरिष्ठ पत्रकार राजेश मिश्रा, कान्यकुब्ज ब्राम्हण समाज के पूर्व सचिव राघवेन्द्र मिश्रा, वरिष्ठ उद्घोषक लक्ष्य चौरे, गुरूनानक चौक व्यापारी संघ के अध्यक्ष महेश जेठानी, समाजसेवी सुमन दीवान आदि ने अपने श्रद्धांजलि संबोधन में इस हमले की कड़ी निंदा करते हुए भारत सरकार से आतंकवादियों पर व उनके आका पाकिस्तान के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने की मांग की। यह भी कहा गया कि इस प्रकार के कायराना हमले से भारत के लोग घबराने वाले नहीं है बल्कि पूरा देश इसके खिलाफ और एकजुट है। सभी वक्ताओं ने मृतकों के चित्र पर पुष्पांजलि भी अर्पित की। रास्ते में आने वाले सैकड़ों नागरिकों ने भी रूककर और अपनी गाड़ी से उतरकर मृतकों के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हे श्रद्धांजलि दी।

इस अवसर पर अमरजीत संधू, अमित नायडू, कमलेश नथवाणी, प्रवीण चंद्राकर, निर्मल प्रजापति, देवेन्द्र मिश्रा, पिंटू बैद, तिरंगा वंदन मंच के मुकेश शाह, विजय भट्टाचार्य, संजय नायक, सुरिन्दर सिंह, जितेन्द्र सिंह, आकाश मनहरे, हितेश दीवान, अनिल केवलानी, राजेश षर्मा, मिहिर शर्मा, आराधना नायक, शुभा मनहरे, सुमन दीवान, सोनल शर्मा आदि मौजूद रहे।

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda
क्षेत्रीय कार्यालय, जीवन प्रकाश, एलआईसी बिल्डिंग, पंडरी, रायपुर (छ.ग.)
फोन 0771-4222611, 4222612, ई-मेल: recovery.raipur@bankofbaroda.com

सरफेसी अधिनियम 2002 की धारा 13(2) के अंतर्गत 60 दिनों की नोटिस का प्रकाशन
(Publication in the Newspapers in case of return/failure of service of 60 day's Notice U/s.13 (2) of SARFAESI Act,2002)

प्राधिकृत अधिकारी, बैंक ऑफ़ बड़ौदा ने, वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13(2) के अंतर्गत निम्नलिखित ऋणकर्ताओं / गारंटरो को 60 दिनों के नोटिस, पंजीकृत डाक / पावती सहित डाक / स्पीड पोस्ट द्वारा जारी की हैं. लेकिन यह नोटिस डाक अधिकारियों द्वारा सुपूर्दगी प्राप्त करने में मना करने / गलत पते / व्यक्ति द्वारा स्थान शहर छोड़े जाने आदि कारणों से लौटा दी गई हैं. इन ऋणकर्ताओं / गारंटरो ने, अपनी निम्नलिखित चल / अचल संपत्तियों को, बैंक द्वारा ऋणकर्ता(ओं) को दी जाने वाली विभिन्न ऋण सुविधाओं को प्राप्त करने के एवज में दृष्टि बंधक/बंधक रखा हैं. बैंक की देय राशि के भुगतान न करने तथा ऋण की नियम एवं शर्तो को पूरा न करने के कारण ऋणकर्ता(ओं) / गारंटर(रों) द्वारा बैंक के ऋण एवं ब्याज के भुगतान में चूक किये जाने के कारण, खाता, भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानुसार एनपीए हो गया हैं। उपर्युक्त को देखते हुए, निम्नलिखित ऋणकर्ता(ओं) / गारंटर(रों) को बैंक द्वारा निम्नलिखित देय के ब्याज सहित भुगतान हेतु 60 दिनों का नोटिस जारी किया गया हैं, जिससे चूकने पर बैंक बिना न्यायालय या ट्रिब्यूनल के हस्तक्षेप के, अधिनियम के चैप्टर ||| के अंतर्गत एक या अनेक साधनों द्वारा प्रतिभूति हित लागू करने हेतु बाध्य होगा. ऋणकर्ता(ओं) /गारंटर(रों) को इस नोटिस द्वारा यह भी सूचित किया जाता हैं कि वे, अधिनियम की धारा 13(13) की शर्तो के अनुरूप, बैंक की सहमति के बिना बैंक को प्रभारित प्रतिभूत आस्तियों में से किसी को भी बिक्री / पट्टे या किसी अन्य द्वारा (सामान्य व्यवसाय के अलावा) ट्रांसफर नहीं करेंगे. ऋणकर्ता(ओं)/गारंटर(रों) तथा प्रतिभूत आस्तियों के विवरण नीचे दिए गए हैं जिनके विरुद्ध बैंक 60 दिनों के बाद कार्रवाई प्रारंभ करेगा, यदि उनके द्वारा देय राशि का भुगतान नहीं किया जाता हैं.

क्र.	शाखा का नाम और फोन नं.	उधारकर्ता का नाम और पता	जमानतदार का नाम व पता	बकाया राशि डिमांड नोटिस के अनुसार	सुरक्षित संपत्ति का विवरण (एनपीए दिनांक:10.02.2025) (नोटिस दिनांक:25.04.2025)
01	गीतांजली नगर अवंति विहार शाखा, रायपुर 9109993985	**मेसर्स मेंशन** प्रोप.- श्री अविनाश नाग पंजाब नेशनल बैंक के पास तात्यापारा चौक,रायपुर (छ.ग.)- 492013 एवं श्री अविनाश नाग पिता श्री किशोर कुमार नाग नव दुर्गा नगर,चौरसिया कॉलोनी, संतोषी नगर, मठपुरेना, रायपुर (छ.ग.)- 492013	**श्री के. के. नाग** पिता स्वर्गीय श्री बालेश्वर नाग एवं श्रीमती हरिप्रिया नाग पति श्री के. के. नाग, नव दुर्गा नगर, चौरसिया कॉलोनी, संतोषी नगर, मठपुरेना, रायपुर (छ.ग.)- 492013	रु. 15,33,401.81 + अप्रयुक्त ब्याज + अन्य प्रभार	• स्टॉक एवं बही ऋणों का दृष्टिबंधन • साम्यिक बंधक आवासीय स्थित चौरसिया कॉलोनी , पुराना खसरा नं.- 193/1 भाग, नया खसरा नं.- 193/8, 193/31, प.ह.नं.- 61 , चंद्रशेखर आजाद वार्ड नं. - 52 , आरएनएम रायपुर - 14, बोरियाखुर्द, मौजा - मठपुरेना, तहसील एवं जिला- रायपुर, छ.ग. कुल प्लाट क्षेत्रफल- 1425.00 वर्गफीट ग्राउंड फ्लोर क्षेत्रफल - 713.00 वर्गफीट , फर्स्ट फ्लोर निर्मित क्षेत्रफल - 713.00 वर्गफीट हैं जो श्री के. के. नाग एवं श्रीमती हरिप्रिया नाग के नाम पर हैं. गिरवी रखी गई संपत्ति की सीमाएं हैं: उत्तर- श्री पैकरा का मकान,दक्षिण- श्री दत्ता का मकान, पूर्व- रोड, पश्चिम- डडसेना का मकान.

दिनांक:08.05.2025, स्थान: रायपुर, छत्तीसगढ़ — प्राधिकृत अधिकारी, बैंक ऑफ़ बड़ौदा

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.), फोन नं.- 0771-4903223
Email Id: eocghbzone02@gmail.com

आम-सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि **छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल द्वारा शंकर नगर सरहद फेस-।।**, रायपुर में निर्मित सामान्य आवास योजनांतर्गत **जुनियर एम.आई.जी. फ्लैट कमांक-201, ब्लॉक-01, द्वितीय तल, श्रीमती मनमीत कौर टूटेजा पति श्री लवी टूटेजा** के नाम पर स्ववित्तीय आधार पर आबंटित है। आबंटी द्वारा समस्त राशि जमा कर फ्लैट कि लीजडीड **दिनांक 21.06.2017** को पंजीकृत करने उपरांत फ्लैट का आधिपत्य प्राप्त कर लिया गया है। वर्तमान में आबंटी **श्रीमती मनमीत कौर टूटेजा पति श्री लवी टूटेजा, निवासी डी-44, सेक्टर-01, शंकर नगर, रायपुर (छ.ग.)** के द्वारा उक्त फ्लैट को **क्रेता (01) महेन्द्र कुमार दुबे पिता श्री राजधर दुबे एवं श्रीमती वंदना दुबे पति श्री महेन्द्र कुमार दुबे, दोनों निवासी शंकर नगर पानी टंकी के पास, सेक्टर-01, रायपुर (छ.ग.)** को विक्रय करने के लिये अनापत्ति प्रमाण पत्र (एन. ओ.सी.) प्राप्त करने हेतु इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त फ्लैट के विक्रय के संबंध में किसी व्यक्ति शासकीय/अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय बैंक अथवा वित्तिय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन दिनांक के 15 दिवस के अंदर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 01 दिनांक 07.05.2025
वार्ड का नाम- मां शीतला वार्ड
वार्ड क्र. 16 वर्ष- 2025-26

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक 16 मांग **पंजी क्र. 330 युआईडी 19656** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **बिन्देश कुमार कोठारी / कनक राय कोठारी** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **श्री बद्रीनाथ प्लाई इंडस्ट्रीज रायपुर 1. नीरज पटेल / अशोक पटेल 2 भाविक पटेल / जवाहर लाल पटेल** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **06-06-2025** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 02 दिनांक 07.05.2025
वार्ड का नाम- जवाहर लाल नेहरू वार्ड
वार्ड क्र. 36 वर्ष- 2025-26

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक 36 मांग **पंजी क्र. 290 युआईडी 29738** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **लक्ष्मी दास पटेल / पंचांग भाई पटेल** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **निर्मला बेन पटेल / लक्ष्मीदास पटेल** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **06-06-2025** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 03 दिनांक 07.05.2025
वार्ड का नाम- जवाहर लाल नेहरू वार्ड
वार्ड क्र. 36 वर्ष- 2025-26

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक 36 मांग **पंजी क्र. 290 युआईडी 29738** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **निर्मला बेन पटेल / लक्ष्मीदास पटेल** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **रमेश पाण्डेय / सूर्य पाण्डेय** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **06-06-2025** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद समारक भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./20619/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2025
रायपुर दिनांक : 06-05-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 20619
वार्ड का नाम-28- शहीद हेमू कालाणी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 28 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- RPR223L00103 जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती NANDANI CHANDEL पिता/पति, श्री/श्रीमती S/O LATE. SHESH NARAYAN CHANDEL के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती SMT. MAMTA AHUJA पिता/पति, श्री/श्रीमती W/O ANIL KUMAR AHUJA ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री आर.के. डोंगरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद समारक भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./20621/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2025
रायपुर दिनांक : 06-05-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 20621
वार्ड का नाम-28- शहीद हेमू कालाणी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 28 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- RPR235G00169 जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती JAISUKH LAL पिता/पति, श्री/श्रीमती S/O RATILAL DESAI के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती RAJEEV RATAN JAIN पिता/पति, श्री/श्रीमती S/O ANOOP CHAND JAIN ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री आर.के. डोंगरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद समारक भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./20620/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2025
रायपुर दिनांक : 06-05-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 20620
वार्ड का नाम-28- शहीद हेमू कालाणी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 28 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- RPR223L0104A जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती CHARANJEET KOUR पिता/पति, श्री/श्रीमती W/O SURENDRA SINGH CHHABRA के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती ANIL KUMAR AHUJA पिता/पति, श्री/श्रीमती S/O LATE. KANHAIYALAL AHUJA ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री आर.के. डोंगरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./19246/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2025
रायपुर, दिनांक 07-05-2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 19246
वार्ड का नाम- 53 - बाबू जगजीवनराम वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 53 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR446N01246 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती MEENAL BASANTANI पिता/पति, श्री/श्रीमती ASHOK BASANTANI के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती VINOD JETHANI पिता/पति, श्री/श्रीमती ARJUN DAS JETHANI ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री विवेकानंद दुबे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बिलासपुर संभाग

रायपुर गुरूवार 08 मई 2025

सुशासन तिहार के अंतर्गत भैयाथान विकासखंड के ग्राम बतरा के समाधान शिविर में शामिल हुए खाद्य मंत्री दयालदास

आमजन से की अपील सुशासन तिहार के समाधान शिविर में शामिल होकर अपनी समस्याओं का निराकरण

धान संग्रहण केंद्रों का किया निरीक्षण, लक्ष्मीपुर से नया करकोली सड़क का खाद्य मंत्री ने संज्ञान

निर्माण कार्य अपूर्ण होने पर जताई नराजगी, सड़क की जांच के दिये निर्देश

समाधान शिविर मे अनुपस्थित अधिकारियों को नोटिस जारी करने को दिये निर्देश

गोपाल सिंह विद्रोही

सूरजपुर ब्यूरो(दैनिक विश्व परिवार)- मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रस्तावित सूरजपुर प्रवास कार्यक्रम के एक दिन पूर्व आज जिले के प्रभारी मंत्री श्री दयालदास बघेल ने अपने सूरजपुर प्रवास में जिले विभिन्न स्थानों का दौरा किया और सुशासन तिहार के अंतर्गत भैयाथान विकासखंड के ग्राम बतरा में आयोजित समाधान शिविर में शामिल हुए । यहां उन्होंने प्राप्त आवेदनों के निराकरण की स्थिति का निरीक्षण किया और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

अपने प्रवास के दौरान खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं प्रभारी मंत्री सूरजपुर धान संग्रहण केंद्र रामनगर कुमदा का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पिछले कुछ दिनों से खराब मौसम से हुए बारिश एवं धान संग्रहण केंद्रों पर धान की सुरक्षा को लेकर अधिकारियों से जानकारी ली।

इसके अलावा प्रभारी मंत्री श्री बघेल ने दतिमा में पीएम आवास का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने हितग्राही श्रीमती सुमित्रा और उनके परिजनों तथा ग्राम सरपंच से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने जिले के सभी पात्र हितग्राहियों को पीएम आवास की सुविधा शत प्रतिशत रूप में प्रदान करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। इसके अलावा उन्होंने सार्वजनिक वितरण के तहत् दतिमा में संचालित उचित मूल्य के दुकान का भी निरीक्षण किया । इस दौरान उन्होंने उपस्थित हितग्राहियों से बातचीत और दुकान संचालन एवम अन्य समस्या को जाना। उन्होंने शासकीय उचित मूल्य दुकान के लिए तत्काल अलग भवन की व्यवस्था करने के निर्देश दिए।

इसके पश्चात प्रभारी मंत्री श्री दयाल दास बघेल ने ग्राम बतरा विकासखंड में आयोजित समाधान शिविर में शामिल हुए। इस शिविर में क्षेत्र के 15 ग्राम पंचायत के ग्रामीणों से प्राप्त किए आवेदनों एवम उनके निराकरण पर चर्चा की। समाधान शिविर में मंत्री बघेल ने आए हुए लोगों के द्वारा किए गए शिकायतों एवं समस्याओं का संबंध में कलेक्टर श्री एस जयवर्धन जयवर्धन ,डीएफओ श्री पंकज कमल एवं सभी जिला स्तरीय अधिकारियों से जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने समस्याओं , शिकायतों एवं अन्य प्रकरणों के संबंध में जानकारी प्राप्त की और उनके निराकरण को लेकर अधिकारियों से चर्चा की एवं श्री बघेल ने इस दौरान क्षेत्र के सभी लोगों को स्वच्छ पेयजल की सुविधा प्रदान करने के लिए शत प्रतिशत रूप में हर घर जल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।उन्होंने महिला बाल विकास अधिकारी से आंगनबाड़ी केदो एवं वहां प्रदान किए जाने वाले सुविधा के संबंध में जानकारी प्राप्त की और कहा कि आंगनबाड़ी केदो में बच्चों एवं महिलाओं के लिए सभी सुविधाओं को बेहतर ढंग से सुनिश्चित किया जाए। इसके अलावा उन्होंने मनरेगा की जानकारी जिला पंचायत के अधिकारियों से प्राप्त करते हुए जिले में मनरेगा के तहत तालाब गहरीकरण करने के निर्देश दिए इसके अलावा ग्रीष्म ऋतु में मनरेगा के अधिक से अधिक कार्य स्वीकृत करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया इस शिविर में ही आवेदकों की मांग को पूरा करते हुए श्री बघेल ने बतरा एवं करसू में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत उचित मूल्य की दुकान खोलने की घोषणा मंत्री श्री दयाल दास बघेल द्वारा की गई। समाधान शिविर स्थल पर लक्ष्मीपुर से नया करकोली सड़क के अपूर्ण होने की जानकारी पर खाद्य मंत्री श्री दयालदास बघेल ने इसका भी लिया संज्ञान। सी.जी.आर.आई.डी.सी.एल. अंतर्गत जिले के लक्ष्मीपुर से नया करकोली सड़क निर्माण का कार्य पूर्ण न होने पर उन्होनें पीडब्लूडी के अभियंता से इसका कारण पूछा, इसके साथ ही कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन को इस रोड के जांच की कार्यवाही हेतु निर्देशित किया। उन्होन स्पष्ट शब्दों मे कहा कि सड़क विकास का परिचायक होती है इसलिए निर्माण कार्य को शीघ्र पूर्ण कराया जाये।

इसके साथ ही उन्होने बतरा समाधान शिविर पर सहकारी संस्था के उप पंजीयक व अन्य संबंधित अधिकारियों की अनुपस्थिति पर नाराजगी जाहिर की और उन्हें नोटिस देने के निर्देश कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन को दिये। उन्होन स्पष्ट किया कि सुशासन तिहार का यह समाधान शिविर आमजन तक शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को पहुचाने का एक माध्यम है। इसके साथ ही यह समाधान शिविर शासन-प्रशासन व आमजन के बीच एक सेतु का कार्य कर रहा है, जिससे पारदर्शिता में बढ़ोतरी होगी।

मंत्री श्री दयाल बस बघेल ने इस दौरान कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सुशासन तिहार के अंतर्गत राज्य के सभी लोगों के समस्याओं एवं शिकायतों तथा उनके मांगों का निराकरण किया जा रहा है । उन्होंने कहा कि समाधान शिविरों के माध्यम से सभी प्रकरण का तीव्र गति से निराकरण किया जा रहा है उन्होंने सभी राज्यवासियों से अपील की कि ज्यादा से ज्यादा मात्रा में लोग अपनी आवेदनों को लेकर इन समाधान शिविर में पहुंचे और अपने समस्याओं का निराकरण करवाएं। आपके क्षेत्र में अच्छी शिक्षा मिल रही है कि नहीं स्वास्थ्य सुविधा अच्छी मिल रही है कि नहीं आंगनबाड़ी की स्थिति क्या है स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति हो रही कि नहीं इस संबंध में आप हमें अवगत करवाए ताकि इन प्रकरणों का त्वरित निराकरण कर जा सके साथ । उन्होंने कहा कि यदि आपके क्षेत्र में राजस्व विभाग के सुविधा नहीं पहुंच रही हैं तो हमें त्वरित रूप में जानकारी दें ताकि इसका निराकरण किया जा सके। उन्होंने कहा कि आपके क्षेत्र में सीमांकन बटवारा ऋण पुस्तिका आदि से संबंधित सभी शिकायतों को लेकर इन समाधान शिविरों में पहुंचे हैं और अपने शिकायतों का निराकरण करवाएं। इस कार्यक्रम के दौरान मंत्री श्री बघेल के द्वारा जिन आवेदन कर्ताओं के प्रकरणों का निराकरण किया जा चुका था उन्हें समाधान शिविर में ऋण पुस्तिका, बी 1 नक्शा सुधार,फैती नामांतरण , जॉब कार्ड मामलों में लाभ प्रदान किया गया।

राशन कार्ड हितग्राहियों को राशन कार्ड प्रदान किया गया- कलेक्टर श्री एस जयवर्धन ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सुशासन तिहार के उद्देश्यों से उपस्थित आम जनों को परिचित कराया एवं कहा कि इस शिविर में दिए आवेदन को लेकर,आवेदक उनके निराकरण के संबंध में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं यदि आवेदक शिविर के माध्यम से जानकारी प्राप्त नहीं कर पा रहे हैं तो वह पोर्टल sushasantihar.cg.nic.in पर जाकर आवश्यक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

सेवानिवृत्त कर्मचारियों को खाद्य मंत्री दयालदास बघेल ने पेंशन अदायगी आदेश किया प्रदान

सूरजपुर ब्यूरो दैनिक विश्व परिवार)-सुशासन तिहार के तीसरे चरण पर जिले के प्रवास पर पहुंचे खाद्य एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री दयालदास बघेल द्वारा 03 सेवानिवृत्त कर्मचारियों को पेंशन अदायगी आदेश नये सर्किट हाउस में प्रदान किया गया। इस अवसर पर उन्होंने सेवानिवृत्त कर्मचारियों को उनके जीवन के नये पारी के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दी। सेवानिवृत्त कर्मचारी जिनका पेंशन अदायगी आदेश जारी किया गया, उनमें श्री रामजी राम, (सहायक उप निरीक्षक), श्री धीरेंद्रनाथ यादव (प्रधान पाठक), श्री रामकिशुन वर्मा, (प्रधान पाठक), उपस्थित थे।

दर्शनीय स्थल में शराब बिक्री करने वाला पकड़ाया

बिलासपुर(विश्व परिवार)। जिले की चौकी बेलगहना थाना कोटा पुलिस ने दर्शनीय स्थल में अवैध महुआ शराब बिक्री करने वाले एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है तथा उसके कब्जे से 15 लीटर कच्ची महुआ शराब जब्त किया है। मामले में आरोपी के खिलाफ धारा 34(2), 34(1) ख आबकारी एक्ट के तहत कार्यवा ही गई है। मिली जानकारी के अनुसार चेतना विरुद्ध नशा व प्रहार अभियान के तहत अवैध शराब बिक्री करने वाले के विरुद्ध कार्यवाही हेतु वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह (भा.पु.से.) द्वारा निर्देशित किया गया है। आज दिनांक 6.05.2025 को जरिये मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम भनवारटंक रेल्वे स्टेशन के पास में अवैध रूप से धनार्जन करने के उद्देश्य से कच्ची महुआ शराब बिक्री कर रहे हैं, मुखबिर से प्राप्त सूचना से वरिष्ठ अधिकारिओ को अवगत कराया गया जिनके निर्देशानुसार व अर्चना झा (रा. पु.से.) अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण एवं नुपूर उपाध्याय (रा.पु.से.) अनुविभागीय अधिकारी पुलिस कोटा के मार्गदर्शन में टीम गठित कर ग्राम भनवारटंक रेल्वे स्टेशन के पास में रेड कार्यवाही करते हुये अवैध महुआ शराब बिक्री करने वाले पर रेड कार्यवाही कर आरोपी राकेश सारथी पिता घनश्याम सारथी उम्र 25 वर्ष निवासी सारधा थाना लोरमी जिला मुंगेली हाल मुकाम भनवारटंक चौकी बेलगहना जिला बिलासपुर के कब्जे से अलग अलग प्लास्टिक डिब्बा में कुल 15 लीटर कच्ची महुआ शराब, बिक्री रकम 120 रू.कीमत 3000 रु को विधिवत जप्त कर आरोपी के विरूद्ध धारा 34(2), 34(1)ख आबकारी एक्ट की कार्यवाही करते हुये आरोपी को 6.05.2025 को विधिवत गिरफ्तार क़र न्यायिक रिमाण्ड में भेजा गया।

गेवरा खदान में कोयला उठाव को लेकर दो गुटों में मारपीट

कोरबा(विश्व परिवार)। जिले में स्थित एसईसीएल की गेवरा खदान में मंगलवार सुबह कोयला उठाव को लेकर दो गुटों में हिंसक झड़प हुई। इस घटना में चाकूबाजी और मारपीट की खबरें सामने आई हैं। घटना का केंद्र बिंदु बी-2 कोल स्टॉक था, जहां दो गुटों में वर्चस्व को लेकर विवाद हुआ। आरोपी बल्ला, चंदन, रवि, बंधन समेत अन्य ने मुंडियानार भिलाई बाजार निवासी रविशंकर कंवर और छिंदपुर निवासी ईश्वर अनंत पर हमला किया। सभी घायल रूंगटा कंपनी से संबंधित हैं। खदान के अंदर सुरक्षा के लिए सीआईएसएफ की तैनाती होने के बावजूद असामाजिक तत्वों का प्रवेश करना सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है। एसईसीएल प्रबंधन की लापरवाही के चलते बिना अनुमति और पास के भी लोग खदान के भीतर घुस जाते हैं। दीपका पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने फिलहाल धारा 294, 223, 34 के तहत अपराध दर्ज किया है, और आगे बलवा की धारा भी जुड़ सकती है। कोयला के स्टॉक में नियमानुसार लोडिंग इंस्पेक्टर की मौजूदगी जरूरी थी, लेकिन वह अनुपस्थित थे। अगर इंस्पेक्टर मौजूद होते तो शायद ऐसी परिस्थितियां नहीं बनतीं। एसईसीएल प्रबंधन को सुरक्षा के लिए और सख्ती बरतने की जरूरत है। खदान के अंदर प्रवेश करने वाले हर कर्मी का पहचान-पत्र अलग रंग का और स्कैन योग्य होना चाहिए, जिससे निजी कंपनी और ठेका कर्मियों की पहचान स्पष्ट हो सके।

शारदा विहार रेलवे क्रॉसिंग पर जर्जर सडक और गहरे गड्ढे से लोगों की जान जोखिम में

कोरबा(विश्व परिवार)। शहर के शारदा विहार क्षेत्र स्थित रेलवे क्रॉसिंग पर जर्जर सडक और गहरे गड्ढे लोगों की जान जोखिम में डाल रहे हैं। स्थानीय नागरिकों और राहगीरों ने कई बार इस मुद्दे को उठाया, लेकिन न तो रेलवे विभाग ने कोई संज्ञान लिया, न ही संबंधित उद्योग प्रबंधन ने इसे अपनी जिम्मेदारी समझा। रेल लाइन पार करते समय दोपहिया और चारपहिया वाहनों को गड्ढों में फंसकर कई बार दुर्घटनाओं का सामना करना पड़ता है। बीते कुछ महीनों में यहाँ छोटे-मोटे हादसे आम हो गए हैं। बरसात के दिनों में हालात और भी खराब हो जाते हैं, जब गड्ढे पानी से भर जाते हैं और उनकी गहराई का अंदाजा लगाना मुश्किल हो जाता है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि क्रॉसिंग से लगे उद्योग क्षेत्रों से भारी वाहन निरंतर गुजरते हैं, जिससे सडक की हालत और बदतर होती जा रही है। बावजूद इसके, उद्योग प्रबंधन न तो सडक की मरम्मत करवा रहा है, न ही यातायात सुरक्षा को लेकर कोई पहल कर रहा है। वहीं रेलवे विभाग इसे अपनी जिम्मेदारी से बाहर मान रहा है। नगर निगम के कुछ पार्षदों ने भी मामले को गंभीरता से उठाया है और चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो जनआंदोलन किया जाएगा। नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि रेलवे और उद्योग प्रबंधन के बीच समन्वय स्थापित कर इस मार्ग की तत्काल मरम्मत कराई जाए, ताकि किसी बड़ी अनहोनी से पहले सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

ऑपरेशन सिंदूर की गूंज से कांपा पाकिस्तान! भारत ने लिया मासूमों की मौत का बदला, कैबिनेट मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े बोलीं - अब हर गोली का जवाब बम से मिलेगा

सूरजपुर ब्यूरो(दैनिक विश्व परिवार)- ।पाकिस्तान की सरजमीं पर मौजूद नौ आतंकी ठिकानों को ध्वस्त करने के भारत के कड़े जवाब के बाद पूरे देश में जश्न और गर्व का माहौल है। इस अभूतपूर्व कार्रवाई को लेकर छत्तीसगढ़ की महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने तीखी प्रतिक्रिया दी है।उन्होंने कहा, माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत अब नए युग का भारत है। यह वो भारत है जो चुप

नहीं बैठता, बल्कि आतंकवाद का मुंहतोड़ जवाब देना जानता है।

श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता पर थल सेना, जल सेना और वायु सेना के जवानों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भारत अब आतंकवाद को जड़ से खत्म करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

उन्होंने कहा, पहलगाम में मासूमों की दर्दनाक मौत ने पूरे देश को झकझोर दिया था। आज भारत ने उस दर्द का बदला ले लिया है। देश की सेनाओं का यह संयुक्त अभियान आतंक के खिलाफ निर्णायक कदम है। देश की जनता को अब भरोसा है कि भारत हर चुनौती का सामना करने में सक्षम है। ऑपरेशन सिंदूर इसकी मिसाल है।

बहरहाल प्रदेश सहित जिले भर में इस सर्जिकल स्ट्राइक की सराहना हो रही है। लोग सोशल मीडिया और जनसभाओं में भारत की इस कार्रवाई की प्रशंसा कर रहे हैं। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत ने दिखा दिया है कि अब शब्द नहीं, सिर्फ़ कार्रवाई होती है।

नगरीय निकायों के विकास को बढ़ावा देना साय सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : मंत्री लखन लाल देवांगन

कोरबा(विश्व परिवार)। शहर के विकास में एक और महत्वपूर्ण कदम बढ़ाते हुए स्थानीय विधायक व वाणिज्य उद्योग व श्रम मंत्री श्री लखन लाल देवांगन ने सोमवार को कोरबा नगर निगम के बालको नगर जोन के छह वार्डों में 42.30 लाख की लागत से होने वाले विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के सुशासन और विकासशील दृष्टिकोण को साकार करते हुए श्रम मंत्री श्री लखन लाल देवांगन की घोषणाओं पर जिला प्रशासन और नगर निगम द्वारा त्वरित अमल शुरू कर कार्य प्रारंभ किए जा रहे हैं । केवल एक महीने के भीतर कोरबा विधानसभा क्षेत्र में 3 करोड़ से अधिक की लागत से विभिन निर्माण कार्यों का भूमि पूजन कर कार्य प्रारंभ किए जा चुके हैं ।यह कदम क्षेत्र के समग्र विकास को गति देने वाला

साबित हो रहा है। इस अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष श्री प्रफुल्ल तिवारी ,पार्षद श्री सत्येंद्र दुबे ,श्री मंगल बंदे ,श्री नरेंद्र देवांगन ,श्री तरुण राठौर ,श्री मुकुंद कंवर ,श्री चेतन मैत्री ,मंडल अध्यक्ष श्री दिलेंद्र यादव , श्रीमती चंदा देवी, श्रीमती सीमा कंवर सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं सहित क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। इन निर्माण कार्यों में सामुदायिक भवन, मंच , साइकिल स्टैंड निर्माण जैसे कार्य शामिल हैं, जो लोगों की बुनियादी आवश्यकताओं से सीधे जुड़े है। इन कार्यों में वार्ड क्रमांक 34 बेलगरी बस्ती बजरंग चैक के पास सास्कृतिक मंच निर्माण कार्य लागत राशि 6.00 लाख रूपए, वार्ड क्रमांक 34 चेक- पोस्ट भदरापारा में सामुदायिक भवन के सामने मंच निर्माण कार्य लागत राशि 5.00 लाख रूपए, वार्ड क्र. 39 राम मंदिर के पास सामुदायिक भवन निर्माण कार्य लागत 7.00 लाख रूपए, वार्ड क्र. 36 नया रिस्दा कब्रिस्तान के पीछे झेरिया, धोबीध्बरेठ समाज भवन के पास शौचालय, मुत्रालय निर्माण (महिलाध्पुरूष) लागत 5.00 लाख रूपए, वार्ड क्रमांक 38 अंतर्गत स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम स्कूल बालको कोरबा में सायकल स्टैण्ड निर्माण कार्य 6.30 लाख रूपए एवं वार्ड क्रमांक 34 में सामुदायिक भवन निर्माण कार्य लागत राशि 13.00 लाख रूपए शामिल है।

आतंकवाद के खिलाफ एकता रैली में उमड़ा जनसैलाब

कोरबा(विश्व परिवार)। जिले के कटघोरा तहसील में आतंकवाद के खिलाफएकता रैली (मौन रैली) का आयोजन किया गया, जिसमें नगर के सभी सामाजिक संगठनों और नागरिकों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। इस रैली का उद्देश्य जम्मू कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले में मारे गए देश के नागरिकों को श्रद्धांजलि देना और देश के प्रति निष्ठा और प्रेम की अभिव्यक्ति करना था। उक्त रैली मुख्य मार्ग होते हुए शहीद वीरनारायण चैक तक पहुंची, जहां उपस्थित नागरिकों ने शहीदों को श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर 28 देश के सपूतों की याद में 28 दीप प्रज्ज्वलित किए गए और आतंकवाद के खिलाफ शांतिपूर्वक विरोध जताया गया। रैली में शामिल लोगों ने शहीदों की स्मृति में 2 मिनट का मौन रखा और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। आर्ट ऑफ लिविंग परिवार बैंगलोर से पहुंचे स्वामी शरणानंद ने कहा कि आतंकियों ने जिस निर्ममता से नागरिकों की हत्या की है, उसके लिए उन्हें सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने देश की वर्तमान परिस्थितियों पर चर्चा करते हुए सभी नागरिकों से राष्ट्रीय एकता, सद्भाव और जागरूकता बनाए रखने की अपील की।

दैनिक
विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर गुरूवार 08 मई 2025

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संपादकीय

बेतुके बयानों से बचें एवं राजनीतिक सहमति कायम रखें

ललित गर्ग

भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने अपने विवादित बयान में कहा कि इस घटना से किसे फायदा हो रहा है और कौन हिंदू-मुस्लिम कर रहा है इसका जवाब हमला करने वाले के पास ही है। टिकैत ने जोर देकर कहा कि असली चोर पाकिस्तान में नहीं बल्कि भारत में ही मौजूद है। पहलगाम की बर्बर आतंकी घटना ने भारत की आत्मा पर सीधा हमला किया है, इसमें पाकिस्तान की स्पष्ट भूमिका को देखते हुए देश की एक सौ चालीस करोड जनता चाहती है कि अब पाकिस्तान को सबक सीखाना जरूरी हो गया है, नरेन्द्र मोदी सरकार ने भी इसे गंभीरता से लिया और पाकिस्तान के खिलाफ कठोर एक्शन लेते हुए सिंधु जल को रोकने जैसे पांच कदम उठाये। दोनों ही देशों के बीच युद्ध की स्थिति बनी है, यह पहली बार देखने को मिला है कि इस घटना को लेकर कश्मीर सहित समूचा देश एक दिखाई दे रहा है। ऐसे क्रूर, आतंकी एवं अमानवीय हमले के वक्त में पूरा देश दुख और गुस्से की मन:स्थिति से गुजर रहा है, जम्मू-कश्मीर विधानसभा ने शांति और सांप्रदायिक सद्भाव का एक सशक्त संदेश दिया है। सभी राजनीतिक दल, जाति, वर्ग, धर्म के लोग पाकिस्तान को करारा जबाव देने के लिये मोदी सरकार के हर निर्णय में सहयोगी होने का संकल्प व्यक्त किया है, बावजूद इसके कुछ नेताओं के ओछे, बेतुके एवं अराष्ट्रीय बयान भी सामने आए हैं, जिनको सुनकर इन नेताओं के मानसिक दिवालियेपन, औछेपन एवं विध्वंसक राजनीतिक सोच पर क्रोध भी आता है एवं तरस भी आता है। निश्चित ही ये बयान जहां अंधविरोध की घोर नकारात्मक एवं संकीर्ण राजनीति को दर्शाते है, वहीं कुछ वोट बैंक की सस्ती राजनीति को उजागर करते हैं। भाजपा नेताओं को भी यह ध्यान रखना होगा कि उनकी ओर से ऐसा कुछ न कहा-किया जाए, जिससे यह लगे कि वे पहलगाम की घटना का राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश कर रहे हैं। जब राष्ट्र संकट एवं जटिल दौर में हो, किसी का राजनीतिक हित देशहित से बड़ा नहीं हो सकता।अनर्गल, बेतुके एवं राष्ट्र-विरोधी बयानों ने एक बार फिर कुछ नेताओं एवं दलों की घटिया सोच को बेनकाब किया है। जबकि कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने पहलगाम की बर्बर आतंकी घटना पर अपने नेताओं के बेतुके बयानों का संज्ञान लिया और यह निर्देश दिया कि वे इस हमले पर पार्टी लाइन के हिसाब से ही बोलें। ऐसे निर्देश देना इसलिए आवश्यक हो गया था, क्योंकि उसके कई बड़े नेता और यहां तक कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री भी बेलगाम होकर यह कह गए कि हम युद्ध के पक्ष में नहीं। वहीं के एक मंत्री एवं नेता ने तो कहा कि आतंकियों के पास इतना समय कहां होता है कि वह किसी को मारने से पहले उसका धर्म पूछें। इसी तरह का बयान महाराष्ट्र के कांग्रेस विधायक ने भी दिया। हद तो यह हो गई कि जब यह भी बोला गया कि जो महिला कह रही है कि उसके पति को मारने से पहले उनसे उनका धर्म पूछा गया, उसने अपना होशोहवास खो दिया होगा। एक अन्य कांग्रेस नेता ने यह बेतुकी बात कही कि पाकिस्तान भाजपा और आरएसएस का दुश्मन होगा, कांग्रेस का नहीं? ऐसे बयान केवल संवेदनहीन और पहलगाम हमले से क्षुब्ध देशवासियों का खून खौलाने वाले ही नहीं, आतंक को खाद-पानी देने वालों के मन की मुराद पूरी करने वाले भी हैं। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने अपने विवादित बयान में कहा कि इस घटना से किसे फायदा हो रहा है और कौन हिंदू-मुस्लिम कर रहा है इसका जवाब हमला करने वाले के पास ही है। टिकैत ने जोर देकर कहा कि असली चोर पाकिस्तान में नहीं बल्कि भारत में ही मौजूद है। टिकैत अपने औछे, घटिया एवं उच्छृंखल बयान के साथ यह उदाहरण भी दिया कि जब गांव में किसी की हत्या होती है, तो पुलिस सबसे पहले उसे पकड़ती है, जिसे जमीन मिलने जैसा फायदा होता है। पाकिस्तान के लिये पानी रोकने के निर्णय पर उनका यह कहना कि पानी पर सभी जीव-जंतुओं का अधिकार है, यह सबको मिलना चाहिए। ऐसा कहकर उन्होंने भारत-विरोधी विचार ही दिया है। बिजनसमैन एवं गांधी परिवार के जवाई रॉबर्ट वाड्रा के पहलगाम हमले पर विचार भले ही चौतरफा आलोचना के बाद बदल गए हैं। लेकिन उन्होंने भी इस आतंकवादी हमले के लिए मोदी सरकार और हिंदुत्व को जिम्मेदार ठहराया था। राष्ट्रीय हितों पर चोट करने और देश की एकजुटता को प्रभावित करने वाले ये बयान यही नहीं बताते कि राजनीतिक कटुता के चलते नेतागण संवेदनशील मामलों में भी बोलते समय अपने विवेक का परित्याग कर देते हैं, बल्कि यह भी इंगित करते हैं कि उन्हें राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर भी पार्टी लाइन की कोई परवाह नहीं रहती। उनके लिये पार्टी देश से ज्यादा महत्वपूर्ण है। इस पर भी ध्यान देने की जरूरत है, जिन भी दलों के नेता पहलगाम की घटना पर अनर्गल बयान दे रहे हैं और जिसके चलते सर्वदलीय बैठक में बनी सहमति आहत हो रही है, उन पर लगाम लगे। पहलगाम आतंकी हमला पहला मौका है, जब विपक्ष 'किसी भी जवाबी कार्रवाई' के लिए मोदी सरकार के साथ खड़ा दिख रहा है। उड़ी हमले के बाद सर्जिकल स्ट्राइक और पुलवामा हमले के बाद एयर स्ट्राइक के सुबूत मांगने वाले विपक्ष के रुख में यह बड़ा बदलाव है। सबसे बड़े लोकतंत्र की राजनीति के लिए यह निश्चय ही सकारात्मक संकेत भी है। संसदीय लोकतंत्र में सरकार बहुमत से बनती है, लेकिन सत्तापक्ष और विपक्ष, दोनों की भूमिकाएं महत्वपूर्ण रहती हैं। बेशक पहलगाम में सुरक्षा चूक पर जवाब मांगने का राजनीतिक अधिकार विपक्ष को है, क्योंकि चूक तो हुई ही है, लेकिन सहमति के लिए संवाद और समन्वय की प्रक्रिया जारी रहनी जरूरी है। यह कभी नहीं भूलना चाहिए कि राजनीति देश के लिए होनी चाहिए, देश की कीमत पर नहीं। अलग-अलग दलों से होने तथा कई मुद्दों पर नीतिगत मतभेदों के बावजूद प्रधानमंत्री नरसिंह राव, पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर और नेता प्रतिपक्ष अटल बिहारी वाजपेयी ने परस्पर सम्मान भाव वाले रिश्तों से संवाद, सौहार्द, समझ तथा समन्वय की जो मिसाल पेश की, वह दलगत राजनीति में वर्तमान सन्दर्भों में मार्गदर्शक बन सकती है। एक-दूसरे को देशविरोधी मानने की मानसिकता से मुक्त होना होगा और परस्पर कटुता के बजाय सम्मान का भाव जगाना होगा। अपेक्षा की जाती है कि अपनी-अपनी राजनीतिक विचारधारा पर अडिग रहते हुए भी वे राष्ट्रहित के मुद्दों पर सहमति के साथ आगे बढ़ें, कायम रहे राजनीतिक सहमति ताकि देश चुनौतियों एवं संकटों का सामना प्रभावी एवं सफलतापूर्वक कर सके। विडम्बना तो यह है कि भारत तथा अंतर्राष्ट्रीय दबाव के आगे लाचार हुए पाकिस्तान के सत्ताधीशों ने स्वीकार किया कि वे पिछले तीस साल से आतंक की फसल सींच रहे थे। भारत ने पूरी दुनिया को मुंबई के भीषण हमले, संसद पर हुए हमले तथा पुलवामा से लेकर उड़ी तक की आतंकवादी घटनाओं में पाक की संलिप्तता के मजबूत सबूत बार-बार दिए, अब दुनिया भी स्वीकारने लगी है कि पाकिस्तान आतंक की प्रयोगशाला है। उसकी इस नर्सरी एवं आतंक की खेती का उद्देश्य भारत की तबाही ही है। भारत को कभी तो जबाव देना ही था, अब भारत ने कमर कसी है तो पाकिस्तान परमाणु बम से हमले की धमकी, सिंधु नदी को रक्त से भरने तथा कश्मीर मुद्दे के अंतर्राष्ट्रीयकरण जैसी गिदड धमकियों पर उतर आया है। अब तो भारत के राजनीतिक दलों, नेताओं एवं संकीर्ण मानसिकता वाले लोगों को पाकिस्तान के प्रति अपनी सोच को बदलना चाहिए। अब पाकिस्तान के लिये स्थिर पड़ोसी का विचार छोड़कर रणनीतिक विखंडन के जरिये क्षेत्रीय परिदृश्य को नया आकार देना समय की जरूरत है। आज सरकार, विपक्ष और नागरिकों के सामने एक बड़ी चुनौती है कि वे ऐसा कुछ न करें, जिससे सांप्रदायिक संघर्ष फैले। सीमाओं पर लड़ने की ताकत देश के भीतर के इन संकीर्ण एवं स्वार्थी राजनीतिक एजेंडे में खप जायेगी तो हम केवल उस एजेंडे को ही आगे बढ़ा रहे होंगे, जो आतंकवादियों मानेंगे? क्या खुफिया और सुरक्षा बलों को यह ध्यान नहीं था कि भारत में जब भी कोई हाई प्रोफाइल विजिट होती है तो आतंकवादी उसमें खलल पैदा करने का प्रयास करते हैं। याद करें कैसे सन 2000 में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन की भारत यात्रा के समय चिट्टिसिंहपुरा नरसंहार हुआ था, जिसमें आतंकवादियों ने सिखों की हत्या की थी। अब फिर अमेरिकी उप राष्ट्रपति जेडी वेंस भारत में हैं और आतंकवादियों ने धर्म की पहचान करके नरसंहार कर दिया। ध्यान रहे जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटने और विशेष राज्य का दर्ज समाप्त होने के बाद पूरे देश में कश्मीर को लेकर एक सकारात्मक धारणा बनी। राज्य में सुरक्षा व्यवस्था बेहतर होने और जम्मू कश्मीर के मुख्यधारा में शामिल होने की धारणा भी मजबूत हुई। इस वजह से पर्यटन बढने लगा था और सरकार के आंकड़ों के मुताबिक पिछले साल यानी 2024 में दो करोड़ 30 लाख पर्यटक कश्मीर गए थे। राज्य में बरसों के बाद चुनाव हुआ और लोकतांत्रिक सरकार का गठन हुआ। परंतु इस एक हमले ने पूरी धारणा बदल दी। यह हमला इसी मकसद से किया गया था ताकि घाटी में हालात सामान्य होने की सकारात्मक धारणा को बदला जा सके। शांति का माहौल बिगाड़ा जा सके और लोगों में भय का माहौल पैदा किया जाए। यह स्थिति पाकिस्तान के हुक्मरानों को सूट करती है।

ट्रंप विरोधी राष्ट्रवाद

ट्रंप ने अपने जुबानी तीर से कनाडा की संप्रभुता पर जिस तरह निशाने साधे, वही कनाडा के आम चुनाव में निर्णायक मुद्दा साबित हुआ। वरना, ट्रुडो की सरकार इतनी अलोकप्रिय कि लिबरल पार्टी का सत्ता में लौटना नामुमकिन लगने लगा था। ये वाजिब सवाल होगा कि कनाडा के चुनाव नतीजों को अमेरिकी राष्ट्रपति के खिलाफ जनादेश कैसे कहा जा सकता है। लेकिन हकीकत यही है कि डॉनल्ड ट्रंप ने अपने जुबानी तीर से कनाडा की संप्रभुता पर जिस तरह निशाने साधे, वही कनाडा के आम चुनाव में निर्णायक मुद्दा साबित हुआ। वरना, पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रुडो की सरकार इतनी अलोकप्रिय हो गई थी कि लिबरल पार्टी का सत्ता में लौटना नामुमकिन लगने लगा था। दरअसल, ट्रुडो को नेतृत्व छोड़ना ही इसलिए पड़ा, क्योंकि पार्टी अपने को सियासी संकट में पा रही थी। मगर ट्रंप के ह्वाइट हाउस में प्रवेश के साथ कनाडा की राजनीति ने करवट लेना शुरू किया। पिछले साल के आखिर तक अगले प्रधानमंत्री के रूप में देखे जा रहे कंजरवेटिव पार्टी के नेता पियरे पॉलिवर ने अपनी छवि कनाडा के ट्रंप के रूप बना रखी थी। ट्रंप जैसी नीतियों के जरिए कनाडा के आर्थिक संकट को दूर करने का उनका वादा काम करता दिख रहा था। लेकिन जब असली ट्रंप का आक्रामक रूप दुनिया के सामने आया, जिसकी चपेट में कनाडा भी आ गया, तो वहां के लोगों में विपरीत प्रतिक्रिया होना लाजिमी ही था। पॉलिवर ने नए माहौल में ट्रंप विरोधी तेवर अपनाए, कनाडा की संप्रभुता की रक्षा के लिए अपनी प्रतिबद्धता जताई, लेकिन तब तक माहौल बदल चुका था। अब साफ है कि मतदाताओं ने ट्रंप के हमलों से कनाडा की रक्षा करने के लिहाज से लिबरल पार्टी के नए नेता मार्क कार्नी को अधिक सक्षम माना है। कार्नी ने अमेरिकी बैंक गोल्डमैन शैक्स से करियर शुरू किया और बैंक ऑफ कनाडा तथा बैंक ऑफ इंग्लैंड के गर्वनर रह चुके हैं। नव-उदारवाद और मुक्त व्यापार के पैरोकार हैं। राजनीति में आने के बाद से आर्थिक नीतियों में नैतिक मूल्यों को भी स्थान देने की वकालत उन्होंने की है। बहरहाल, उनके सामने चुनौतियां बेहद गंभीर हैं। एक तो ट्रुडो शासनकाल में पैदा हुई समस्याएं हैं और ऊपर से ट्रंप की नीतियों से पेश आईं चुनौतियां हैं। फिलहाल, कनाडा में बना ट्रंप विरोधी राष्ट्रवाद उनकी ताकत बना है, मगर अंतत: लोग उनका आकलन समस्याओं के समाधान की कसौटी पर ही करेंगे।

आलेख

पहलगाम हमले से वक्फ की लड़ाई से देश का ध्यान भटका

हरिशंकर व्यास

जम्मू कश्मीर के पहलगाम की घटना और उससे पहले पाकिस्तानी सेना के प्रमुख जनरल असीम मुनीर की भड़काऊ भाषण ऐसे समय में हुआ है, जब भारत में कई किस्म के सांप्रदायिक विवाद चल रहे हैं। एक बड़ा विवाद वक्फ संशोधन कानून का है, जिसे सरकार ने संसद के बजट सत्र में पास किया। तीन और चार अप्रैल को यह विधेयक क्रमश: लोकसभा और राज्यसभा से पास हुआ। छह अप्रैल को राष्ट्रपति ने इसकी मंजूरी दी और केंद्र सरकार ने दो दिन बाद इसे लागू करने की अधिसूचना जारी कर दी। इस कानून के खिलाफ दो स्तर पर लड़ाई चल रही है। एक लड़ाई सुप्रीम कोर्ट में चल रही है, जहां 70 से ज्यादा याचिकाएं दायर की गई हैं तो दूसरी लड़ाई सड़क पर चल रही है, जिसका नेतृत्व ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड कर रहा है। पहलगाम की घटना ने वक्फ की लड़ाई से देश का ध्यान भटका दिया है। गौरतलब है कि ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड यानी एआईएमपीएलबी ने 10 अप्रैल से 87 दिन के विरोध प्रदर्शन का ऐलान किया था और कहा था कि सात जुलाई तक उसका प्रदर्शन चलेगा। इस दौरान वक्फ कानून के खिलाफ एक करोड़ लोगों के दस्तखत जुटाए जाएंगे और उन्हें प्रधानमंत्री को भेजा जाएगा। इसके बाद एआईएमपीएलबी की ओर से विरोध प्रदर्शन के दूसरे चरण की घोषणा होनी थी। एआईएमपीएलबी के साथ साथ जमात ए उलमा ए हिंद की ओर से भी प्रदर्शन हो रहा था और इसके अलावा हर जुमे को नमाज के बाद किसी न किसी रूप में विरोध प्रदर्शन किया जा रहा था। परंतु पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा पर्यटकों से 'कलमा' पढ़वाने और धर्म पूछ कर हत्या कर देने की घटना के बाद समूचा विरोध प्रदर्शन एक तरह से स्थगित हो गया है। आम लोगों का ध्यान भी इससे हट गया है। यह ऐसी घटना हुई है, जैसी इससे पहले कश्मीर घाटी में देखने सुनने को नहीं मिली थी। कुछ आतंकवादी बाहरी लोगों की हत्या कर रहे थे लेकिन पर्यटकों को निशाना नहीं बनाया जा रहा था। इसी वजह से सुरक्षा बल भी लापरवाह हो गए थे। पंजाब में आतंकवाद के समय धर्म पूछ कर हत्या करने की अनेक घटनाएं हुई थीं और उसके बाद उसको खत्म करने में समय नहीं लगा। कश्मीर घाटी में ऐसा नहीं होता था। पहली बार ऐसा हुआ कि हिंदुओं को धर्म पूछ कर मारा गया। इस वजह से वक्फ कानून के खिलाफ लड़ रहे संगठन और नेता भी बैकफुट हैं और व्यापक रूप से मुस्लिम आबादी भी हिली हुई है। उसको लग रहा है कि इससे भारतीय समाज में उनका अलगाव पहले से ज्यादा बढ़ेगा। यही कारण है कि ऑल इंडिया एमआईएम के नेता हों यो एआईएमपीएलबी और जमात के नेता, सब आगे बढ़ कर इस आतंकवादी घटना की निंदा कर रहे हैं। उनमें होड़ लगी है कि कौन ज्यादा कठोर शब्द में निंदा कर सकता है। इतना ही नहीं उन्होंने देश भर के मुस्लिम लोगों से कहा कि वे इस जुमे को यानी शुक्रवार, 25 अप्रैल को नमाज के दौरान काली पट्टी बांध कर पहलगाम की घटना का विरोध जताएं। सोचें, जो मुस्लिम समाज जुमे की नमाज के दौरान काली पट्टी बांध कर वक्फ संशोधन कानून का विरोध कर रहा था और उसको उत्तर प्रदेश सरकार नोटिस भेज रही थी उसने काली पट्टी बांध कर कश्मीर में हुए आतंकवादी हमले का विरोध जताया है। हालांकि ऐसा नहीं है कि इससे स्थायी रूप से वक्फ का मामला समाप्त हो जाएगा। लेकिन कानून बनने के बाद जो मोमेंटम था वह अब वापस नहीं मिल पाएगा। अब इसका विरोध औपचारिकता है क्योंकि पहलगाम की घटना से जो घटनाक्रम शुरू हुआ है वह तुरंत समाप्त नहीं होने वाला है। भारत की ओर से इसका बदला लेने की बात कही जा रही है तो दूसरी ओर पाकिस्तान ने कहा है कि अगर पानी रोका गया तो ऐलान ए जंग होगा। दोनों तरफ से तैयारियां चल रही हैं। भारत की ओर से कुछ न कुछ किया जाएगा। कुछ होने से पहले और होने के बाद भी लंबे समय तक उबाल बना रहना है। इसलिए वक्फ कानून के विरोध की बजाय 'इस्लामिक आतंकवाद' का मुद्दा नैरेटिव के केंद्र में रहेगा और मुस्लिम समाज को अपनी लड़ाई लड़ने की बजाय सफाई ज्यादा देनी होगी। पार्टियों, संगठनों, नेताओं पर निष्ठा साबित करने का दबाव बढ़ गया है। ऐसा लग रहा है कि मुनीर और आईएसआई के हैंडलर्स ने अपनी घरेलू राजनीति बचाने के चक्कर में भारत के मुसलमानों के लिए समस्या खड़ी कर दी और बैठे बिठाए भाजपा को नैरेटिव बदलने का जरिया दे दिया।

हमले का निर्णायक रूप से जवाब दे सरकार

अजीत द्विवेदी

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में धर्म पूछ कर नरसंहार की जो घटना हुई है वह एक गंभीर खतरे का संकेत है। इस खतरे के छोटे छोटे संकेत पहले से मिल रहे थे। पिछले कुछ समय से राज्य में लक्षित हमले बढ़े हैं। बाहरी लोगों को निशाना बनाया जा रहा है। मजदूरों पर हमले हो रहे हैं। इससे पहले आमतौर पर कहा जाता था कि बाहरी लोग या पर्यटक स्थानीय अर्थव्यवस्था में योगदान देते हैं इसलिए आतंकवादी उन पर हमला नहीं करते हैं। उनको लगता है कि पर्यटकों पर हमले से स्थानीय लोग नाराज होंगे, जिससे उनका समर्थन घटेगा। स्थानीय लोगों के समर्थन के बगैर आतंकवादियों का टिकना मुश्किल है। तभी सवाल है कि आतंकवादियों ने पर्यटकों पर हमला नहीं करने के अघोषित नियम को क्यों तोड़ा है? क्या अब उनको स्थानीय लोगों के समर्थन की जरुरत नहीं है या स्थानीय लोग भी छोटे छोटे आर्थिक लाभ की बजाय किसी बड़ी योजना के लिए इस तरह की कार्रवाई को जरूरी समझने लगे हैं और मूक समर्थन दे रहे हैं? जो हो इसे नए दौर की शुरुआत मान सकते हैं। यह भी मानना चाहिए कि यह अनायास नहीं हुआ है। ऐसा नहीं है कि अचानक एक दिन लश्कर ए तैयबा ने फैसला किया कि स्थानीय लोग चाहे जो सोचें, अब पर्यटकों पर हमला करना है और स्थानीय अर्थव्यवस्था को सपोर्ट करने वाले सिस्टम को नष्ट करना है। यह किसी बड़ी और सोची समझी योजना का हिस्सा है, जिसका इशारा पिछले दिनों पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने किया था। उन्होंने हिंदू और मुस्लिम के दो अलग अलग राष्ट्र होने की बात कही थी। उसमें उन्होंने दोनों की रहन सहन, खानपान आदि की विभिन्नता के साथ साथ दोनों की महत्वाकांक्षाएं अलग होने की बात भी कही थी। उन्होंने मुस्लिम समाज की अलग महत्वाकांक्षा की बात नए दौर की नई रणनीति के तहत की है। पाकिस्तान के सेना प्रमुख के इशारे को समझ कर भारत की खुफिया एजेंसियों को अलर्ट हो जाना चाहिए था। अगर खुफिया और सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट होतीं तो इस घटना को टाला जा सकता था। यह हैरानी की बात है कि लश्कर ए तैयबा से जुड़े द रसिस्टेंस फ्रंट की ओर से बाहरी लोगों पर लक्षित हमले हो रहे हैं लेकिन यह संगठन बड़ा हमला कर सकता है इसका अंदाजा नहीं लगाया गया। यह भी तथ्य सुरक्षा बलों को पता है कि पहले 90 फीसदी आतंकवादी स्थानीय होते थे, जो पर्यटकों पर हमले नहीं करते थे या लक्षित हमले नहीं करते थे, लेकिन अब ज्यादातर आतंकवादी बाहरी हैं, जिनके लिए स्थानीय लोगों की भावनाएं बहुत मैटर नहीं करती हैं। ऊपर से पाकिस्तान के सेना प्रमुख की भड़काऊ बातें। इन सब के बावजूद सारी चीजें रूटीन के अंदाज में हो रही थीं। हालांकि यह सवाल उठ रहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 19 अप्रैल का कश्मीर दौरा क्यों टला था? उनको जम्मू से श्रीनगर की ट्रेन को हरी झंडी दिखानी थी लेकिन ऐन मौके पर कहा गया कि खराब मौसम की चेतावनी के कारण उनकी यात्रा टाल दी गई है। हालांकि पिछले पांच दिन में बहुत खराब मौसम की कोई सूचना नहीं है। सो, क्या किसी खुफिया सूचना के आधार पर यात्रा टाली गई थी? अगर आतंकवादियों की गतिविधियों को लेकर कोई सूचना थी तो उस हिसाब से सुरक्षा बलों की तैनाती क्यों नहीं की गई थी? पर्यटकों की सुरक्षा के लिए भी अतिरिक्त बंदोबस्त क्यों नहीं किए गए थे? पहलगाम के जिस इलाके में आतंकवादियों ने हमला किया है वह पर्यटकों की पसंदीद जगह है। बताया जा रहा है कि पिछले चार महीने में करीब 25 लाख लोग पहलगाम पहुंचे, जिसमें से 23 लाख लोग इस घाटी में गए। फिर भी वहां दूर दूर तक सुरक्षा बलों का कोई जवान तैनात नहीं था। आतंकवादी जंगल से निकले और 20 मिनट तक हिंसा का तांडव करते रहे और जंगल में भाग गए। इस दौरान कोई प्रतिरोध नहीं हुआ। एक भी जवाबी फायरिंग नहीं हुई। सोचें, घाटी में आतंकवादियों के अत्याधुनिक हथियारों से फायरिंग की गूंज कहां तक जा रही होगी फिर भी 20 मिनट तक कोई फोर्स नहीं आई! इसका मतलब है कि दो किलोमीटर के दायरे में कहीं भी सुरक्षा बल के जवान नहीं थे। क्या इसे बड़ी लापरवाही नहीं मानेंगे? क्या खुफिया और सुरक्षा बलों को यह ध्यान नहीं था कि भारत में जब भी कोई हाई प्रोफाइल विजिट होती है तो आतंकवादी उसमें खलल पैदा करने का प्रयास करते हैं। याद करें कैसे सन 2000 में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन की भारत यात्रा के समय चिट्टिसिंहपुरा नरसंहार हुआ था, जिसमें आतंकवादियों ने सिखों की हत्या की थी। अब फिर अमेरिकी उप राष्ट्रपति जेडी वेंस भारत में हैं और आतंकवादियों ने धर्म की पहचान करके नरसंहार कर दिया। ध्यान रहे जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटने और विशेष राज्य का दर्ज समाप्त होने के बाद पूरे देश में कश्मीर को लेकर एक सकारात्मक धारणा बनी। राज्य में सुरक्षा व्यवस्था बेहतर होने और जम्मू कश्मीर के मुख्यधारा में शामिल होने की धारणा भी मजबूत हुई। इस वजह से पर्यटन बढने लगा था और सरकार के आंकड़ों के मुताबिक पिछले साल यानी 2024 में दो करोड़ 30 लाख पर्यटक कश्मीर गए थे। राज्य में बरसों के बाद चुनाव हुआ और लोकतांत्रिक सरकार का गठन हुआ। परंतु इस एक हमले ने पूरी धारणा बदल दी। यह हमला इसी मकसद से किया गया था ताकि घाटी में हालात सामान्य होने की सकारात्मक धारणा को बदला जा सके। शांति का माहौल बिगाड़ा जा सके और लोगों में भय का माहौल पैदा किया जाए। यह स्थिति पाकिस्तान के हुक्मरानों को सूट करती है।

जरूरी है मीडिया का भारतीयकरण....

प्रो. संजय द्विवेदी

हमें सोचना होगा कि आखिर हमारी मीडिया प्रेरणाएं क्या हैं? हम कहां से शक्ति और ऊर्जा पा रहे हैं। हमारा संचार क्षेत्र किन मानकों पर खड़ा है। पश्चिमी मीडिया के मानकों के आधार पर खड़ी हमारी मीडिया के लिए नकारात्मकता, संघर्ष और विवाद के बिंदु खास हो जाते हैं। यह 'शब्द हिंसा' का समय है। बहुत आक्रमक, बहुत बेलगाम। ऐसा लगता है कि टीवी न्यूज मीडिया ने यह मान लिया है कि शब्द हिंसा में ही उसकी मुक्ति है। चीखते-चिल्लाते और दलों के प्रवक्ताओं को मुर्गों की तरह लड़ाते हमारे एंकर सब कुछ स्क्रीन पर ही तय कर लेना चाहते हैं। यहां संवाद नहीं है, बातचीत भी नहीं है। विवाद और वितंडावाद है। यह किसी निष्कर्ष पर पहुंचने का संवाद नहीं है, आक्रामकता का वीभत्स प्रदर्शन है। निजी जीवन में बेहद आत्मीय राजनेता, एक ही कार में साथ बैठकर चैनल के दफ्तर आए प्रवक्तागण स्क्रीन पर जो दृश्य रचते हैं, उससे लगता है कि हमारा सार्वजनिक जीवन कितनी कड़वाहटों और नफरतों से भरा है। किंतु स्क्रीन के पहले और बाद का सच अलग है। बावजूद इसके हिंदुस्तान का आम आदमी इस स्क्रीन के नाटक को ही सच मान लेता है। लड़ता-झगड़ता हिंदुस्तान हमारा 'सच' बन जाता है। मीडिया के इस जाल को तोड़ने की भी कोशिशें नदारद हैं। वस्तुनिष्ठता से किनारा करती मीडिया बहुत खौफनाक हो जाती है। हमें सोचना होगा कि आखिर हमारी मीडिया प्रेरणाएं क्या हैं? हम कहां से शक्ति और ऊर्जा पा रहे हैं। हमारा संचार क्षेत्र किन मानकों पर खड़ा है। पश्चिमी मीडिया के मानकों के आधार पर खड़ी हमारी मीडिया के लिए नकारात्मकता, संघर्ष और विवाद के बिंदु खास हो जाते हैं। जबकि संवाद और संचार की परंपरा में संवाद से संकटों के हल खोजने का प्रयत्न होता है। हमारी परंपरा में सही प्रश्न करना भी एक पद्धति है। सवालों की मनाही नहीं, सवालों से ही बड़ी से बड़ी समस्या का हल खोजना है, चाहे वह समस्या मन, जीवन या समाज किसी की भी हो। इस तरह प्रश्न हमें सामान्य सूचना से ज्ञान तक की यात्रा कराते रहे हैं। आज 'सूचना' और 'ज्ञान' को पर्याय बनाने के जतन हो रहे हैं। सच यह है कि 'सूचना' तो समाचार,खबर या न्यूज का भी पर्याय नहीं है। सूचना कोई भी दे सकता है। वह कहीं से भी आ सकती है। सोशल मीडिया आजकल सूचनाओं से ही भरा हुआ है। किंतु ध्यान

रखें खबर, समाचार और न्यूज के साथ जिम्मेदारी जुड़ी है। संपादकीय प्रक्रिया से गुजरकर ही कोई सूचना,समाचार बनती है। इसलिए संपादक और संवाददाता जैसी संस्थाएं साधारण नहीं है। यह कहना आजकल बहुत फैशन में है कि इस दौर में हर व्यक्ति पत्रकार है। हर व्यक्ति फोटोग्राफर है। हर व्यक्ति कम्युनिकेटर, सूचनादाता, मुखबिर हो सकता है, वह पत्रकार कैसे हो जाएगा? मेरे पास कैमरा है, मैं फोटो ग्राफर कैसे हो जाऊंगा। विशेष दक्षता और प्रशिक्षण से जुड़ी विधाओं को हल्का बनाने के हमारे प्रयासों ने ही हमारी मीडिया या संवाद की दुनिया को बहुत बड़ा नुक्सान पहुंचाया है। यह वैसा ही है जैसे कपड़े प्रेस करने वाले या प्रिंटिंग प्रेस वाले अपनी गाड़ियों पर 'प्रेस' का स्टिकर लगाकर घूमने लगें। मीडिया में प्रशिक्षण प्राप्त और न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता के बिना आ रही भीड़ ने अराजकता का वातावरण खड़ा कर दिया है। लोकमान्य तिलक, महात्मा गांधी, सुभाष चन्द्र बोस, बाबासाहेब आंबेडकर, पं. जवाहरलाल नेहरू, मदनमोहन मालवीय, माधवराव सप्रे जैसे उच्च शिक्षित लोगों द्वारा प्रारंभ और समाज के प्रति समर्पित पत्रकारिता वर्तमान में कहां खड़ी है। भारत सरकार के आग्रह पर प्रेस कौंसिल आफइंडिया ने पत्रकारों की न्यूनतम शैक्षिक योग्यता के निर्धारण के लिए एक समिति भी बनाई थी, जिसके समक्ष मुझे भी अपनी बात रखने का अवसर मिला था। बाद में उस कवायद का क्या हुआ पता नहीं। समाज की रुचि का परिष्कार और रूचि निर्माण भी मीडिया की जिम्मेदारी है। अपने पाठकों, दर्शकों को समय के ज्वलंत मुद्दों पर अपडेट रखना, उनकी बौद्धिक, नागरिक चेतना को जागृत रखना भी मीडिया का काम है। जबकि देखा यह जा रहा है कि पाठकों की पसंद के नाम पर कंटेंट में गिरावट लाने की स्पर्धा है। ऐसे कठिन समय में मीडिया के दायित्वबोध और सरोकारों पर बातचीत बहुत जरूरी है। प्रिंट मीडिया ने भी साहित्य, कलाओं, प्रदर्शन कलाओं और मनुष्य बनाने वाली सभी विधाओं को अखबारों से निर्वासन दे दिया है। मीडिया सिर्फ दर्शक बना रहे यह भी ठीक नहीं। उसे राष्ट्रीय भावना और जनपक्ष के साथ खड़े रहना चाहिए। देखा जाए तो समाज में फैली अशांति, स्पर्धा, लालसाओं और संघर्ष के बीच विचार के लिए सकारात्मक मुद्दे उठाने ही होंगे। मीडिया खुद अशांत है और गहरी स्पर्धा के कारण सही -गलत में चुनाव नहीं कर पा रहा है। ऐसे में मीडियाकर्मियों की जिम्मेदारी है कि खुद भी शांत हों और संवाद की शुचिता पर काम करें। वसीम बरेलवी लिखते हैं

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर/दुर्ग-भिलाई/धर्म समाज/देश
रायपुर, गुरुवार 08 मई 2025
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

मुनि श्री योगसागर जी महाराज ने कहा- अनुकम्पा सम्यक दृष्टि का एक लक्षण है

सागर (विश्व परिवार)। यदि कोई व्यक्ति या जीव दुखी है कोई उसके दुख हरने का भाव बनाता या अनुकम्पा रखता है वही अनुकम्पा है। जीवो के प्रति करुणा भाव रखना यही अनुकंपा है।अनुकम्पा सम्यक दृष्टि का एक लक्षण है यह बात निर्यापक मुनिश्री योगसागर महाराज ने वर्धमान कालोनी में धर्म सभा में कही। उन्होंने कहा कि व्यापार के द्वारा आप हमेशा पाप कमा रहे या झूठ बोलकर अनिति पूर्ण व्यवहार करके पाप कमा रहे हैं।एक दिन मंदिर में नहीं आते तो कोई बात नहीं लेकिन अपनी दुकान नीति और न्याय से चलाते हैं यह मंदिर जाने से कम नहीं है। शेर शेर को खाता नहीं है लेकिन आज मनुष्य मनुष्य को खा रहा है। यह अनीति व्यवहार है। कर्म आएँगे और जाएंगे पाप और पुण्य से बचना है तो आपको अपने आपको संभालना होगा। भक्ति से हमें शक्ति मिलती है यह ध्यान रखना। मुनिश्री ने कहा कि धर्मसभा के पाण्डाल में बैठोगे तो पुण्य से बच नहीं सकते हो। आपका मान सम्मान पुण्य की वजह से होता है। मुनि सेवा समिति के सदस्य मुकेश जैन ढाना ने बताया मुनिश्री के मंगल प्रवचन सुबह 8:30 बजे से वर्धमान कॉलोनी के जैन मंदिर में प्रतिदिन हो रहे हैं। आहारचर्या भी वर्धमान कॉलोनी में संपन्न हो रही है।

'एक राष्ट्र एक चुनाव' विषय पर विचार संगोष्ठी का आयोजन माना कैम्प में किया गया

रायपुर (विश्व परिवार)। दिनांक 07/05/2025 को 'एक राष्ट्र एक चुनाव' विषय पर रायपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के माना मण्डल अंतर्गत नगर पंचायत स्तरीय विचार संगोष्ठी का आयोजन बंग हिन्दू समाज माना नगर पंचायत के बैनर तले विवेकानंद क्लब नगर माना कैंप में किया गया। जिसमे सभी बंग समुदाय के लोगो ने एक मत होकर एक देश एक चुनाव के बारे में गहन चर्चा किया और एक देश एक चुनाव को अति शीघ्र लागू करने के लिए माननीय विधायक जी से निवेदन किया।

ऑपरेशन सिंदूर पर छत्तीसगढ़ सिख समाज ने भारतीय सेना और प्रधानमंत्री को किया सैल्यूट

रायपुर (विश्व परिवार)। पहलगाम हमले में आतंकवादियों द्वारा भारत की 26 महिलाओं का सिंदूर मिटाए जाने की घटना से नाराज भारतीय सेना द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देश पर ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से पाकिस्तान में घुसकर आतंकी ठिकानों को ठिकाने लगाने की घटना पर खुशी व्यक्त करने छत्तीसगढ़ सिख समाज द्वारा गौरव पथ मुख्यमंत्री निवास के पास शहीद भगत सिंह चौक पर पहलगाम के 26 परिवारों की महिलाओं के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया। शहीद भगत सिंह चौक रायपुर में छत्तीसगढ़ सिख समाज द्वारा भारत की सेवा द्वारा पाकिस्तान में किए गए सर्जिकल स्ट्राइक की खुशी में समाज के लोग एकत्रित हुए सभी ने तिरंगा झंडा लेकर भारत माता की जय, भारतीय सैनिकों की जय किनारे लगाते हुए भारतीय सेना एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना करते हुए ढोल नगाड़े के साथ खुशियां व्यक्त की, मिठाई बाटी गई, पाकिस्तान के खिलाफ नारेबाजी की। छत्तीसगढ़ सिख समाज ने भारतीय सैनिकों की इस शौर्य की कार्यवाही के लिए उनका अभिवादन एवं उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष अमरजीत सिंह छाबड़ा सहित समाज के लोगों ने पंजाबी ढोल पर भांगड़ा करते हुए खुशियां व्यक्ति की।

संवेदना हृदय को रसदार बनाती है, तो असंवेदना हृदय को क्रूर बनाती है : मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज

अवधपुरी (विश्व परिवार)। संवेदना हृदय को रसदार बनाती है, तो असंवेदना हृदय को क्रूर बनाती है। उपरोक्त उदगार मुनि श्री प्रमाण सागर जी महाराज ने विद्यासागर प्रवंध संस्थान अवधपुरी में असंवेदनशीलता पर विचार प्रकट करते हुये व्यक्त किये। प्रवक्ता अविनाश जैन ने बताया मुनि श्री के प्रवचन प्रतिदिन 8:35 से चल रहे है तथा उनके प्रवचनों का शत साहित्य प्रवंध संस्थान में स्टाल पर उपल्ब्ध है। मुनि श्री ने कहा संवेदना हृदय को रसदार बनाती है, तो असंवेदना हृदय को क्रूर बनाती है। उपरोक्त उदगार मुनि श्री प्रमाण सागर महाराज ने विद्यासागर प्रवंध संस्थान अवधपुरी में असंवेदनशीलता पर विचार प्रकट करते हुये व्यक्त किये

मुनि श्री ने कहा वर्तमान समय में व्यक्ती स्वार्थ, मोह, अहंकार तथा भौतिकतावाद से ग्रसित है, तथा असंवेदनशीलता के कारण उसकी आंखों का पानी भी सूख गया है, जैसे सूखी धरती पर अंकुर नहीं फूटता उसी प्रकार शुष्क हृदय में कभी संवेदना जाग्रत नहीं हो सकती, उसके परिणाम स्वरूप व्यक्ति समाज से दूर होकर मानसिक तनाव से ग्रसित हो, अपने कर्त्तव्य से विमुख हो रहा है, मुनि श्री ने कुछ घटनाओं की ओर समाज का ध्यान आकृषित करते हुये कहा कि कोई मां अपने बच्चे को जन्म देकर कैसै झाड़ी में फैक सकती है? कैसै कोई बेटा अपने माता पिता को वृद्धावस्था में बे सहारा छोड़ सकता है? कोई सड़क पर हुये हादसे में घायल व्यक्तिओं की वी.डी.ओ तो बना सकता है लेकिन उसे अस्पताल नहीं पहुंचा सकता? मुनि श्री ने कहा कि जंहा संवेदना आंखों में पानी भरती है, वंही असंवेदन व्यक्ति की आंखों का पानी सूख जाता है, उन्होंने कहा किअपने कष्टों में तो सभी आंसू बहा लेते है, जो औरों के कष्टों में आंसू वहाता है, वह धर्मध्यान कर पाता है, दुसरों के दुख में दुखी होंना व्यथा की अभिव्यक्ति है, वंही अपने कर्तव्य का पालन करना, वुजुर्गो की सेवा करना भी एक साधना है, मुनि श्री ने कहा कि व्यक्ती कर्तव्य विमुखता के कारण उदासीन होता रहा है, वह स्वंय के प्रति अपने बच्चों के प्रति परिवार के प्रति, समाज तथा राष्ट्र के प्रति भी संवेदन हीन हो गया है और इसी संवेदनहीनता के कारण आंतकवाद और वलात्कार जैसी घटनाएं घट रही है, छोटा भाई समर्थ होते हुये भी उसके पिता समान बड़े भाई तथा मां समान भाभी को दूसरों के सामने हाथ जोड़ना पड़ रहे है, यदि बड़े भाई को बीमारी के कारण दूसरों के सामने हाथ फैलाना पड़े तो इससे बड़ी शर्मिंदगी और क्या बात हो सकती है? योग्य बेटा बहु के होते हुये माता पिता वृद्धाश्रम में अपने दिन विता रहे ऐसी कयी घटनाएं आये दिन समाज में घट रही है। मुनि श्री ने कहा कि ऐसा भी नहीं है कि सभी लोग असंवेदनशील हो गये हो, जिनके अंदर दया करूणा पलती है, जिनकी आंखों में पानी है ऐसे समाजसेवी संस्थायें भी है जो समाज की सेवा करने में सबसे आगे है उन्होंने भोपाल की ही संस्था श्री विद्याप्रमाण सर्व मंगल भोजन समिति जो कि केंसर हास्पिटल में सैकड़ों लोगों को भोजन उपलब्ध करा रही है का उदाहरण देते हुये कहा कि ऐसी कयी समाज सेवी संस्थायें है जो लोगों के दु:ख में सहयोगी बनकर उनके आंसुओं को पौछने का कार्य कर रही है, जो लोग अपने आपको हाई प्रोफाइल का और बड़ा व्यक्ति मानते है वह प्राय: समाज से कट जाते हैं। -**अविनाश जैन**

भिलाई चरोदा के वार्ड क्र.-6 उमदा में लगाया गया सुशासन तिहार 2025 समाधान शिविर

जिला प्रशासन विभागों के प्रतिनिधियों ने हितग्राहियों को दी उनके आवेदन के निराकरण की जानकारी

भिलाई (विश्व परिवार)। नगर निगम मिलाई-03 चरोदा क्षेत्र में सुशासन तिहार 2025 कार्यक्रम के तीसरे चरण का आज बुधवार दिनांक 07 मई 2025 को शुभारंभ किया गया। छत्तीसगढ़ शासन के निर्देश तथा जिला प्रशासन दुर्ग द्वारा निर्धारित की गयी समय-सारणी के अनुसार भिलाई चरोदा निगम के 40 वार्डों के लिए कुल 04 शिविर आयोजित किये जायेंगे। जिसमें से वार्ड क्र. 01 से लेकर वार्ड 06 तक के लिए उमदा के सामुदायिक भवन में आज समाधान शिविर आयोजित किया गया। इस दौरान पूर्व में 08 अप्रैल से 11 अप्रैल के मध्य प्राप्त हुये आवेदन के निराकरण की स्थिति से आवेदको को अवगत कराया गया।

उमदा समाधान शिविर में महिला बाल विकास विभाग की ओर से मौजूद अमले द्वारा गर्भवती महिलाओं की गोद भराई तथा आंगनबाड़ी कार्यकत्ताओं के द्वारा 06 माह पूर्ण शिशुओं के अन्नप्राशन का कार्य भी संपन्न कराया गया। सभी विभाग के प्रतिनिधियों ने मंच से अपने विभाग से चलायी जा रही योजनाओं की जानकारी से हितग्राहियों को अवगत कराया। वही स्थानीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भिलाई-03 से उपस्थित स्वास्थ्य कर्मचारियों के द्वारा नव विवाहित 03 दंपत्तियों को नयी पहल किट प्रदान किया गया। इसके अलावा शिविर में आये सभी लोगो का स्वास्थ्य परीक्षण रक्तचाप / शुगर चेक करने की कार्यवाही मेडिकल स्टाफ द्वारा की गयी।

परिवहन विभाग क्षेत्रीय कार्यालय दुर्ग के द्वारा शिविर में कुल 20 जनों की ड्रायविंग लाईसेंस बनाकर प्रदान किया गया, साथ ही लोक सेवा केन्द्र ऑपरेटर द्वारा 03 नये आधार पंजीयन एवं 28 आधार अपडेट करने की कार्यवाही की गयी। आज शिविर में शासकीय आयुर्वेद औषधालय भिलाई-03 के द्वारा 17 मरीजों को नि:शुल्क आयुर्वेदिक औषधि/दवा का वितरण भी किया गया। निगम आयुक्त डी.एस. राजपूत, अनुविभागीय दंडाधिकारी महेश सिंह राजपूत, तहसीलदार भिलाई-03 चन्द्रशेखर कंवर के साथ निगम का सम्पूर्ण स्टाफ शिविर में उपस्थित रहा। जल संसाधन विभाग, राजस्व विभाग, लोक निर्माण विभाग, शिक्षा विभाग, नगर तथा ग्राम निवेश, खनिज विभाग, विद्युत विभाग, आयुष्मान विभाग, श्रम विभाग, वन विभाग एवं आबकारी विभाग के प्रतिनिधिगण शिविर में उपस्थित रहे। इसके पश्चात् समाधान शिविर 14/05/2025 को मंगल भवन भिलाई-03 में आयोजित किया जायेगा। जिसमें वार्ड-07 से वार्ड-18 के प्राप्त आवेदनों के निराकरण की जानकारी प्रदान की जायेगी।

संवाद से जन समस्या का समाधान, यही है सुशासन तिहार

जनपद पंचायत अध्यक्ष गंगा राम भगत ने ग्रामीणों से संवाद कर समस्याओं का किया निराकरण

जशपुर (विश्व परिवार)। मंगलवार को लोदाम में सुशासन तिहार के अंतर्गत समाधान शिविर लगाया गया था। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में जनपद पंचायत जशपुर अध्यक्ष गंगा राम भगत पहुंचे। वहाँ ग्रामीणों से संवाद करते हुए समस्याओं को सुना और उनका निराकरण किया। साथ ही योजनाओं के क्रियान्वयन और लाभ के संबंध में आमजनों से संवाद किया और प्रतिक्रियाएं भी ली।

इस अवसर पर नागरिकों को सभी ज़िलों में सुशासन तिहार के अंतर्गत चल रहे कार्यक्रम की जानकारी दी। साथ ही, उपस्थित जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों व ग्रामीणों से सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और क्रियान्वयन का फीडबैक भी प्राप्त किया।

गंगा राम भगत ने पूर्व में आवेदन किए हुये हितग्राहियों को उनका समाधान भी किया। और ग्रामीणों और हितग्राहियों से कहा कि किसी को किसी भी तरह की समस्या होती है तो वे अपने स्थानीय जनप्रतिनिधियो से या अधिकारियों से कहे और आवेदन भी दे ताकि उनकी समस्याओं का समाधान हो सकें। उन्होंने आगे कहा कि मैं शासन प्रशासन से भी अपील करता हूं कि वे ग्रामीणों का सहयोग करते हुए समस्याओं का तुरन्त कारवाही करते हुए उनको हल करे।

संजय गुप्ता ने ग्रामीणों से कहा कि किसी भी तरह की समस्या हो या शासन की योजनाओं का लाभ यदि नहीं मिल रहा है तो वे जनप्रतिनिधियो से या अधिकारियों से बताए तभी समस्या का निराकरण होगा।

कार्यक्रम भाजपा मंडल अध्यक्ष ग्रामीण नेहरू सिंह भाजपा ओबीसी मोर्चा जिला उपाध्यक्ष संजय गुप्ता, जनपद सदस्य नजमुद्दीन खान, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व प्रशांत कुमार कुशवाहा, तहसीलदार श्रीमती जय श्री पाथे, जनपद पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी लोकहित भगत, भाजपा जिला सह मीडिया प्रभारी दीपक सिंह, राजू सिंह और समस्त ग्रामीणों की उपस्थिति में संपन्न हुआ।

अवैध कब्जे तथा शासकीय भूमि में झोपड़ी बना कर किये कब्जे को बेदखल किया गया

भिलाईनगर (विश्व परिवार)। सुशासन तिहार में दर्ज शिकायत नाला के उपर तार जाली लगाकर किये गये अवैध कब्जे तथा शासकीय भूमि में झोपडी बना कर किये कब्जे को जे.सी.बी. से बेदखल किया गया।

शासन की महत्वकांक्षी योजना सुशासन तिहार में वार्ड 23 धासीदास नगर हाऊसिंग बोर्ड बुद्ध विहार से सुर्य कुण्ड तक नाले के उपर वहा के रहवासियो द्वारा तार तथा लोहे की जाली लगा कर अवैध कब्जा किया गया था. जोन दो के सहायक राजस्व अधिकारी शरद दुबे ने जानकारी देते हुए बताया कि निगम आयुक्त राजीव पाण्डेय के निर्देश पर तथा जोन आयुक्त यशा लहरे के अनुमोदन पश्चात नाले के उपर के अवैध कब्धारियो को नोटिस देकर पर्याप्त अवसर प्रदान करते हुए बुधवार को नाले के उपर किये अवैध कब्जे को जे. सी. बी. से हटाया गया. इसी प्रकार सुन्दर विहार कालोनी शिवधाम के पास कुरूद में शासकीय भूमि आम रास्ते को झोपडी बना कर बाधित किये जाने कि कलेक्टर जनदर्शन में दर्ज शिकायत के आधार पर झोपडी को ध्वस्त कर रास्ता खोला गया. सम्पूर्ण कार्यवाही में नागरिक का भरपुर सहयोग रहा है।

कार्यवाही के दौरान पार्षद पियुष मिश्रा, सहायक राजस्व अधिकारी शरद दुबे, तोडफोड प्रभारी हरिओम गुप्ता, अंजनी सिंह, वार्ड प्रभारी कृष्ण कुमार सुपैत, हरि ताम्रकार, कार्तिक, प्रतीक तिवारी, मंगल कुर्रे, राजेंद्र सिंह आदि उपस्थित थे।

महापौर बाघमार ने निगम में रिफ्यूज कंपैक्टर मशीन का किया उद्घाटन, हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

दुर्ग (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम, महापौर श्रीमती अलका बाघमार द्वारा आज आयुक्त सुमित अग्रवाल, प्रभारी ज्ञानेश्वर ताम्रकर,नरेंद्र बंजारे,शेखर चन्द्राकर,नीलेश अग्रवाल के साथ मंगलवार को नगर निगम के रिफ्यूज कंपैक्टर मशीन,ट्रक माउंटेड सक्शन मशीन का उद्घाटन किया. मशीन के उद्घाटन के मौके पर महापौर ने कहा नगर निगम बेहतर काम कर रही है. निगम डोर-टू-डोर कूड़ा उठाने की योजना लाई है.जिसके तहत घर-घर जाकर कूड़ा उठाया जा रहा है बात दे कि जिससे जीरो वेस्ट के आसपास बिखरा नहीं रहेगा. कंपैक्टर मशीन से उसे एक जगह इकट्ठा करके डंपिंग तक पहुंचाया जाएगा.पूर्व में उपलब्ध सक्शन मशीन नगर निगम में जो अभी वर्तमान में है उसे यहां अपग्रेड जेट्टिंग मशीन है जिसमें पानी की भी व्यवस्था मशीन के भीतर मशीन में रखी गई है।जहां प्रेशर से पानी मार के मलबे को तोड़कर , मलबा को घोलकर सेप्टिक टैंक की सफाई और अच्छे तरीके से की जा सकेगी।सक्शन मशीन में ओवर हेड टैंक की सफाई के अलावा बड़ी नालियों से भी जहां रापा वगैरा नही घुसता वहाँ से सक कर निकाला जाएगा।कम्पेक्टर मशीन में 10 गाड़ी के कचरे को कम्प्रेस कर के एक गाड़ी के लायक बनाकर डिस्पोज़ होगा।इस अवसर पर पार्षद देवनारायण तांडी,खालिक रिजवी,सावित्री दमाहे,सजंय अग्रवाल,विजयंत पटेल, सहायक अभियंता आरके जैन, कर्मशाला अधीक्षक शोएब अहमद, सूरज सारथी अन्य मौजूद रहें।

महापौर शशि सिन्हा ने ठेकेदार को दी सीख, कहा- गुणवत्ता पूर्वक कार्य करें

नागरिकों की मांग को पूरा करने दी आश्वासन

रिसाली (विश्व परिवार)। रिसाली महापौर शशि सिन्हा निगम क्षेत्र में होने वाले विकास कार्य का निरीक्षण कर रही है। उन्होंने ठेकेदार को हिदायत दी है कि वे कार्य को मानक अनुरूप करे। उन्होंने वार्ड प्रभारी इंजीनियर को निर्देश दी है कि प्रत्येक कार्य का समय= पर गुणवत्ता जांच करे। वही गड़बड़ी होने पर कार्य सुधार का नोटिस जारी करे।

दरअसल महापौर बुधवार की सुबह मॉर्निंग विजिट की। वे अपने परिषद के सद्स्य संजू नेताम और पार्षद विनय नेताम के साथ बी.आर.पी. कॉलोनी वार्ड 16 का निरीक्षण की। तंग गलियों से लेकर निर्माणधीन और पूर्ण हो चुके विकास कार्य को देखा। महापौर ने पूर्ण हो चुके पेवर ब्लाक लगाने के कार्य का निरीक्षण कर अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्य गुणवत्ता से हुआ है कि नहीं इसकी जांच करे।

नागरिकों से की चर्चा- महापौर शशि ने इस दौरान नागरिकों से चर्चा की। उन्होंने कहा कि पूर्व से सफाई व्यवस्था अच्छी है। मांगो को धीरे-धीरे प्राथमिकता के साथ पूरा करेंगी। महापौर शशि ने आश्वस्त दिया कि हर कार्य को प्राथमिकता में लेकर पूरा किया जाऐगा।

इन कार्यों के लिए आश्वासन- नंदेश्वर मंदिर के पास नाली निर्माण कराया जाएगा। आदिवासी भवन के बाऊंड्रीवाल में ग्रिल लगाया जाएगा। वार्ड16 व उससे लगे हुए वार्डो के लिए जल आपूर्ति हेतु नवीन पानी टंकी के लिए प्रस्ताव शासन को भेजा जाएगा। बोर के पास सामुदायिक भवन में लाइट व पंखा लगाया जाएगा।

मुस्लिम समाज के हित में है वक्फ संशोधन कानून : मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री साय ने वक्फ सुधार जनजागरण कार्यक्रम को किया संबोधित

रायपुर (विश्व परिवार)। वक्फ संशोधन कानून मुस्लिम समाज के खिलाफ नहीं, बल्कि उनके हित में है। हम सभी का सम्मिलित प्रयास और उद्देश्य होना चाहिए कि वक्फ कानून को लेकर समाज में किसी भी प्रकार का भ्रम न फैले। सभी को वास्तविकता को समझना चाहिए और दूसरों को भी इसकी जानकारी देनी चाहिए। वक्फ संशोधन कानून को लेकर देशभर में जनजागरण अभियान चलाया जा रहा है, और इसी कड़ी में आज मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने अपने निवास कार्यालय में आयोजित वक्फ सुधार जनजागरण कार्यक्रम में यह बात कही।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि वक्फ बोर्ड संशोधन अधिनियम मुस्लिम समुदाय के हितों की रक्षा हेतु एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। उन्होंने कहा कि वक्फ बोर्ड का गठन बहुत ही पुनीत उद्देश्य के साथ किया गया था, ताकि मुस्लिम समाज, विशेषकर गरीब वर्ग और पसमांदा मुसलमानों को लाभ मिल सके। लेकिन विगत वर्षों में कुछ रसूखदार लोगों ने इस कानून का लाभ उठाकर अपना स्वार्थ सिद्ध किए, जिससे गरीब मुसलमान अपने अधिकारों से वंचित रह गए। श्री साय ने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 'विकसित भारत' का जो लक्ष्य रखा है, उसे प्राप्त करने में सभी देशवासियों की भूमिका आवश्यक है। यदि कोई भी वर्ग पीछे छूटता है, तो हम अपना संकल्प पूर्ण नहीं कर पाएंगे।

पुरैना में दो करोड़ से होने वाले विकास कार्य का भूमिपूजन

हमारी सरकार जनता के लिए, विकास कार्य जनता को समर्पित : विधायक ललित चंद्राकर

रिसाली (विश्व परिवार)। जनप्रतिनिधियों को जनता चुनती है। उनकी मांगो और समस्याओं को दूर करना हमारी प्राथमिकता है। उक्त बातें उपाध्यक्ष राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण व विधायक दुर्ग ग्रामीण ललित चंद्राकर ने कही। उन्होंने पुरैना में 1 करोड़ 83 लाख 74 हजार से होने वाले विकास कार्य को पुरैना की जनता को समर्पित किया। इस अवसर पर रिसाली महापौर शशि सिन्हा विशेष रूप से उपस्थित थी।

दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने पुरैना के भूमिपूजन कार्यक्रम में कहा कि आवश्यकता के हिसाब से मांग को पूरा किया जाता है। हम जनता की मांग को प्राथमिकता में रख विकास को मूर्त रूप देते है। प्रदेश सरकार जनता के लिए समर्पित है। उद्बोधन से पहले दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने सड़क चौड़ीकरण, नाली निर्माण समेत सामुदायिक भवन निर्माण का भूमिपूजन किया। उन्होंने कहा कि पुरैना में 1 करोड़ 83 लाख 74 हजार से होने वाला विकास कार्य एक विकास के लिए उदाहरण है। इस अवसर पर एनएसपीसीएल के परमार्थ सिन्हा, नेता प्रतिपक्ष शैलेन्द्र साहू, एमआईसी संजू नेताम, पार्षद पार्वती, रंजीता बेनुआ, मण्डल अध्यक्ष राजू जंघेल, लक्ष्मण राव, डी.साई आदि उपस्थित थे। भूमिपूजन कार्यक्रम में अध्यक्षता कर रही रिसाली महापौर शशि सिन्हा ने कहा कि पुरैना के नागरिकों को आज विधायक ने सौगात दी है। रिसाली को विस्तार करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। वे आशा करती है कि उनका आशीर्वाद सब पर बना रहे। दो दिन पूर्व दुर्ग ग्रामीण विधायक ने नगर पालिक निगम रिसाली के पुरैना में आयोजित शिविर में शामिल हुए। तब नागरिकों की मांग पर उन्होंने जगदम्बा चैक में बने मंच में शेड निर्माण की घोषणा की।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

बस्तर संभाग

रायपुर गुरूवार 08 मई 2025

संक्षिप्त समाचार

अवैध शराब का परिवहन करते एक गिरफ्तार

गरियाबंद(विश्व परिवार)। गरियाबंद जिले की राजिम थाना पुलिस ने अवैध रूप से शराब का परिवहन करने वाले एक आरेपी को गिरफ्तार किया गया है तथा उसके कब्जे से 10 लीटर अवैध शराब जब्त किया गया है। बता दें कि नया सवेरा अभियान के अंतर्गत गरियाबंद के वरिष्ठ अधिकारियों के द्वारा अवैध रूप से शराब, गांजा तस्करी व बिक्री पर लगाम लगाने एवं प्रभावि कार्यवाही हेतु समस्त थाना प्रभारियों को दिशा-निर्देश दिये थे। जिसके परिपालन में समस्त थाना प्रभारियों के द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्रों में मुखबीर एवं पेट्रोलिंग सक्रिय किये हुए थे। इसी कड़ी में आज दिनांक 06.05.2025 जरियें मुखबीर से थाना प्रभारी राजिम को सूचना प्राप्त हुआ कि इंडेन गैस गोदाम पितईबंद में एक व्यक्ति अवैध रूप से शराब परिवहन कर रहा है। सूचना पर थाना राजिम से पुलिस टीम रवाना होकर मुखबिर द्वारा बताए गए घटना स्तर पर घेराबंदी कर एक व्यक्ति को पकड़ा गया। नाम पता पूछने पर आरोपी ने अपना नाम श्यामलाल साहू निवासी आमापारा राजिम का होना बताया।

भारतीय सेना की वीरता और देशभक्ति का गौरव है पाकिस्तान में सफल एयर स्ट्राइक : संजय पाण्डे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने एक बार फिर दुनिया को दिखा दिया है कि नया भारत न तो चुप बैठता है और न ही झुकता है

जगदलपुर (विश्व परिवार)। जगदलपुर महापौर संजय पाण्डे ने कहा भारतीय सशस्त्र बलों ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में आतंकवादियों के 9 ठिकानों पर सटीक और प्रभावी एयर स्ट्राइक कर पहलगाम के शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि दी है।उन्होंने कहा जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल 2025 को हुए कायरतापूर्ण आतंकी हमले, जिसमें 26 निर्दोष नागरिकों की जान गई, ने पूरे राष्ट्र को झकझोर दिया था। इस नृशंस हमले के पीछे पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद का काला साया स्पष्ट था। भारतीय वायुसेना ने एक बार फिर अपनी अदम्य शौर्य और देशभक्ति का परिचय देते हुए पाकिस्तान की धरती पर आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक एयर स्ट्राइक को अंजाम दिया है। यह ऑपरेशन न केवल हमारी सेना की सामरिक कुशलता का प्रतीक है, बल्कि भारत की संप्रभुता और सुरक्षा के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता का भी जीवंत प्रमाण है। हमारे वीर जवानों ने अथक साहस और पराक्रम के साथ आतंकवाद के गढ़ों को नेस्तनाबूद कर देश के शत्रुओं को स्पष्ट संदेश दिया है कि भारत अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए कड़े से कड़ा कदम उठा सकता है। ऑपरेशन सिंदूर राष्ट्र की एकता, अखंडता और गौरव को समर्पित एक ऐतिहासिक कदम है, जो हर भारतीय के हृदय में देशभक्ति की ज्वाला को और प्रज्वलित करता है। श्री पाण्डे ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने एक बार फिर दुनिया को दिखा दिया है कि नया भारत न तो चुप बैठता है और न ही झुकता है। हमारे सशस्त्र बलों ने अपनी वीरता से यह संदेश दिया है कि भारत की संप्रभुता और नागरिकों की सुरक्षा के साथ कोई समझौता नहीं होगा। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल के मार्गदर्शन में यह ऑपरेशन न केवल सैन्य शक्ति का प्रदर्शन है, बल्कि भारत के 140 करोड़ नागरिकों के संकल्प और एकजुटता का प्रतीक भी है।

सुशासन तिहार में राशन कार्ड में जुड़ा ललिता का नाम

सुकमा(विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के कुशल नेतृत्व में संचालित सुशासन तिहार अभियान, शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को ज़रूरतमंदों तक पारदर्शिता के साथ और त्वरित प्रक्रिया के माध्यम से पहुँचाने में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रहा है। कलेक्टर श्री देवेश कुमार ध्रुव के निर्देशन और मार्गदर्शन में सुशासन तिहार के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों का संबंधित विभागों द्वारा तत्परता से निराकरण किया जा रहा है। इसी क्रम में सुशासन तिहार अंतर्गत नगर पालिका सुकमा निवासी श्रीमती ललिता बेहरा पति श्री संजय बेहरा के द्वारा राशन कार्ड में नाम जोड़ने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया था। जिसे तत्काल सीएमओ श्री पीआर कोर्राम के द्वारा संबंधित विभाग को प्रेषित किया गया था। पत्रतानुसार आवेदक को बुलाकर राशन कार्ड में नाम जोड़कर नवीन राशन कार्ड प्रदान किया गया।

नगर में जश्न का माहौल, तिरंगा चौक पर जोरदार आतिशबाजी

गरियाबंद (विश्व परिवार)। 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए कायराना आतंकी हमले में 26 निर्दोष नागरिकों की नृशंस हत्या ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था। इस दर्दनाक घटना ने हर भारतीय के दिल को चोट पहुंचाई थी, लेकिन अब देश ने इसका करारा जवाब दिया है। भारतीय सशस्त्र बलों ने सोमवार देर रात 1:44 बजे ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान-अधिकृत कश्मीर (क्क्च्य) में मौजूद 9 आतंकी ठिकानों पर सटीक हमले कर उन्हें ध्वस्त कर दिया।

इस साहसी सैन्य कार्रवाई के बाद पूरे देश में गर्व और सम्मान का भाव उमड़ पड़ा, और गरियाबंद भी इससे अछूता नहीं रहा। मंगलवार को तिरंगा चौक पर देशभक्ति की लहर देखने को मिली, जब सैकड़ों नागरिक एकत्र होकर भारत माता के जयघोष करने लगे। उन्होंने जोरदार आतिशबाजी की, मिठाइयाँ बाँटी और सेना की वीरता को नमन किया।

पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष गफ्फू मेमन ने किया। उन्होंने हाथ में तिरंगा लेकर युवाओं और वरिष्ठ नागरिकों के साथ देश

के वीर जवानों को श्रद्धा और सम्मान अर्पित किया।

उन्होंने आगे कहा ये सिर्फ एक सैन्य कार्रवाई नहीं थी, ये न्याय का प्रहार था। उन 26 परिवारों की चीख, उन मासूम बच्चों की सिसकी और उन विधवाओं के माथे से मिटा सिंदूर अब सिर्फ आँसू नहीं रह गए थे—वे एक बदले की आग बन चुके थे। और भारत ने दिखा दिया कि वो आग अब बुझती नहीं, वह दहाड़ बनकर दुश्मन के घर में घुसती है। पहले का भारत शायद सोचता था, अब का भारत सिर्फ सोचता नहीं—एक्शन करता है। 'ऑपरेशन सिंदूर' ने सिर्फ आतंकी ठिकानों को नहीं उड़ाया, उसने आतंकवादियों के मनोबल को नेस्तनाबूद कर दिया। बहावलपुर, मुरीदके, मुजफ्फराबाद जैसे नाम अब सिर्फ जगहें नहीं, बर्बादी की गवाही हैं। भारतीय सेना को, उसके हर जवान को, गरियाबंद की जनता की तरफ से शत-शत नमन।

प्रेस क्लब अध्यक्ष ज्ञानेश तिवारी ने भी इस अवसर पर कहा आज हमें गर्व है कि हम उस देश में रहते हैं, जिसकी सेना दुश्मन को उसके घर में घुसकर सबक सिखाती है। 'ऑपरेशन सिंदूर' के जवाबी प्रहार ने सिर्फ आतंकियों के ढांचों को नहीं तोड़ा, उसने हर भारतीय के दिल में छिपे डर को मिटाया और गर्व को पुनर्जीवित किया।

इस आयोजन में बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक ने हिस्सा लिया। बच्चों ने हाथ में तिरंगा लेकर भारत माता के चित्र बनाए, युवाओं ने भारत माता की जय के नारे लगाए, और महिलाओं ने दीप जलाकर शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

उपस्थित गणमान्य व्यक्ति: पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष अब्दुल गफ्फार मेमन, भाजपा मंडल अध्यक्ष सुमित पारख, नगर पालिका उपाध्याय आसिफ मेमन, चेंबर अध्यक्ष प्रकाश चंद रोहरा, किराना व्यापारी संघ अध्यक्ष हरीश ठक्कर, जनरल व्यापारी संघ अध्यक्ष अजय दासवानी, पूर्व उपाध्यक्ष सुरेन्द्र सोनटेके, सभापति सूरज सिन्हा, पार्षद छगन यादव, पुष्पा साहू, मधु देवांगन, ज्ञानेश तिवारी, ललित पारख, लीलेश पारख, मनीष पारख, सागर मयाणी, विष्णु मरकाम, दीपक सर्वैय्या, नितेश ठक्कर, विकास रोहरा, प्रदीप लांबे, मुकेश मिश्रा, अमित ठक्कर, सलीम मेमन, अमित वखारिया, प्रकाश सोनी, प्रहलाद यादव सहित बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित थे।

उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व में वन्यजीव गणना पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

गरियाबंद (विश्व परिवार)। उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व के इको सेंटर कोयबा में बाघ और शाकाहारी जानवरों की गणना के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) के फील्ड बायोलॉजिस्ट श्री अनिल दशहरे ने लगभग 150 फील्ड स्टाफ को वन्यजीव गणना की तकनीकों पर प्रशिक्षण दिया। उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व को एनटीसीए द्वारा मध्य प्रदेश से 2 मादा और 1 नर बाघ को स्थानांतरित करने की अनुमति मिल गई है। इससे रिजर्व में बाघों की संख्या बढ़ाने और उनके संरक्षण में मदद मिलेगी। हाल ही में रिजर्व में बाघों की उपस्थिति के प्रमाण मिले हैं, जिसमें 10 दिन पहले 2 अलग-अलग बाघों के पगमार्क और 2 शिकार

किए गए मवेशी शामिल हैं। फ्लिहाल, बाघों की ट्रैकिंग की जा रही है।

प्रशिक्षण का उद्देश्य- प्रशिक्षण का उद्देश्य फील्ड स्टाफ को गश्त के दौरान बाघ, तेंदुआ जैसे कार्निवोर और हाथी, गौर जैसे बड़े शाकाहारी जानवरों की पहचान और गणना में मदद करना है। यह प्रशिक्षण मल, पदचिह्न, ट्रैप कैमरा फोटो आदि से उनकी उपस्थिति और संख्या का सटीक आकलन करने में सहायक होगा। इस कार्यक्रम में उप निदेशक वरुण जैन, एसडीओ गोपाल कश्यप, रेंजर डीएन सोनी, प्रतिभा मेशराम, शैलेश बघेल, अमर सिंह ठाकुर, केजूराम कोरचे, सुशील सागर और चंद्रबली ध्रुव के साथ कंप्यूटर ऑपरेटर लाल बहादुर भीलेपरिया और पेट्रोलिंग स्टाफ भी शामिल रहे।

सुशासन तिहारी किसान गनपत सिन्हा के लिए हुआ लाभकारी साबित

राजनांदगांव(विश्व परिवार)। सुशासन तिहारी के अंतर्गत समाधान शिविर में नि:शुल्क नया किसान किबात बनने पर किसान श्री गनपत सिन्हा के लिए लाभकारी साबित हुआ। सुशासन तिहार 2025 के अंतर्गत आज ग्राम विचारपुर नवागांव में आयोजित समाधान शिविर किया गया। समाधान शिविर में पहुंचे ग्राम तेंन्दूनाला के किसान श्री गनपत सिंन्हा के पुत्र श्री भीषम सिन्हा ने बताया कि ऋण पुस्तिका नया बनवाए है। किसान किताब बनने पर श्री भीषम सिन्हा ने खुशी जाहिर की। पुराना किसान किताब बहुत पुराना होने के कारण उपयोग में नहीं ला पा रहे थे, जिससे बहुत कठिनायों का सामना करना पड़ रहा था। नया किसान किताब बनाने के लिए कई बार आवेदन किया था, लेकिन नहीं बन पा रहा था। श्री भीषम ने बताया कि सुशासन तिहार की जानकारी गांव में मुनादी द्वारा मिलने पर उन्होंने शीघ्र पंचायत में जाकर नया किसान किताब बनाने के लिए आवेदन किया और नि:शुल्क नया किसान किताब बन गया। नया किसान किताब के लिए किसी प्रकार की राशि भी नहीं लगा है। श्री भीषम ने कहा कि सुशासन तिहार बहुत मददगार साबित हुआ है। इसके लिए उन्होंने शासन-प्रशासन को सुशासन तिहार के अंतर्गत समाधान शिविर आयोजित करने के लिए आभार व्यक्त किया। किसान श्री भीषम सिन्हा ने कहा कि सुशासन तिहार के अंतर्गत समाधान शिविर सभी किसानों के लिए बहुत अच्छा है। उनके आवेदनों का त्वरित निराकरण किया गया है। इसके साथ ही विभिन्न विभागों से बहुत सारी योजनाओं की जानकारी मिली है। श्री भीषम ने बताया कि कृषि विभाग की योजनाओं का लाभ लेते हुए कृषि कार्य करते है। जिससे उनकी फसल का अच्छा उत्पादन होता है। समय-समय पर कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा दिशा-निर्देश दिया जाता है। खाद-बीज के संबंध में जानकारी दी जाती है।

बस्तर में जनता के 1.88 लाख प्राप्त आवेदनों का निराकरण हुआ ही नहीं, फिर कहां है सुशासन - सुशील मौर्य

सुशासन तिहार से कोई लाभ नहीं,सिर्फऔर सिर्फसांय सरकार का ढकोसला जनता को कर रही दिग्भ्रमित...

जगदलपुर (विश्व परिवार)। बस्तर जिला कांग्रेस कमेटी शहर अध्यक्ष सुशील मौर्य ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि सुशासन तिहार सिर्फ ढकोसला है,जनता को इससे कोई लाभ नहीं मिलने वाला है।बस्तर जिले में सुशासन तिहार 2025 के तहत 1.88 लाख से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं। जिनका आज पर्यंत तक निराकरण नहीं हुआ है वहीं नगरीय निकाय चुनाव को देखते हुए जगदलपुर भारतीय जनता पार्टी की नगर निगम सरकार द्वारा जनसमस्या निवारण शिविर केंद्र शहर के समस्त वार्डो में खोला गया था, आज तक उन आवेदनों का कोई भी निराकरण नहीं हुआ आखिर इनका निराकरण कब होगा !..आखिर इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा..!!जब प्रथम और द्वितीय चरणों के आवेदनों का निराकरण नहीं हुआ है तो फिर सुशासन तिहार के तीसरे चरण में कैसे निवाकरण होगा..!ऐसे में कैसे सुशासन आएगा..!युवा, किसान, व्यापारी, महिलाएं,छात्र,युवा,हर वर्ग हताश और परेशान है उनकी परेशानी का समाधान यह सरकार नहीं कर पा रही है..बस्तर जिले में आए दिन बिजली बंद,बिजली कटौती से आम जनता परेशान है,कुल मिलाकर भाजपा की सांय सरकार सिर्फ जनता को दिग्भर्मित करने का

कार्य कर रही है।

वही भाजपा के सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने बढ़ते अपराध, यातायात समस्या, शिक्षक भर्ती और लचर स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को पत्र लिखे हैं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय अपने सांसद के पत्र का ही निराकरण नहीं कर पा रहे हैं..तो आम जनता का निराकारण कहां से होगा..!!इसके पहले मुख्यमंत्री जनदर्शन कार्यक्रम में 75,000 से अधिक आवेदन आया था। जिसका आज तक निराकरण नहीं हुआ है। ऐसे में फिर कहां है सुशासन ?ऐसे में सुशासन तिहार के तीसरे चरण का कोई मतलब नहीं है। प्रदेश की जनता भाजपा सरकार के डेढ़ साल के कार्यकाल से हताश और परेशान हो गई है। प्रत्येक वर्ग अपनी समस्याओं को लेकर दफ्तरों के चक्कर लगा रहे हैं और जिम्मेदार तिहार मना रहे हैं।

श्री मौर्य ने कहा कि भाजपा की सरकार बनने के बाद प्रदेश में सारी व्यवस्थाएं चरमरा गई है। अब तक 50 हजार करोड़ का कर्ज लिया जा चुका है।बिजली कटौती, पेयजल की समस्या, शिक्षकों की कमी,युवा रोजगार के लिए भटक रहे हैं,व्यापारी अनियमित जीएसटी से परेशान है।प्रदेश में मात्र 33 प्रतिशत स्टील उद्योग चल रहे हैं बांकी महंगी बिजली एवं प्रशासनिक अराजकता के चलते बंद हो गए है।अनियमित कर्मचारी, दिव्यांगजन वादाखिलाफी से त्रस्त है। नया 18 लाख प्रधानमंत्री आवास में से एक भी आवास स्वीकृत नहीं हो पाया है। 500 रू. में गैस सिलेंडर का वादा जुमला निकला। प्रधानमंत्री आवास को तोड़ा जा रहा है।अवैध शराब की बिक्री जोरों पर है,परिवहन विभाग की वसूली से ट्रांसपोर्टर वाहन चालक त्रस्त है। रोज नए नियम लागू करके जनता को परेशान किया जा रहा है। क्या यही सुशासन है? शहर कांग्रेस अध्यक्ष सुशील मौर्य ने आगे कहा कि भाजपा की सरकार बनने के बाद सिर्फ भाजपा नेताओं के लिए सुशासन है कमीशन खोरी और भ्रष्टाचार जोरों पर है। कोई ऐसा विभाग नहीं बचा है जहां भाजपा के बिचौलिया न हो। डेढ़ साल में सड़क का मरम्मत नहीं हो पाया, स्कूलों के बिल्डिंग ध्वस्त हो रही है, अस्पतालों में दवाइयां नहीं है, जांच मशीने खराब पड़ी है। आयुष्मान का भुगतान रोके जाने से निजी अस्पताल इलाज में बहानेबाजी करके मरीजों को लौटा रहे है। मरीज इलाज के लिए भटक रहे, महतारी वंदन योजना में नाम काटा जा रहा है, रेडी टू ईट को महिला स्वास्थ्य समूह को देने की घोषणा की गई थी लेकिन वह सिर्फ घोषणा ही साबित हुई है,भाजपा सरकार पूरी तरह असफल साबित हो गई है।

सुशासन तिहार के अंतर्गत 'समस्या का समाधान शिविर' का सफल आयोजन सांसद महेश कश्यप एवं विधायक विनायक गोयल द्वारा...

जगदलपुर (विश्व परिवार)। ग्राम पंचायत छापर भानपुरी में सुशासन तिहार के अंतर्गत समस्या का समाधान शिविर का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर बस्तर सांसद श्री महेश कश्यप एवं जगदलपुर विधायक श्री विनायक गोयल की गरिमामयी उपस्थिति रही।

शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया और ग्रामीणजनों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुनते हुए, अधिकांश समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया गया।

स्वास्थ्य, कृषि, राजस्व, पंचायत, विद्युत, महिला एवं बाल विकास, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति सहित कई विभागों ने सक्रिय भूमिका निभाई। यह शिविर केवल समस्या-निवारण तक सीमित नहीं रहा, बल्कि जरूरतमंदों को आवश्यक सामग्री का वितरण भी किया गया। बच्चों को जाति निवास प्रमाण पत्र का वितरण

भूमिहीन ग्रामीणों को भूमि पट्टा प्रदान पात्र हितग्राहियों को राशन कार्ड मछुआरों को मछली पकड़ने का जाल महिलाओं और बच्चों को पोषण सामग्री एवं अन्य आवश्यक वस्तुएँ

इस शिविर में ग्रामीणों की उत्साहजनक भागीदारी देखने को मिली। आमजन ने सरकार की इस जनोन्मुखी पहल की खुले मन से सराहना की। यह शिविर जनकल्याण, सेवा और सुशासन की दिशा में एक सार्थक एवं महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हुआ।

इस अवसर पर बस्तर सांसद महेश कश्यप जी, चित्रकोट विधायक विनायक गोयल जी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष बलदेव मण्डावी जी, जिला पंचायत सदस्य कामदेव बघेल जी, सुश्री पदमनी कश्यप जी, जनपद अध्यक्ष श्रीमती रामबती भण्डारी जी, उपाध्यक्ष रितेश दास जोशी जी, पूर्व जिला पंचायत सदस्य रैतुराम बघेल जी, जिला मंत्री बाबुल नाग जी, मण्डल अध्यक्ष सोमारू राम कश्यप जी, सरपंच श्रीमती दशमी कश्यप जी, मुन्ना कश्यप, जिवनाथ मौर्य, शिव सूर्यवंशी, एवं अन्य जनप्रतिनिधि, विभागीय अधिकारी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

समाधान शिविरों में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करें-कलेक्टर देवेश कुमार

सुकमा(विश्व परिवार)। कलेक्टर श्री देवेश कुमार ध्रुव ने समय-सीमा की बैठक में अधिकारियों को समाधान शिविरों के आयोजन को लेकर सख्त निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सभी विभाग अनिवार्य रूप से शिविर स्थल पर स्टॉल लगाएं और उपस्थित रहें। साथ ही सभी योजनाओं की जानकारी पंपलेट के माध्यम से वितरित की जाए। कलेक्टर ने कहा कि शिविरों में प्राप्त आवेदनों का गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने सुशासन तिहार में प्राप्त आवेदनों की विभागवार विस्तृत समीक्षा की और संबंधित विभागों को निर्धारित समय सीमा में निराकरण के निर्देश दिए। विशेष रूप से विद्युत, पेयजल, कृषि और राजस्व जैसे विभागों को प्राथमिकता के साथ कार्य करने को कहा गया है। मुख्यमंत्री जनदर्शन के तहत प्राप्त आवेदनों के त्वरित निराकरण के भी निर्देश दिए गए।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

खेल-व्यापार

रायपुर गुरूवार 08 मई 2025

व्यापार समाचार

भारत 2025 में बनेगा दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत की जीडीपी 2025 में जापान को पछाड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगी। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की ओर से जारी किए गए वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक अप्रैल 2025 में यह जानकारी दी गई। रिपोर्ट में बताया कि 2025 में भारत की नॉमिनल जीडीपी बढ़कर 4,187.017 अरब डॉलर हो जाएगी। वहीं, जापान की जीडीपी का आकार 4,186.431 अरब डॉलर रहने का अनुमान है। भारत मौजूदा समय में दुनिया की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। जीडीपी में अमेरिका, चीन, जर्मनी और जापान, भारत से आगे हैं। आईएमएफ के अनुमानों के अनुसार, आने वाले वर्षों में भारत जर्मनी को पछाड़कर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भी बन सकता है। 2027 तक भारत की अर्थव्यवस्था 5 ट्रिलियन डॉलर के आंकड़े को पार कर सकती है और इस दौरान जीडीपी का आकार 5,069.47 अरब डॉलर रहने का अनुमान है। वहीं, 2028 तक भारत की जीडीपी का आकार 5,584.476 अरब डॉलर होगा, जबकि इस दौरान जर्मनी की जीडीपी का आकार 5,251.928 अरब डॉलर रहने का अनुमान है। आईएमएफ के अनुमानों में कहा गया कि दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं अमेरिका और चीन 2025 के साथ आने वाले करीब एक दशक तक अपनी रैंकिंग बरकरार रख सकते हैं। आईएमएफ ने 2025 के लिए भारत की जीडीपी विकास दर को घटाकर 6.2 प्रतिशत कर दिया है। इससे पहले जनवरी आउटलुक रिपोर्ट में यह आंकड़ा 6.5 प्रतिशत पर था रिपोर्ट में बताया गया कि विकास दर में कमी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से लगाए गए टैरिफ की अनिश्चितताओं के कारण है। आईएमएफ की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत दुनिया की सबसे तेज बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था बनी हुई है। अगले दो वर्षों में दुनिया की एकमात्र बड़ी अर्थव्यवस्था होगी, जो कि 6 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। आईएमएफ की मुख्य अर्थशास्त्री गीता गोपीनाथ ने कहा, हमारे अप्रैल 2025 के वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक में 2.8 प्रतिशत की कमजोर वैश्विक वृद्धि का अनुमान लगाया गया है, जिसमें 127 देशों की वृद्धि दर में गिरावट शामिल है, जो विश्व जीडीपी का 86 प्रतिशत है।

वैश्विक स्तर पर मिलेजुले संकेतों से सपाट खुला शेयर बाजार

मुंबई(एजेंसी) । मिलेजुले वैश्विक संकेतों के कारण भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को सपाट खुला। सुबह 9ः32 पर सेंसेक्स 13 अंक की मामूली गिरावट के साथ 80,783 और निफ्टी 3 अंक की बढ़त के साथ 24,467 पर था। लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी सपाट कारोबार हो रहा है। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 21 अंक या 0.04 प्रतिशत की गिरावट के साथ 54,653 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 14 अंक या 0.08 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 16,595 पर था। शुरुआती सत्र में ऑटो, आईटी, एफएमसीजी, मेटल, एनर्जी और इन्फ्रा इंडेक्स हरे निशान में कारोबार हो रहे थे पीएसयू बैंक, फार्मा, रियल्टी, मीडिया और प्राइवेट बैंक इंडेक्स लाल निशान में थे। सेंसेक्स पैक में एमएंडएम, भारती एयरटेल, बजाज फिनसर्व, एचयूएल, नेस्ले, टाटा स्टील, एक्सिस बैंक, एचयूएल, एलएंडटी, इंडसइंड बैंक और आईटीसी टॉप गेनर्स थे। सन फार्मा, टाटा मोटर्स, टाइटन, इटरनल (जोमैटो), एसबीआई, टीसीएस, बजाज फाइनेंस और अल्ट्राटेक सीमेंट टॉप लूजर्स थे। चॉइस ब्रोकिंग के इक्विटी रिसर्च एनालिस्ट मंदार भोजने ने कहा कि तकनीकी मोर्चे पर निफ्टी 50 कंसोलिडेशन जोन में है। अगर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का बेंचमार्क 24,500 से ऊपर निकलता है तो इसमें 24,700 और 24,800 के स्तर देखने को मिल सकते हैं। गिरावट की स्थिति में निफ्टी के लिए 24,200 और 24,000 सपोर्ट जोन है जहां ट्रेडर्स को गिरावट पर खरीदारी के अवसर मिल सकते हैं। ज्यादातर एशियाई बाजारों में तेजी के साथ कारोबार हो रहा है। अमेरिकी-चीन के बीच व्यापार वार्ता को लेकर सकारात्मक अपडेट आने से शंघाई और हांगकांग के बाजारों में तेजी है। टोक्यो और सोल के बाजार अवकाश होने के कारण बंद हैं। अमेरिकी बाजार सोमवार को गिरावट के साथ बंद हुए। एफआईआई ने 5 मई को 497 करोड़ रुपए के इक्विटी निवेश के साथ अपनी खरीदारी का सिलसिला जारी रखा, जबकि डीआईआई मजबूत खरीदार बने रहे, जिन्होंने 2,788 करोड़ रुपये का निवेश किया।

'शिव शक्ति' में शिव जी की पुत्री मनसा देवी का आगमन हुआ, और लंबे समय से दबी सच्चाईयां उजागर होंगे

कलर्स के 'शिव शक्ति - तप त्याग तांडव' में महादेव की दिव्य यात्रा के कुछ सबसे दिलचस्प और कम चर्चित किस्सों को दिखाया गया है। ये कहानियां महादेव के सबसे समर्पित भक्तों को भी हैरान कर देती हैं। हर ट्रैक के साथ, यह शो शिव और पार्वती की परिचित पौराणिक कथाओं से आगे बढ़ते हुए उनकी भावनात्मक, आध्यात्मिक और नैतिक दुविधाओं को समझने का प्रयास करता है। और अब, महादेव की दुनिया दो ऐसी शक्तिशाली दिव्य ऊर्जाओं के आगमन से हिलने वाली है, जिनकी किसी ने उम्मीद नहीं की थी। मनसा देवी और कद्रू मां का किरदार क्रमश: रिया दीपसी और दिव्या लक्ष्मी ने निभाया है। उग्र, आहत और महादेव से ज़्यादा ताकतवर बनने की तीव्र इच्छा से भरी हुई - मनसा प्रेम की तलाश में नहीं आती हैं, वह क्रोध के साथ आती हैं। लेकिन दुनिया को यह नहीं पता कि वह स्वयं शिव की पुत्री हैं। यह सच्चाई वर्षों तक छिपी रही, और जब सामने आती है तो मां पार्वती को भीतर तक झकझोर देती है। मनसा का जन्म कद्रु की भक्ति के कारण हुआ था और महादेव ने उनसे दूर रहने का आशीर्वाद दिया था। मनसा को एकांत में पाला गया - यह विश्वास दिलाकर कि उनके पिता ने उन्हें त्याग दिया था। यही विश्वास धीरे-धीरे क्रोध में बदला, और फिर उस क्रोध ने एक लक्ष्य ले लिया - महादेव के नाम को मिटाकर अपनी सत्ता स्थापित करने का। वह अपना आतंक फैलाना शुरू कर देती हैं, और जो उनके आदेश को नहीं मानते, उन्हें दंडित करती हैं। ऐसे में एक करुण पुकार महादेव को उनकी ओर खींच लाती है। इन दो महाशक्तियों का आमना-सामना होता है — एक ओर वह पुत्री है, जिसके दिल में वर्षों का रोष है, और दूसरी ओर वह पिता जो कभी ऐसा तूफ़ान लाना नहीं चाहता था। पार्वती को जब यह पता चलता है कि मनसा शिव की पुत्री है, तो वह टूट जाती हैं। तब कद्रु आगे आती है और वह रहस्य उजागर करती है जिसे अब तक छिपा कर रखा गया था।

गुजरात टाइटंस के लिए आई बड़ी खुशखबरी, घातक गेंदबाज कगिसो रबाडा टीम में फिर से हुआ शामिल

नई दिल्ली(एजेंसी)। गुजरात टाइटन्स के क्रिकेट निदेशक विक्रम सोलंकी ने दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा की वापसी के बारे में स्थिति स्पष्ट कर दी है. उन्होंने कहा है कि, 29 वर्षीय खिलाड़ी ने अपना अस्थायी निलंबन पूरा कर लिया है और वह मंगलवार को मुंबई इंडियंस के खिलाफ गुजरात टाइटंस के अगले मैच के लिए उपलब्ध होंगे. दाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज को नशीली दवा लेने के लिए सकारात्मक परीक्षण किया गया था. अप्रैल में वह फ्रेंचाइजी के लिए कुछ मैच खेलने के बाद घर लौट आए और कहा गया कि वह उस समय व्यक्तिगत कारणों से वापस लौटे थे. हालांकि तेज गेंदबाज ने हाल ही में खुलासा किया कि उन्हें मंगलवार को नशीली दवा लेने का दोषी पाया गया और उन्हें अस्थायी निलंबन दिया गया. जीटी के निदेशक विक्रम सोलंकी ने कहा, जहां तक कल के मैच का सवाल है तो बात यह है कि पिछले एक महीने में लिए गए सभी निर्णयों और जो कुछ भी हुआ है, उसे देखते हुए वह अब उपलब्ध हैं. दूसरी बात जो मैं रिकॉर्ड पर रखना चाहता हूं वह यह है कि जहां तक प्रक्रिया और प्रोटोकॉल का सवाल है. इस प्रकरण में शामिल सभी लोग कैगिसो से लेकर उनके प्रतिनिधि सभी मामलों में जहां तक आवश्यकताओं का पालन किया गया है. हम कगिसो के इर्द-गिर्द भावनाओं के प्रति भी सचेत रहने की कोशिश करते हैं. लेकिन यह सब कहने के बाद, वह अब समय, प्रतिबंध 30 दिनों के निलंबन की सजा पूरी कर वापस आ गया है. जीटी वर्तमान में आईपीएल 2025 के प्लेऑफ में आगे बढ़ने की मजबूत स्थिति में है. वो 10 मुकाबलों में सात जीत और तीन हार के साथ अंक तालिका में चौथे स्थान पर हैं. वह अब दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल के लिए भी उपलब्ध होंगे जो अगले महीने खेला जाना है. 29 वर्षीय यह खिलाड़ी 2023-25 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र में 19.97 की गेंदबाजी औसत के साथ 47 विकेट लेकर दक्षिण अफ्रीका का सबसे अधिक विकेट लेने वाला गेंदबाज था.

ईवी फर्म बैटरी स्मार्ट का शुद्ध घाटा वित्त वर्ष 2024 में दोगुना होकर 140 करोड़ रुपए हुआ

नई दिल्ली(एजेंसी)। गुरुग्राम बेस्ड ईवी स्टार्टअप बैटरी स्मार्ट का वित्त वर्ष 2024 में शुद्ध घाटा 140 करोड़ रुपए पर पहुंच गया है, जो पिछले वित्त वर्ष में दर्ज 61 करोड़ रुपए के घाटे से दोगुना से भी अधिक है। परिचालन राजस्व में तीन गुना वृद्धि के बावजूद, बढ़ती लागत ने कंपनी के मुनाफे पर भारी असर डाला। बैटरी स्मार्ट का परिचालन राजस्व वित्त वर्ष 2024 में 193 प्रतिशत बढ़कर 164 करोड़ रुपए हो गया, जो वित्त वर्ष 2023 में 56 करोड़ रुपए था, जो पूरी तरह से इसके मुख्य व्यवसाय - इलेक्ट्रिक वाहन निर्माताओं के लिए बैटरी-एज-ए-सर्विस द्वारा संचालित है। एनट्रैकर द्वारा रिपोर्ट की गई कंपनी की वित्तीय स्थिति से पता चलता है कि वित्तीय परिसंपत्तियों पर ब्याज से 23 करोड़ रुपए की आय सहित कंपनी की कुल आय वर्ष के लिए 187 करोड़ रुपए रही। हालांकि, कंपनी का कुल व्यय एक साल पहले के 125 करोड़ रुपए से दोगुना होकर 327 करोड़ रुपए हो गया। आंकड़ों के अनुसार, इसका एक बड़ा हिस्सा मूल्यह्रास शुल्क में लगभग 3.8 गुना वृद्धि से 85 करोड़ रुपए और वित्त लागत में 3.75 गुना वृद्धि से 45 करोड़ रुपए तक आया। एम्प्लॉई बेनिफिट एक्सपेंस भी तेजी से बढ़कर 41 करोड़ रुपए हो गया, जबकि विज्ञापन व्यय 60 प्रतिशत घटकर 8 करोड़ रुपए रह गया। बैटरी स्मार्ट के बढ़ते घाटे लागत दक्षता में चल रही चुनौतियों को दर्शाते हैं। इसका रिटर्न ऑन कैपिटल एम्प्लॉयड (आरओसीई) 18.34 प्रतिशत था, और ईबीआईटीडीए मार्जिन से पहले इसकी आय - 5.35 प्रतिशत थी। ऑपरेटिंग रेवेन्यू के हर 1 रुपए के लिए, कंपनी ने 1.99 रुपए खर्च किए, जो बढ़ती मांग के बावजूद मार्जिन पर दबाव को दिखाता है। बैटरी स्मार्ट ने मार्च 2024 तक 328 करोड़ रुपए की मौजूदा संपत्ति की रिपोर्ट की, जिसमें 107 करोड़ रुपए नकद और बैंक बैलेंस शामिल हैं, जो कुछ फाइनेंशियल बफर प्रदान करते हैं। टाइगर ग्लोबल और ब्लूम वेंचर्स जैसे निवेशकों द्वारा समर्थित, बैटरी स्मार्ट ने अब तक लगभग 192 मिलियन डॉलर जुटाए हैं।

बारिश में धुला दिल्ली और हैदराबाद का मैच, फंसा प्लेऑफ का पेंच

हैदराबाद(एजेंसी),। आईपीएल 2025 के 55वें मैच में आज सनराइजर्स हैदराबाद और दिल्ली कैपिटल्स की टक्कर देखने को मिली लेकिन यह धमाकेदार टक्कर पूरी नहीं हो पाई क्योंकि हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम खेला गया ये मैच भारी बारिश की भेंट चढ़ गया. अंपायर द्वारा काफी इंतजार करने बाद मैच को रद्द कर दिया गया. ये मैच बेनतीजा रहा और दोनों टीमों के 1-1 अंक मिल गया. इस मैच में 1 अंक हासिल करने के बाद भी सनराइजर्स हैदराबाद की टीम का प्लेऑफ का सफर खत्म हो गया है. हैदराबाद की टीम आधिकारिक तौर पर आईपीएल 2025 के प्लेऑफ से बाहर हो चुकी है. टीम के 11 मैचों के बाद कुल 7 अंक है जिसमें तीन जीत एक बेनतीजा मैच और 7 हार मौजूद हैं. हैदराबाद इस समय अंक तालिका में 8वें स्थान पर हैं. दिल्ली कैपिटल्स इस मैच को नहीं जीत पाई और उसे 1 अंक मिला. इस एक अंक ने भी दिल्ली कैपिटल्स के लिए रास्ता पेचीदा कर दिया है. दिल्ली के 11 मैचों के बाद 6 जीत और 4 हार व एक बेनतीजा मैच के साथ कुल 13 प्वाइंट्स हैं. अब दिल्ली को प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए आने वाले 3 मैचों में से हर हाल में 2 मैच जीतने होंगे.

यूपीआई क्यूआर कोड की संख्या 91.5 प्रतिशत बढ़कर 65.79 करोड़ हुई : आरबीआई

मुंबई(एजेंसी) । देश में यूपीआई क्यूआर कोड की संख्या वित्त वर्ष 2024-25 में सालाना आधार पर 91.5 प्रतिशत बढ़कर 65.79 करोड़ हो गई है। यह जानकारी आरबीआई की ओर से दी गई। केंद्रीय बैंक के मुताबिक, यूपीआई क्यूआर कोड में वृद्धि के कारण क्रेडिट कार्ड लेनदेन की वृद्धि दर कम होकर 7.94 प्रतिशत रह गई है। डेबिट कार्ड की संख्या सालाना आधार पर 2.7 प्रतिशत बढ़कर 99 करोड़ पर पहुंच गई है। गूगल पे, पेटीएम और फोनपे जैसे प्लेटफार्मों की बढ़ती पहुंच के साथ यूपीआई क्यूआर कोड की संख्या में तेज वृद्धि हो रही है। बैंक अधिकारियों ने बताया कि यूपीआई नेटवर्क पर लाइव बैंकों की संख्या अप्रैल में 668 हो गई है। इससे लेनदेन की वैल्यू में भी वृद्धि होने की उम्मीद है। बीते महीने यूपीआई के जरिए होने वाले लेनदेन की संख्या सालाना आधार पर 34 प्रतिशत बढ़कर 17.89 अरब पर पहुंच गई है। साथ ही लेनदेन की वैल्यू सालाना आधार पर 22 प्रतिशत बढ़कर 23.95 लाख करोड़ रुपए हो गई है। आरबीआई की वार्षिक रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में डिजिटल भुगतान के लिए सबसे ज्यादा यूपीआई का इस्तेमाल किया जाता है। हर पांच में चार डिजिटल लेनदेन यूपीआई के माध्यम से किए जा रहे हैं। देश के डिजिटल पेमेंट्स में यूपीआई की हिस्सेदारी वित्त वर्ष 24 में बढ़कर 79.7 प्रतिशत की हो गई, जो कि वित्त वर्ष 23 में 73.4 प्रतिशत थी। आरबीआई विभिन्न पहलों के माध्यम से डिजिटल भुगतान को सक्रिय रूप से बढ़ावा दे रहा है, जिसमें हर भुगतान डिजिटल अभियान भी शामिल है, जिसका उद्देश्य भारत में हर व्यक्ति को डिजिटल भुगतान के बारे में जागरूक करना है। आरबीआई यूपीआई इन-पर्सन मर्चेंट भुगतान के लिए लेनदेन की सीमा को संशोधित करने में लचीलापन भी देता है, जिससे एनपीसीआई को यूजर्स की जरूरतों के आधार पर सीमाएं समायोजित करने की अनुमति मिलती है, साथ ही सुरक्षा उपाय भी किए गए हैं जिससे भुगतान का तरीका और अधिक सुविधाजनक हो गया है।

सत्व सुकुन ने चौथी तिमाही में लाभ में 74.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की, कंपनी का 48 करोड़ का राइट्स इश्यू भी पेश

मुंबई : घरेलू साज-सज्जा और सुगंध उत्पाद बनाने वाली कंपनी सत्व सुकुन लाइफकेयर लिमिटेड (बीएसई: 539519) ने 31 मार्च, 2025 को समाप्त चौथी तिमाही और बारह महीनों के लिए मजबूत वित्तीय परिणाम दर्ज किए हैं। 31 मार्च 2025 को समाप्त तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 74.5 प्रतिशत बढ़कर 84.22 लाख रुपए हो गया, जबकि पिछले साल की समान अवधि में यह 48.19 लाख था। 31 मार्च, 2025 को समाप्त तिमाही में परिचालन से आय 6 प्रतिशत बढ़कर 105.16 लाख रुपए हो गई, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 99.23 लाख रुपए थी। 31 मार्च 2025 को समाप्त बारह महीनों के लिए कंपनी का शुद्ध लाभ 108.9 प्रतिशत बढ़कर 248.94 लाख रुपए हो गया, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में यह 119.04 लाख रुपए था। 31 मार्च, 2025 को समाप्त बारह महीनों के लिए परिचालन से आय 48.1 प्रतिशत बढ़कर 526.30 लाख रुपए हो गई, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 355.33 लाख थी। सत्व सुकुन लाइफकेयर लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री मीत तरूणकुमार ब्रह्मभट्ट ने कहा कि कंपनी की सफलता नवाचार-संचालित उत्पाद विकास, विनिर्माण क्षमताओं में निवेश और एक विस्तारित ग्राहक आधार के संयोजन से प्रेरित है, जो दीर्घकालिक टिकाऊ विकास की दिशा में अपना रास्ता मजबूत करता है। यह मजबूत प्रदर्शन सत्त्व सुकुन की उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता, बाजार के रुझानों के प्रति अनुकूलनशीलता और उद्योग में एक प्रमुख खिलाड़ी होने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

भारत की सबसे ज्यादा बिकने वाली इवी अब प्रो के रूप में आई

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने विंडसर प्रो को 12.49 लाख रुपये + 4.5 रुपये /किमी के बीएएएस मूल्य पर लॉन्च किया

रायपुर: जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने आज एमजी विंडसर प्रो को लॉन्च किया है, जो व्यावसायिक श्रेणी की यात्रा को और भी आरामदायक और सुरक्षित बनाने वाला है। इस नए मॉडल में उन्नत तकनीकी सुविधाएं और सुरक्षा फीचर्स के साथ 52.9 kWh की नई बैटरी शामिल की गई है। लॉन्च के बाद से एमजी विंडसर को ग्राहकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है, और अब प्रो सीरीज़ की शुरुआत इसके बाज़ार में प्रदर्शन को और मजबूत बनाएगी। एमजी विंडसर प्रो को एक आकर्षक प्रारंभिक बीएएएस मूल्य 12.49 लाख रुपये + 4.5 रुपये /किमी और एक्स-शोरूम कीमत 17,49,800 रुपये (पहली 8,000 बुकिंग्स के लिए वैध) पर लॉन्च किया गया, एमजी विंडसर प्रो इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर तेजी से बदलाव को बढ़ावा देने का वादा करता है। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने अपने बैटरी-एज़-ए-सर्विस (बीएएएस) मॉडल की पहुंच बढ़ाने के उद्देश्य से आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और कोटक महिंद्रा प्राइम जैसे नए वित्तीय साझेदारों को अपने साथ जोड़ा है। यह स्वामित्व मॉडल ईवी खरीदने को भारतीय ग्राहकों के लिए अधिक लचीला और सुलभ बनाता है। इस अनोखी स्वामित्व योजना की शुरुआत सितंबर 2024 में की गई थी और वर्तमान में इसे छह वित्तीय संस्थाओं का सहयोग प्राप्त है, जिनमें बजाज फिनसर्व, हीरोफिन कॉर्प, ईकोफ्राय, विद्युतटेक, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और कोटक महिंद्रा प्राइम शामिल हैं। कंपनी एमजी विंडसर प्रो के पहले मालिक को जीवनभर की बैटरी वारंटी प्रदान करेगी। इसके अलावा, जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया एमजी विंडसर प्रो के लिए अपनी 3-60 आश्वस्त बायबैक योजना*** भी पेश करेगी, जो यह सुनिश्चित करती है कि 3 साल बाद इसका 60% मूल्य बना रहेगा। एमजी विंडसर प्रो के लॉन्च पर बात करते हुए, जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया के प्रबंध निदेशक अनुराग मेहरोत्रा ने कहा, एमजी विंडसर ने भारत के 4W-इवी सेगमेंट की वृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, अपनी आकर्षक मूल्य प्रस्तावना के साथ ग्राहकों का विश्वास जीता है।

इस मदर्स डे पर कैलिफोर्निया आमंड्स के पोषण से अपनी माँ को दीजिये सेहत का तोहफा

रायपुर। माँ का प्यार और देखभाल हर दिन हमें ताकत देता है, और इसे जताने के लिए एक दिन काफी नहीं है। माँ हमेशा हमारा और परिवार का खयाल रखती है, वो अपनों से ज्यादा दूसरों को महत्व देती है। लेकिन हम कितनी बार उनकी सेहत के बारे में सोचते हैं इस मदर्स डे पर, आइए हम अपनी माँ की देखभाल करें। इसके लिए एक बेहद आसान तरीका है कैलिफोर्निया आमंड्स को उनकी रोज की आदत में शामिल करना। बादाम माँ को दिनभर की थकान में ऊर्जा देंगे, उनकी सेहत का खयाल रखेंगे और उनकी त्वचा को भी पोषण देंगे। कैलिफोर्निया आमंड्स किंग ऑफनट्स कहा जाता है। इसमें 15 जरूरी पोषकतत्व होते हैं, जैसे कि प्रोटीन, ज़िंक, मैग्नीशियम और विटामिन ई। अपनी माँ की रोजाना की आदम में मुट्ठीभर बादाम शामिल करके आप उनके ब्लड शुगर लेवल्स को नियमित रख सकते हैं, उनके दिल की सेहत में मदद कर सकते हैं और उनकी त्वचा को ज्यादा चमकदार बना सकते हैं। साथ ही बादाम से उन्हें अपना वजन नियंत्रित रखने और एनर्जी पाने में भी मदद मिलेगी। बॉलीवुड अभिनेत्री और सेलेब्रिटी सोहा अली खान ने कहा, ''सेहत मेरे लिए हमेशा अनमोल खजाना रही है। मैं रोज़ अपनी सेहत का ख्याल रखने की कोशिश करती हूँ। बचपन में मैं अपनी माँ को उनकी सेहत के लिए अच्छा गिफ्ट देती थी, और यह परंपरा मैं हर मदर्स डे पर निभाती हूँ। मुझे माँ के लिए ऐसी मिठाई बनाना पसंद है जो स्वादिष्ट, पौष्टिक और सेहतमंद हो। इस मिठाई को और खास बनाने के लिए मैं उसमें कैलिफोर्निया आमंड्स मिलाती हूँ। बादाम में जरूरी पोषक तत्व होते हैं, जो स्वाद और सेहत का शानदार मेल देते हैं। सबसे खास बात, मेरी बेटी भी अब मेरी तरह सेहतमंद तोहफे चुनने लगी है।'' फिटनेस एवं सेलेब्रिटी इंस्ट्रक्टर यास्मिन कराचीवाला ने कहा, ''कई नई माँएँ, जिन्हें मैं ट्रेन करती हूँ, अक्सर पूछती हैं कि वर्कआउट से पहले और बाद में क्या खाना चाहिए। सप्लीमेंट्स की बात तो बहुत होती है, लेकिन मैं उन्हें हमेशा प्राकृतिक और पौष्टिक चीजें खाने की सलाह देती हूँ। मैं उन्हें कैलिफोर्निया आमंड्स की सलाह देती हूँ, क्योंकि इनमें 15 जरूरी पोषक तत्व जैसे प्रोटीन, जिंक, आयरन, अच्छे फैट्स और विटामिन ई होते हैं। ये मांसपेशियों को ठीक करने, एनर्जी बनाए रखने और सेहत को बेहतर बनाने में मदद करते हैं।

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, गुरुवार 08 मई 2025

राज्यपाल ने हाई स्कूल और हायर सेंकेण्डरी परीक्षा में उत्तीर्ण विद्यार्थियों को दी शुभकामनाएं

रायपुर (विसं)। राज्यपाल श्री रमेन डेका ने छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल द्वारा आज जारी कक्षा 10वीं एवं 12वीं बोर्ड के नतीजों में सफलता हासिल करने वाले सभी विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। राज्यपाल ने कहा है कि विद्यार्थियों ने जीवन का महत्वपूर्ण पड़ाव पार किया है, जो उनकी मेहनत और लगन का परिणाम है। उन्होंने समस्त छात्र-छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा है कि वे भविष्य में इसी तरह निरन्तर आगे बढ़ते रहें और अपने परिवार, राज्य और देश का नाम रोशन करें। श्री डेका ने कहा है कि विद्यार्थियों की सफलता के पीछे उनके गुरूजनों और माता-पिता का भी महत्वपूर्ण योगदान रहता है, मैं इसके लिए उन्हें भी बधाई देता हूं।

संक्षिप्त समाचार

ऑपरेशन सिन्दूर सैन्य कार्यवाही का जैन संवेदना ट्रस्ट ने स्वागत किया, ऑपरेशन सिन्दूर हर भारतवासी के आत्मसम्मान की गर्जना है

रायपुर (विश्व परिवार)। ऑपरेशन सिंदूर- ये सिर्फ एक सैन्य कार्रवाई नहीं, ये हर भारतवासी के आत्मसम्मान की गर्जना है। जैन

संवेदना ट्रस्ट के महेन्द्र कोचर व विजय चोपड़ा ने ऑपरेशन सिन्दूर का स्वागत करते हुए कहा कि दुश्मन ने हमारे वीरों को ललकारा, और जवाब ऐसा मिला कि अब वो चुप हैं और दुनिया सन्न। हमारी सेना का साहस, रणनीति और समय पर लिया गया फैसला, हर देशवासी को गर्व से भर देता है। भारत अब सहता नहीं, सीधा जवाब देता है। महेन्द्र कोचर व विजय चोपड़ा ने आगे कहा कि विश्वशांति के लिये भगवान महावीर स्वामी का जियो और जीने दो उदघोष आज भी प्रासंगिक है। अहिंसा परमो धर्म विश्वशांति का मूलमंत्र है लेकिन अहिंसा कायरता नही होती।

भारत निर्वाचन आयोग ने IIIDEM में 2,300 से अधिक क्षेत्र स्तर के निर्वाचन कर्मचारियों को प्रशिक्षण देने की उपलब्धि प्राप्त की

रायपुर (विश्व परिवार)। भारत निर्वाचन आयोग ने तमिलनाडु और पुडुचेरी के क्षेत्र स्तर के निर्वाचन कर्मियों को तमिल भाषा में प्रशिक्षण देने का एक अभूतपूर्व कदम उठाया है। दिल्ली स्थित IIIDEM में आयोजित इस मिश्रित बैच प्रशिक्षण कार्यक्रम में 293 प्रतिभागी शामिल हैं, जिनमें 264 बीएलओ सुपरवाइजर, 14 ईआरओ, 2 डीईओ और अन्य अधिकारी शामिल हैं। मुख्य निर्वाचन आयुक्त (CEC) श्री ज्ञानेश कुमार ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि बीएलओ, भारत निर्वाचन आयोग और मतदाताओं के बीच पहला संपर्क होते हैं और वे सही एवं अद्यतन मतदाता सूचियों को सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अब तक लगभग 2, 300 प्रतिभागियों ने पिछले कुछ हफ्तों में IIIDEM में आयोजित गहन प्रशिक्षण कार्यक्रमों से लाभ प्राप्त किया है। यह दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम, देश में अगले कुछ वर्षों में एक लाख से अधिक बीएलओ को प्रशिक्षण देने की व्यापक योजना के अनुरूप है। बीएलओ पर्यवेक्षकों को संवादात्मक सत्रों और भूमिका-नाटकों के माध्यम से विभिन्न फॉर्मों (फॉर्म 6, 7 और 8) को सही ढंग से भरने के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है। इस मॉड्यूल में आईटी समाधानों के उपयोग में व्यावहारिक प्रशिक्षण भी शामिल है। इन बीएलओ पर्यवेक्षकों को विधानसभा स्तरीय मास्टर ट्रेनर के रूप में तैयार किया जा रहा है ताकि वे अन्य बीएलओ को प्रशिक्षण दे सकें। प्रतिभागियों को अंतिम रूप से प्रकाशित मतदाता सूची के विरुद्ध पहली और दूसरी अपील की प्रक्रियाओं से भी परिचित कराया गया, जिनमें पहली अपील जिला मजिस्ट्रेट (या समकक्ष अधिकारी) के पास आरपी अधिनियम 1950 की धारा 24(क) के अंतर्गत और दूसरी अपील राज्य/केंद्रशासित प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के पास धारा 24(ख) के अंतर्गत की जा सकती है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने छत्तीसगढ़ को दी एक और बड़ी सौगात

आईआईटी भिलाई सहित देश के पांच आईआईटी के शैक्षणिक और अवसंरचना क्षमता के विस्तार को मंजूरी, मुख्यमंत्री साय ने जताया आभार

रायपुर (विश्व परिवार)। नई दिल्ली में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आयोजित केंद्रीय कैबिनेट बैठक में आज छत्तीसगढ़ के लिए एक बड़ी घोषणा हुई। आईआईटी भिलाई के कैम्पस के विस्तार के साथ ही तकनीकी शिक्षा और अनुसंधान के लिए नई सुविधाएं मिलेंगी। इसके अलावा अब आईआईटी भिलाई में अधिक छात्रों को पढ़ाई का मौका मिलेगा। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आईआईटी भिलाई के विस्तार के संबंध में की गई घोषणा के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का आभार जताया है। उन्होंने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री मोदी का विकसित भारत और विकसित छत्तीसगढ़ के लक्ष्य की दिशा में एक और बड़ा कदम है।

उल्लेखनीय है कि केन्द्रीय कैबिनेट द्वारा देश के पांच नए आईआईटी संस्थानों, जिनमें छत्तीसगढ़ का आईआईटी भिलाई भी शामिल है, की शैक्षणिक और आधारभूत संरचना का विस्तार करने की मंजूरी दी गई है। केंद्रीय केबिनेट के फैसले से आने वाले चार वर्षों में देशभर के 6,500 से अधिक छात्र प्रतिष्ठित संस्थानों में पढ़ाई का सपना पूरा कर सकेंगे। खास बात यह है कि आईआईटी भिलाई में अब और अधिक सीटें होंगी, जिससे छत्तीसगढ़ के साथ-साथ देश के अन्य हिस्सों के युवाओं को भी लाभ मिलेगा। इस फैसले से आईआईटी भिलाई कैम्पस के अवसंरचना विस्तार के साथ-साथ न केवल छात्रों को लाभ मिलेगा, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। शिक्षकों, कर्मचारियों और शोधकर्ताओं की भर्ती के साथ-साथ आस-पास के इलाकों में आवास, परिवहन और अन्य सेवाओं की मांग भी बढ़ेगी।

आईआईटी भिलाई पहले से ही अपने स्थायी परिसर में कार्य कर रहा है, लेकिन इस विस्तार के बाद यह संस्थान अब और भी अधिक छात्रों के लिए शिक्षा और नवाचार का केंद्र बनेगा।उल्लेखनीय है कि चार वर्षों में पूरे देश में छात्रों के लिए 13,687 सीटें उपलब्ध होंगी, जो अभी 7,111 हैं। इसका मतलब है कि 6,576 नई सीटों का इजाफा होगा। देश के जिन भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों में शैक्षणिक और अवसंरचना क्षमता के विस्तार की स्वीकृति दी गई है, इनमें भिलाई के साथ-साथ आंध्र प्रदेश (तिरुपति), जम्मू-कश्मीर (जम्मू), कर्नाटक (धारवाड़) और केरल (पालक्काड़) के आईआईटी शामिल हैं। केन्द्र सरकार ने इनके विस्तार के लिए 11,828.79 करोड़ रुपये का बजट स्वीकृत किया है, जो साल 2025-26 से 2028-29 तक खर्च होगा। इसके अंतर्गत न केवल नई इमारतें और आधुनिक सुविधाएं बनाई जाएंगी, बल्कि 130 नए प्रोफेसर पदों का सृजन भी होगा, जिससे पढ़ाई और शोध का स्तर और मजबूत होगा। उद्योग अकादमिक संबंधों को मजबूत करने के लिए पांच नये अत्याधुनिक अनुसंधान पार्क भी बनाये जा रहे हैं।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल के दुर्ग रेलवे स्टेशन पर आपातकालीन स्थिति में बचाव हेतु मॉक ड्रिल का आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल में हवाई हमले के दौरान शासन प्रशासन द्वारा की जाने वाली तैयारी की मॉक ड्रिल आज दुर्ग रेलवे स्टेशन में हुआ। जिसमें सबसे पहले सायरन बजाया गया इसके उपरांत लोगों द्वारा एक सुरक्षित आश्रय स्थल की ओर जाने की कार्रवाई की गई। तत्पश्चात जो लोग शेल्टर में नहीं जा पाए वे लोग अपने-अपने जगह पेट के बल लेट कर कैसे अपने आप की प्रोटेक्शन करते हैं इसको दिखाया गया। हम लोग के दौरान होने वाले घायलों को प्राथमिक उपचार कैसे दिया जाए इसका प्रैक्टिकल दिखाया गया। उनका मेडिकल कैंप की ओर ले जाने के तमाम विधियों का प्रदर्शन किया गया। साथ ही ब्लैक आउट में की जाने वाली तैयारी के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।इसके अलावा हवाई हमले के दौरान यदि कहीं पर आग लग जाए तो उपलब्ध साधनों से किस प्रकार से आग को बुझाया जाए और विभिन्न प्रकार के अग्निशमन यंत्रों का प्रयोग कैसे किया जाए इन सभी प्रकार के विधियों का एक जीवंत प्रदर्शन किया गया। इस मॉक ड्रिल में सिविल डिफेंस के 30 स्टाफ और स्काउट एंड गाइड के 15 सदस्य, 20 वाणिज्य विभाग के स्टाफ एवं आरपीएफ के 15 स्टाफ और रेलवे के दूसरे कर्मचारी लगभग 120 स्टाफ मौजूद थे। रेलवे स्टाफ के अलावा अन्य लगभग 500 यात्रियों ने इस मॉक ड्रिल को देखा और ट्रेनिंग की पूरी जानकारी ली।

इसके अलावा दुर्ग के रेलवे कॉलोनी में निवासरत लोगों को सायरन बजने के बाद और ब्लैकआउट में की जाने वाली कार्रवाई को सिविल डिफेंस के द्वारा करके बताया गया है। इसमें सिविल डिफेंस के कोटेश्वर राव, टीएन तिवारी, रमेश, एम मानिकपुरी की अहम भूमिका रही।

विज्ञान संकाय ने स्नातक छात्रों के लिए यादें भावपूर्ण विदाई समारोह का किया आयोजन

विशेष उपाधियों और मधुर यादों के साथ उपलब्धियों और नई शुरुआत का भावनात्मक उत्सव मनाने के लिए गणमान्य व्यक्तियों ने इस अवसर की शोभा बढ़ाई

रायपुर (विश्व परिवार)। श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी के विज्ञान संकाय ने अपने स्नातक छात्रों को सम्मानित करने के लिए विदाई कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में प्रो-चांसलर श्री एसएस बजाज, रजिस्ट्रार डॉ. सौरभ कुमार शर्मा और डीन अकादमिक प्रोफेसर आरआरएल बिराली की गरिमामयी उपस्थिति ने इस अवसर को गरिमामय और गर्मजोशी से भर दिया।

प्रोफेसर अनुभूति कोशले के कुशल मार्गदर्शन और प्रतिभा चोखी, दीपाली साहू और मीनाक्षी शुक्ला के समन्वय में, विदाई समारोह में यादों, शैक्षणिक उपलब्धियों और निवर्तमान बैच के लिए आगे की रोमांचक यात्रा का जीवंत उत्सव मनाया गया।

इस समारोह में छात्रों को उनके अद्वितीय गुणों और योगदान के लिए विशेष उपाधियाँ प्रदान की गईं।

एम.एस.सी. छात्र मिस्टर और मिस फेयरवेल- राकेश और नैन्सी नेहा बी.एस.सी. छात्र मिस्टर और मिस फेयरवेल- तुषार और आकांक्षा मिस्टर और मिस आइकॉनिक- देबाशीष और बुशरा एल्यूरिंग अवार्ड लीसा वर्ष के सर्वश्रेष्ठ छात्र- श्री शिवांग गुप्ता और जैस्मीन परवीन संकाय, छात्र और गणमान्य व्यक्ति विदाई देने के समय माहौल खुशी, पुरानी यादों और दिल को छू लेने वाली भावनाओं का बन गया। कार्यक्रम का समापन सभी स्नातकों के उज्ज्वल और सफल भविष्य की हार्दिक शुभकामनाओं और आशीर्वाद के साथ हुआ।

बेबीलोन ग्रुप ऑफ होटल्स ने श्री दावड़ा विश्वविद्यालय के छात्रों को दी गई प्लेसमेंट की सौगात

रायपुर (विश्व परिवार)। श्री दावड़ा विश्वविद्यालय के लिए आज का दिन ऐतिहासिक रहा, जब बेबीलोन ग्रुप ऑफ होटल्स ने विश्वविद्यालय का दौरा किया और होटल मैनेजमेंट विभाग के 5 छात्रों का चयन किया। यह विश्वविद्यालय का पहला प्लेसमेंट ड्राइव था, जिससे छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की शुरुआत हुई।

बेबीलोन ग्रुप की ओर से श्री संदीप राज (डायरेक्टर) और श्री अन्वेश शुक्ला (जनरल मैनेजर) ने छात्रों से मुलाकात की और होटल उद्योग से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं। इस कार्यक्रम का संचालन होटल मैनेजमेंट विभाग की सहायक प्राध्यापक श्रीमती निकिता यादव ने किया, जिनके प्रयासों से यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में डॉ. एम. पी. गौतम, डॉ. वरुण गंजीर और श्री कुमार स्वेताभ ने भी भाग लिया और छात्रों को मार्गदर्शन प्रदान किया।

विश्वविद्यालय के सीईओ श्री चिन्मय दावड़ा ने इसे विश्वविद्यालय के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया और कहा कि यह छात्रों के करियर निर्माण की दिशा में एक सशक्त कदम है। डायरेक्टर जनरल डॉ. चार्मी दावड़ा ने चयनित छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता छात्रों की मेहनत और विश्वविद्यालय की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का परिणाम है। यह प्लेसमेंट ड्राइव छात्रों के लिए प्रेरणादायक रही और भविष्य में उद्योग-जगत के साथ और भी मजबूत साझेदारी की नींव रखी गई।

रायपुर प्रेस क्लब में HSRP नंबर प्लेट के आवेदन के लिए 9 मई को शिविर

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर प्रेस क्लब और क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय रायपुर की ओर से हाई सिक्यूरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट (HSRP) के आवेदन के लिए 09 मई 2025 को सुबह 11 बजे से शिविर का आयोजन किया गया है। आवेदन के लिए ऋष्ट, आधार कार्ड, पंजीकृत मोबाइल नंबर लेकर आना अनिवार्य होगा। नम्बर प्लेट के लिए शासन द्वारा निर्धारित शुल्क भी देय होगा। गौरतलब है प्रेस क्लब में हाई सिक्यूरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट के आवेदन के लिए दूसरी बार शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इससे पहले 20 अप्रैल को शिविर का आयोजन किया गया था। प्रेस क्लब के सदस्य, पत्रकार साथी व उनके परिजन जो अभी तक नए नंबर प्लेट के लिए आवेदन नहीं कर पाए हैं वे 9 मई, शुक्रवार को प्रेस क्लब भवन, मोतीबाग पहुंचकर आवेदन कर सकते हैं। प्रेस क्लब अध्यक्ष प्रफुल्ल ठाकुर, महासचिव डॉ. वैभव शिव पाण्डेय, उपाध्यक्ष संदीप शुक्ला, कोषाध्यक्ष रमन हलवाई, संयुक्त सचिव तृप्ति सोनी, अरविंद सोनवानी ने अधिक से अधिक संख्या में शिविर का लाभ उठाने की अपील सदस्यों और पत्रकार साथियों से की है।

नोट - जिन सदस्यों एवं पत्रकारों ने पूर्व के शिविर में आवेदन किए हैं, लेकिन सेंटर्स में भीड़ के कारण अभी तक नंबर प्लेट नहीं लगवा पाए हैं, उनके नम्बर प्लेट प्रेस क्लब में मंगवाए जा रहे हैं। इसको लगाने/ वितरित करने की व्यवस्था भी एक - दो दिनों के भीतर की जा रही है। इसकी सूचना पृथक से जारी की जाएगी।

सुशासन तिहार : नगर निगम जोन 2 ने शहीद स्मारक भवन में लगाया समाधान शिविर

प्रथम चरण में प्राप्त 3583 आवेदनो, 3420 मांगो व 163 शिकायतों का त्वरित समाधान किया गया

ऋतु चातुरे का लर्निंग लाईसेंस तत्काल बनाकर दिया गया, 5 नवजात शिशुओं का अन्नप्रासन्न

रायपुर (विश्व परिवार)। आज सुशासन तिहार 2025 के अंतर्गत प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के आदेशानुसार एवं उपमुख्यमंत्री नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग अरूण साव के निर्देशानुसार नगर पालिक निगम रायपुर द्वारा जोन 7 के 7 वाड़ों के लिए जीई रोड रजबंधा मैदान के शहीद स्मारक भवन में सुशासन तिहार समाधान शिविर लगाया गया। जिसमें रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा, महापौर मीनल चौबे, सभापति सूर्यकांत राठौड, रायपुर जिला कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह, नगर निगम आयुक्त विश्वदीप, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उगेंद सिंह, वित्त विभाग अध्यक्ष महेन्द्र खोडियार, पार्षद कृतिका जैन, रामहीन कुर्रे, खगपति सोनी, पूर्व पार्षद प्रतिनिधि राम प्रजापति की मंच पर उपस्थिति में नगर निगम एवं विभिन्न शासकीय विभागों के अधिकारियों ने नागरिको को सुशासन तिहार के प्रथम चरण में 8 से 11 अप्रैल तक जोन 7 के 7 वाढों में लगे शिविर में आमजनता से प्राप्त सभी 3583 आवेदनो, 3420 मांगो, 163 शिकायतो का शत प्रतिशत गुणवत्ता पूर्ण त्वरित समाधान द्वितीय चरण में 12 अप्रैल से 4 मई के माध्य करने की प्रकरणवार विस्तृत समाधान की जानकारी मंच से दी गई।

सुशासन तिहार समाधान शिविर का शुभारंभ दीप प्रज्जवलन कर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा, महापौर मीनल चौबे, सभापति सूर्यकांत राठौड़ ने किया। परिवहन विभाग के स्टॉल में रावाभाठा निवासी सुश्री ऋतु चातुरे को आवेदन देते ही उनका तत्काल लर्निंग लाईसेंस बनाकर दिया गया। जिसे उन्हें उत्तर विधायक, महापौर, सभापति ने मंच पर बुलाकर दिया। महिला एवं बाल विकास विभाग के स्टॉल में उत्तर विधायक, महापौर, सभापति ने 5 नवजात शिशुओं का अन्न प्रासन्न किया।

रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा ने कहा कि जब प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय तेज दुपहरी में सुदुर अंचलो के गांवो में जाकर लोगो की समस्याएं सुनकर उनका त्वरित निदान कर रहे है तो सभी अधिकारियों को एसी रूम से बाहर निकलकर आमजनता के बीच जाकर उनकी समस्याएं सुनकर उनका त्वरित निदान करने का सुशासन तिहार के अंतर्गत संकल्प लेकर कार्य करना चाहिए। मंच से उत्तर विधायक ने निर्देश दिये कि तात्यापारा में टोटीविहीन सार्वजनिक नल में संबंधित जोन अधिकारी तत्काल टोटी लगवाकर पेयजल की बचत करना सुनिश्चित करें। उत्तर विधायक ने रायपुर जिला कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह एवं महापौर मीनल चौबे की चुस्त कार्यप्रणाली को मंच से सराहा। उत्तर विधायक ने नागरिको से रायपुर जिला, रायपुर नगर निगम, रायपुर शहर को प्रदेश में नंबर बनाने का प्रण लेकर सहभागी बनने का आव्हान किया। उन्होने यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति ऑपरेशन सिंदूर चलाने एवं आतंकवाद के विरुद्ध कार्यवाही करने पर कृतज्ञता व्यक्त की।

खरीफ वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन, खाद्य सचिव श्रीमती रीना बाबासाहेब कंगाले ने की समीक्षा

रायपुर (विश्व परिवार)। आगामी खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के लिए आवश्यक अग्रिम तैयारियों की समीक्षा खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग की सचिव श्रीमती रीना बाबा साहेब कंगाले द्वारा आज मंत्रालय में की गई। उन्होंने किसान पंजीयन से लेकर खरीदी केंद्रों की निगरानी व्यवस्था तक समस्त पहलुओं की विस्तृत समीक्षा की।

बैठक में अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि धान उपार्जन के लिए किसानों की पंजीयन प्रक्रिया समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से सुनिश्चित की जाए। सचिव श्रीमती कंगाले ने कहा कि खरीफ सीजन 2025-26 में बोया गया धान समर्थन मूल्य पर खरीदा जाएगा। पूर्व वर्ष का या रबी सीजन का धान यदि लाया गया, तो ऐसे मामलों में कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सचिव श्रीमती कंगाले ने कहा कि खरीदी के दौरान रैंडम आधार पर धान का सैम्पल लेकर मॉइस्चर मीटर से नमी का परीक्षण किया जाएगा। साथ ही कैमिकल टेस्ट के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जाएगा कि कोई पुराना धान समर्थन मूल्य पर न बेचे। रबी सीजन या पूर्व वर्ष का धान पाए जाने पर सभी संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सचिव श्रीमती कंगाले ने विभागीय अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि खरीदी केंद्रों पर सभी व्यवस्थाएं पहले से दुरुस्त की जाएं, जिससे खरीफ सीजन में सुगम, पारदर्शी और अनुशासित उपार्जन सुनिश्चित हो सके।

'ऑपरेशन सिंदूर' की वीरता को समर्पित पराक्रम दिवस- छत्तीसगढ़ के व्यापारियों की भारतीय सेना को सलामी : कैट

रायपुर (विश्व परिवार)। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) छत्तीसगढ़ चैप्टर द्वारा आज राजधानी रायपुर के जयस्तंभ चौक में पराक्रम दिवस का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तान में आतंकियों पर की गई निर्णायक कार्रवाई ऑपरेशन सिंदूर को समर्पित था। सैकड़ों की संख्या में व्यापारियों ने कार्यक्रम में भाग लेकर सेना के शौर्य, पराक्रम व राष्ट्रभक्ति को सलाम किया। पूरे माहौल में भारतीय सेना जिंदाबाद और भारत सरकार जिंदाबाद जैसे देशभक्ति से ओत-प्रोत नारों की गूंज रही।

कार्यक्रम के माध्यम से 12 लाख व्यापारियों की ओर से यह संदेश दिया गया कि छत्तीसगढ़ का व्यापारी समाज आतंक के विरुद्ध देश की सरकार और सेना के हर कदम में साथ खड़ा है और रहेगा। इस अवसर पर जश्न स्वरूप 51 किलो लड्डू का वितरण किया गया, जिसे जनसमूह ने बड़े उत्साह के साथ ग्रहण किया। इस आयोजन में कई व्यापारी संगठनों ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई और एक स्वर में भारतीय सेना के साहस की प्रशंसा की।

कैट के राष्ट्रीय वाइस चेयरमेन श्री अमर पारवानी ने बताया कि भारतीय सेना द्वारा मंगलवार एवं बुधवार की दरमियानी रात पाकिस्तान एवं पीओके के कब्जे वाले में नौ आतंकवादी ठिकानों पर मिसाइल हमले किए जिसमें बड़ी संख्या में आंतकवादियों को मार गिराया गया। भारत सरकार ने आंतकवाद को स्पष्ट संदेश दिया है कि भारत की सरजमीं पर आंतकवाद कतई बर्दाशत नहीं किया जायेगा। इस तरह के नापाक कायराना हरकतो का जवाब पाकिस्तान में घुसकर आंतकवादियों के खात्में के लिए भारतीय सेना तत्पर है।

इस अवसर कैट के पदाधिकारी मुख्य रूप से कैट के राष्ट्रीय वाइस चेयरमेन अमर पारवानी, छत्तीसगढ़ सहकारी दुग्ध महासंघ मर्यादित के अध्यक्ष केदारनाथ गुप्ता, छत्तीसगढ़ अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष अमरजीत सिंह छाबड़ा, जितेन्द्र दोशी, परमानन्द जैन, सुरिन्द्रर सिंह, अजय अग्रवाल, अवनीत सिंह, दीपक विधानी, जय नानवानी, प्रीतपाल सिंह बग्गा, कन्हैया गुप्ता, शंकर बजाज, टीनिवास रेडडी, उत्तम गोलछा, महेन्द्र बागरोडिया, जनक वाधवानी, राजेन्द्र खटवानी, अमर धिंगानी, विजय पटेल, विक्रांत राठौर, परविन्द्रर सिंह, रतनदीप सिंह, शैलेन्द्र शुक्ला, बी.एस. परिहार, प्रकाश माखीजा, भरत भूषण गुप्ता सहित व्यापारीगण उपस्थित रहे।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354